

किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0:

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 5 अंकः 50 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) सोमवार 30 नवम्बर 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

परिसीमन विधेयक पर विपक्ष में दरार, शरद पवार से मिलने अस्पताल पहुंचे राहुल गांधी

मुंबई। परिसीमन विधेयक को लेकर विपक्षी खेमे में सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष के अन्य नेता शरद पवार से मिलने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल पहुंचे। वहीं, विधेयक को लेकर महाराष्ट्र में पवार परिवार और पार्टी के भीतर मतभेद सामने आने लगे हैं। शरद पवार गुट के विधेयक को समर्थन देने के फैसले से नाराज विधायक रोहित पवार ने सुप्रिया सुले को पत्र लिखकर अपनी पीड़ा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि इस घटनाक्रम से उनका मन आहत हुआ है। दूसरी ओर, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और ममता बनर्जी सहित विपक्ष के प्रमुख नेता चेन्नई पहुंचकर डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन को विधेयक का विरोध करने के लिए मनाने में जुटे हैं। परिसीमन विधेयक पर शुरू हुई यह लड़ाई अब विपक्षी एकजुटता की परीक्षा लेने के साथ-साथ महाराष्ट्र में पवार परिवार के राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित करती नजर आ रही है।

जनकपुर से अयोध्या पहुंचा सीता-राम विवाह का न्योता, पहली बार चली सरयू-कमला एक्सप्रेस

जनकपुर धाम से भगवान श्रीराम के लिए तिलक लेकर पहुंचे सैकड़ों श्रद्धालु, अयोध्या धाम स्टेशन पर फूलों की वर्षा से हुआ भव्य स्वागत

समाज जागरण

अयोध्या। त्रेतायुग की पावन परंपरा एक बार फिर जीवंत हो उठी, जब नेपाल के जनकपुर धाम से भगवान श्रीराम के लिए तिलक और विवाह का निमंत्रण लेकर सैकड़ों श्रद्धालु पहली बार सीधे ट्रेन से अयोध्या पहुंचे। जनकपुर से चली सरयू-कमला एक्सप्रेस के अयोध्या धाम स्टेशन पहुंचते ही पूरा परिसर जय श्रीराम के जयघोष और भक्ति के उल्लास से गूंज उठा। अयोध्या वासियों ने जनकपुर से आए श्रद्धालुओं का फूलों की वर्षा कर भव्य स्वागत किया। यह यात्रा केवल रेल सफर नहीं, बल्कि माता सीता और प्रभु श्रीराम के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, धार्मिक और पारिवारिक संबंधों का प्रतीक बन गई।

जनकपुर धाम महानगरपालिका के नगर प्रमुख मनोज कुमार साह ने कहा कि जनकपुर माता सीता की जन्मभूमि और अयोध्या भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है। दोनों धामों का संबंध त्रेतायुग से जुड़ा है। धनुष यज्ञ के बाद राजा जनक ने राजा दशरथ को विवाह का निमंत्रण भेजा था



और अयोध्या से भव्य बारात जनकपुर पहुंची थी। उसी परंपरा को आज भी श्रद्धा और आस्था के साथ निभाया जा रहा है। हर वर्ष जनकपुर से तिलक लेकर श्रद्धालु अयोध्या आते हैं, लेकिन इस बार पहली बार सीधी ट्रेन से यात्रा होने के कारण श्रद्धालुओं को विशेष सुविधा मिली।

मनोज कुमार साह ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आज कलयुग में त्रेतायुग का आभास हो रहा है। श्रद्धालु जनकपुर से दोपहर में ट्रेन से रवाना हुए और सुबह साढ़े सात बजे अयोध्या पहुंच गए। उन्होंने बताया कि ट्रेन में भोजन सहित सभी व्यवस्थाएं बेहतर थीं और समय पर पहुंचने से श्रद्धालुओं को पूजा-पाठ, दर्शन और सरयू स्नान के लिए पर्याप्त समय मिला।

विधिवत होगा तिलक, विवाह का निमंत्रण मंदिर ट्रस्ट को सौंपेंगे

जनकपुर धाम के नगर प्रमुख ने बताया कि रविवार को दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक तिलक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जनकपुर धाम महानगरपालिका, जानकी मंदिर के महंत राम तपेश्वर दास और विश्व हिंदू परिषद के प्रतिनिधि विधिवत तिलक चढ़ाएंगे। कार्यक्रम के बाद विवाह का निमंत्रण पत्र मंदिर ट्रस्ट को सौंपा जाएगा। जनकपुर से आए श्रद्धालु संपूर्ण अयोध्या वासियों को 14 तारीख को होने वाले सीता-राम विवाह के लिए आमंत्रित कर रहे हैं।

पहली सीधी ट्रेन से श्रद्धालुओं में उत्साह

अयोध्या महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि जनकपुर से श्रद्धालुओं का अयोध्या पहुंचना अत्यंत सुखद अवसर है। इसी सप्ताह अयोध्या से जनकपुर के लिए ट्रेन रवाना हुई थी और अब जनकपुर से श्रद्धालु तिलक लेकर अयोध्या पहुंचे हैं। यह दोनों धार्मिक नगरों के बीच बढ़ते संपर्क और आत्मीयता का प्रतीक है।

श्रद्धालु श्रवण कुमार झा ने बताया कि सरयू-कमला एक्सप्रेस से यात्रा बेहद आरामदायक रही। ट्रेन में खाने-पीने सहित सभी सुविधाएं उपलब्ध थीं और समय पर अयोध्या पहुंचने से किसी प्रकार की परेशानी नहीं हुई। श्रद्धालुओं ने कहा कि जनकपुर से सीधे अयोध्या पहुंचना और यहां मिले भव्य स्वागत ने उनकी खुशी को दोगुना कर दिया। जनकपुर से अयोध्या तक चली यह विशेष यात्रा भारत-नेपाल के सांस्कृतिक रिश्तों को नई ऊंचाई देने के साथ ही सीता-राम विवाह की पावन परंपरा को आधुनिक समय में भी जीवंत बनाए रखने का संदेश दे रही है।

12 वर्षों में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर, फिर पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियां गरीब कैसे ?

गरीबी के आंकड़ों में ऐतिहासिक गिरावट का दावा, लेकिन जातिगत पिछड़ेपन और 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिलने पर नए सवाल; आर्थिक गरीबी घटी तो क्या सामाजिक और राजनीतिक गरीबी अब भी कायम है ?

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारत में गरीबी को लेकर सामने आए आंकड़े एक ओर देश की आर्थिक प्रगति की तस्वीर पेश कर रहे हैं, तो दूसरी ओर कई ऐसे सवाल भी खड़े कर रहे हैं, जिनका जवाब केवल आंकड़ों से नहीं मिल सकता। वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अनुमानित 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। निम्न-मध्यम आय वाले देशों के लिए निर्धारित गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गया। अत्यधिक गरीबी की दर भी 27.1 प्रतिशत से गिरकर 2.6 प्रतिशत पर पहुंच गई।

विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की 'पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ' रिपोर्ट के हवाले से प्रकाशित जानकारी के अनुसार, भारत पिछले एक दशक में गरीबी में तेजी से कमी दर्ज करने वाले देशों में शामिल है। ये आंकड़े निश्चित रूप से आर्थिक विकास और जीवन स्तर में सुधार की ओर संकेत करते हैं। लेकिन सवाल यह है कि यदि इतनी बड़ी आबादी गरीबी से बाहर आ चुकी है, तो देश में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों के आर्थिक पिछड़ेपन का मुद्दा आज भी इतना प्रमुख क्यों बना हुआ है?

80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन, आखिर यह कैसी गरीबी?

सरकार की मुफ्त खाद्यान्न योजना के तहत लगभग 80 करोड़ लोगों को राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि जब करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल चुके हैं, तो इतनी बड़ी आबादी को मुफ्त राशन की आवश्यकता क्यों बनी हुई है?

हालांकि, मुफ्त राशन पाने वाले सभी लोग अत्यधिक गरीब नहीं होते। खाद्य सुरक्षा योजना के लाभार्थियों का चयन और गरीबी का आकलन अलग-अलग मानकों पर होता है। राशन योजना का उद्देश्य कमजोर परिवारों को खाद्य सुरक्षा देना है, जबकि



गरीबी के आंकड़े आय या उपभोग के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

फिर भी, इतनी बड़ी आबादी का खाद्य सहायता पर निर्भर होना इस बात की ओर ध्यान दिलाता है कि आर्थिक सुधार के बावजूद आम परिवारों की आजीविका, रोजगार और खर्च वहन करने की क्षमता पर गंभीर चर्चा आवश्यक है।

गरीबी घटी तो पिछड़ेपन का सवाल क्यों कायम?

देश में जातिगत पिछड़ेपन की चर्चा केवल आय तक सीमित नहीं है। शिक्षा, रोजगार, सामाजिक अवसर, जमीन और संपत्ति का स्वामित्व तथा संसाधनों तक पहुंच भी इसके महत्वपूर्ण आधार हैं। संभव है कि किसी परिवार की आय गरीबी रेखा से ऊपर पहुंच गई हो, लेकिन वह शिक्षा, रोजगार और सामाजिक अवसरों के मामले में अब भी पिछड़ा हो।

यही वह बिंदु है जहां आर्थिक गरीबी और सामाजिक पिछड़ेपन के बीच अंतर समझना जरूरी हो जाता है। गरीबी रेखा से ऊपर पहुंचना अपने आप में सामाजिक समानता की गारंटी नहीं है।

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 तक भारत में लगभग 99 प्रतिशत लोगों को बिजली की सुविधा उपलब्ध थी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जीवन स्तर में सुधार हुआ तथा ग्रामीण भारत में तेजी से हुई प्रगति ने दोनों क्षेत्रों के बीच अंतर कम करने में मदद की।

बिजली पहुंची, लेकिन स्वच्छता और पानी अब भी चुनौती

लेकिन दूसरी ओर, लगभग हर दस में से तीन लोगों को निर्धारित सेवा मानकों के अनुरूप स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। करीब 6.4 प्रतिशत आबादी को मानकों के अनुरूप पेयजल की सुविधा नहीं मिल रही थी। इससे स्पष्ट है कि गरीबी से बाहर निकलने का अर्थ केवल आय बढ़ना नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन के लिए आवश्यक सुविधाओं का उपलब्ध होना भी है।

"अगर 12 वर्षों में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं, तो पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों के नाम पर गरीबी का सवाल आज भी इतना बड़ा क्यों है?"
— समाज जागरण

"लोग अमीर होते जा रहे हैं, लेकिन जातियां गरीब होती जा रही हैं। आखिर यह विरोधाभास कैसे?"
— समाज जागरण

"अगर आर्थिक गरीबी घट रही है, तो क्या भारत में अब मानसिक और राजनीतिक गरीबी का विस्तार हो रहा है, जो गरीबी के सवाल को खत्म ही नहीं होने देना चाहती?"

भूपेन हजारिका : जिनके गीतों में धड़कता है पूर्वोत्तर भारत

समाज जागरण

नई दिल्ली। भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जन्मशती के अवसर पर उनके संगीत, साहित्य और सिनेमा में योगदान को याद किया जा रहा है। 29 नवंबर 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में जन्मशती वर्ष का समापन समारोह आयोजित किया जा रहा है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं।



भूपेन हजारिका ने अपने गीतों के माध्यम से असम की लोकसंस्कृति और पूर्वोत्तर भारत की पहचान को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया। उनकी रचनाओं में सामाजिक न्याय, समानता, मानवता और सांस्कृतिक एकता का संदेश मिलता है। उन्होंने संगीत को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और इंसानियत की आवाज बनाया। उनकी आवाज में ब्रह्मपुत्र की लहरों, लोकजीवन की संवेदनाओं और आम आदमी के संघर्षों की गूंज सुनाई देती थी। गायक, संगीतकार, कवि और फिल्मकार के रूप में उनका योगदान भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है।

विशेष कोट

"उनके गीत केवल संगीत नहीं, बल्कि इंसानियत, समानता और सांस्कृतिक एकता का संदेश हैं।"
— समाज जागरण

परिसीमन बिल पर कांग्रेस विधायक ने ही खोला समर्थन का मोर्चा, पार्टी की रणनीति पर उठे सवाल



समाज जागरण

नई दिल्ली। परिसीमन विधेयक को लेकर कांग्रेस जहां विपक्षी दलों को एकजुट करने में जुटी है, वहीं कर्नाटक के पार्टी विधायक कोथुर मंजूनाथ ने विधेयक का समर्थन कर कांग्रेस की रणनीति के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है। मंजूनाथ का कहना है कि विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं की संख्या करीब एक लाख से डेढ़ लाख के बीच होनी चाहिए, जिससे विधायकों के लिए जनता की समस्याएं सुनना और उनका समाधान करना आसान हो सके।

मंजूनाथ ने इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर जैसे देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि छोटे निर्वाचन क्षेत्र होने से जनप्रतिनिधियों की जनता तक पहुंच बेहतर हो सकती है। उनके अनुसार, मतदाताओं की संख्या सीमित रहने से विधायक अपने क्षेत्र के विकास और लोगों की समस्याओं पर अधिक प्रभावी ढंग से काम कर सकेंगे।

उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब कांग्रेस परिसीमन विधेयक के खिलाफ विपक्षी दलों को लामबंद करने की कोशिश कर रही है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार भी विपक्षी दलों से विधेयक का समर्थन नहीं करने की अपील कर रहे हैं।

ऐसे में कांग्रेस के ही विधायक का परिसीमन के समर्थन में सामने आना पार्टी के लिए राजनीतिक असहजता पैदा कर सकता है। अब सवाल यह है कि क्या कांग्रेस आलाकमान अपने विधायक के विचारों से सहमत होगा या पार्टी की आधिकारिक रणनीति के तहत उनका विरोध करेगा?

"विधानसभा क्षेत्र में 1 से 1.5 लाख मतदाता हों, तो विधायकों के लिए जनता की समस्याएं सुलझाना आसान होगा।"
— कोथुर मंजूनाथ, कांग्रेस विधायक

दिल्ली में 15 लाख रुपये में डीडीए का फ्लैट, 30 नवंबर दोपहर 12 बजे से बुकिंग

नरेला में 1,487 एलआईजी फ्लैट उपलब्ध, 25 प्रतिशत छूट के बाद कीमत करीब 15.01 लाख रुपये; बुकिंग के लिए देने होंगे एक लाख रुपये

समाज जागरण

नई दिल्ली। दिल्ली में अपना घर खरीदने का सपना देख रहे लोगों के लिए दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) एक और मौका लेकर आया है। डीडीए की आवास निवेश योजना 2026 के तीसरे चरण के तहत नरेला के सेक्टर जी-2 से जी-6, पॉकेट-5 में 1,487 एलआईजी फ्लैट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इन फ्लैटों की बुकिंग सोमवार, 30 नवंबर को दोपहर 12 बजे से शुरू होगी। डीडीए के आधिकारिक परिपत्र के अनुसार, 25 प्रतिशत छूट के बाद फ्लैट की शुरूआती कीमत करीब 15.01 लाख रुपये रखी गई है।

25 प्रतिशत छूट के बाद कीमत 15.01 लाख रुपये

डीडीए के अनुसार, प्रत्येक फ्लैट का प्लिंथ एरिया लगभग 49.90 वर्ग मीटर है, जिसमें बालकनी और साझा क्षेत्र भी शामिल हैं। फ्लैट की कीमत 15,01,049 रुपये निर्धारित की गई है। हालांकि, यह कीमत रखरखाव शुल्क, जीएसटी और अन्य लागू शुल्कों से अलग है। वास्तविक मांग पत्र में फ्लैट के क्षेत्रफल के अनुसार कीमत में बदलाव हो सकता है।

बुकिंग के लिए एक लाख रुपये जमा करना होगा



योजना के तहत फ्लैट बुक करने के लिए एक लाख रुपये की बुकिंग राशि जमा करनी होगी। बुकिंग डीडीए के आवास पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन होगी। जिन आवेदकों ने पहले ही डीडीए आवास पोर्टल पर पंजीकरण करा लिया है, उन्हें दोबारा पंजीकरण कराने की जरूरत नहीं है।

पहले भी कुछ घंटों में बिक गए थे फ्लैट

डीडीए के परिपत्र में बताया गया है कि योजना के पहले उपलब्ध कराए गए एलआईजी फ्लैट बुकिंग शुरू होने के कुछ ही घंटों में बुक हो गए थे। इसी मांग को देखते हुए प्राधिकरण ने नरेला के पॉकेट-5 में अतिरिक्त फ्लैट उपलब्ध कराने का फैसला किया है।

संजय निषाद का ऐलान, मिजार्पुर की तीनों सीटों पर उतारेंगे उम्मीदवार

मिजार्पुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले एनडीए में सीट बंटवारे को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। निषाद पार्टी के अध्यक्ष और मंत्री संजय निषाद ने मिजार्पुर की छानबे, मझवां और मिजार्पुर सदर सीट से अपनी पार्टी के उम्मीदवार उतारने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा, ह्लएक हफ्ते में मेरी राजनीति देखिए।ह्व संजय निषाद ने शीर्ष नेतृत्व को चेताते हुए कहा कि हर सीट पर करीब एक लाख निषाद वोट हैं, इसलिए पार्टी को मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

योगी बोले- कमल ही भाजपा का चेहरा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भाजपा आगामी विधानसभा चुनाव कमल के निशान पर लड़ेगी। गोरखपुर में उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में माफियाराज पर नियंत्रण हुआ है और उद्योगों तथा रोजगार के अवसरों का विस्तार हुआ है। उन्होंने यूपी में एके-203 राइफल और ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण का भी जिक्र किया।

1 दिसंबर काल भैरव जयंती

काल के स्वामी काल भैरव : रतनपुर में आज भी जीवंत है भैरव उपासना की परंपरा

भारतीय सनातन परंपरा में भगवान शिव के अनेक स्वरूपों का वर्णन चुनाव मिलता है। इनमें एक स्वरूप है, काल भैरव। यह स्वरूप जितना उग्र दिखाई देता है, उसका आध्यात्मिक संदेश उतना ही गहरा है। काल भैरव केवल भय का प्रतीक नहीं, बल्कि भय से मुक्ति, समय की चेतना, अनुशासन, न्याय और धर्म की रक्षा के प्रतीक माने जाते हैं। मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाई जाने वाली काल भैरव जयंती इसी दिव्य स्वरूप के प्राकट्य का स्मरण कराती है। वर्ष 2026 में काल भैरव जयंती मंगलवार, 1 दिसंबर को मनाई जाएगी। इस दिन को भैरव अष्टमी अथवा कालाष्टमी भी कहा जाता है। काल भैरव के स्वरूप को समझने के लिए ह्यकालह्ल शब्द को समझना आवश्यक है। काल अर्थात समय। समय किसी के लिए रुकता नहीं और न ही किसी के प्रभाव में आता है। मनुष्य की सत्ता, धन, पद, प्रतिष्ठा और अहंकार सब समय के सामने क्षणभंगुर हैं। इसीलिए काल भैरव की उपासना के भीतर एक संदेश छिपा है कि मनुष्य अपने जीवन को संयमित करे, अहंकार से बचे और अपने कर्मों के प्रति सजग रहे।

पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव के उग्र स्वरूप से काल भैरव का प्राकट्य हुआ। कथा में ब्रह्मा के अहंकार और उनके पांचवें मुख से निकले अनुचित वचन का प्रसंग आता है। शिव के रौद्र स्वरूप से प्रकट भैरव ने उस अहंकार का दमन किया। इसी कारण भैरव को अधर्म, अहंकार और असत्य के विनाश से जोड़ा जाता है। हालांकि इन कथाओं का उद्देश्य केवल पौराणिक घटना का वर्णन करना नहीं, बल्कि मनुष्य को यह संदेश देना है कि ज्ञान और शक्ति का उपयोग विनम्रता तथा धर्म के लिए होना चाहिए। काल भैरव को काशी का कोतवाल भी कहा जाता है। भारतीय धार्मिक परंपरा में वे क्षेत्रपाल अर्थात किसी क्षेत्र की रक्षा करने वाले देवता के रूप में प्रतिष्ठित हैं। उनके हाथ में दंड और उनके साथ श्वान का संबंध भी इसी रक्षक स्वरूप को दशार्ता है। भैरव उपासना में सरसों के तेल का दीपक, काले तिल, पुष्प आदि अर्पित करने की परंपरा अनेक क्षेत्रों में प्रचलित है। भक्त उपवास, पूजा और रात्रि जागरण के माध्यम से भगवान भैरव का स्मरण करते हैं।

रतनपुर में भैरव बाबा की विशेष महिमा है। छत्तीसगढ़ की धार्मिक और ऐतिहासिक नगरी रतनपुर में काल भैरव की उपासना की अपनी विशिष्ट पहचान है। यहां स्थित काल भैरव मंदिर रतनपुर की धार्मिक यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। स्थानीय धार्मिक परंपरा में काल भैरव को मां महामाया का रक्षक और द्वारपाल माना जाता है। रतनपुर स्थित मां महामाया मंदिर की परंपरा में भी काल भैरव को देवी के संरक्षक के रूप में माना गया है और श्रद्धालुओं के बीच यह मान्यता प्रचलित है कि महामाया दर्शन से पहले काल भैरव के दर्शन करने चाहिए। रतनपुर का धार्मिक महत्व केवल एक मंदिर तक सीमित नहीं है। यह नगर प्राचीन कालचुरी सत्ता से जुड़ी ऐतिहासिक नगरी रहा है और यहां अनेक प्राचीन मंदिर, तालाब तथा धार्मिक स्थल इसकी पुरातन सांस्कृतिक पहचान को आज भी जीवित रखते हैं। इसी धार्मिक परिदृश्य में काल भैरव मंदिर का स्थान विशेष है। रतनपुर आने वाला श्रद्धालु मां महामाया के दर्शन के साथ भैरव बाबा के दरबार में भी अपनी श्रद्धा अर्पित करता है। काल भैरव मंदिर रतनपुर के राजमार्ग क्षेत्र में स्थित है और आज भी यहां श्रद्धालुओं की नियमित आवाजाही बनी रहती है। मंदिर को स्थानीय धार्मिक पर्यटन परंपरा में महामाया मंदिर से जुड़े प्रमुख तीर्थस्थल के रूप में देखा जाता है। उपलब्ध स्थानीय विवरणों में इसे रतनपुर की भैरव परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र बताया गया है।

काल भैरव जयंती के अवसर पर रतनपुर में भक्ति का विशेष वातावरण निर्मित होता है। भैरव बाबा के मंदिर में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करते हैं और अपनी मनोकामनाओं के साथ जीवन में सुख, शांति और सुरक्षा की प्रार्थना करते हैं। रतनपुर में भैरव जयंती से जुड़े धार्मिक आयोजनों की परंपरा भी रही है। पूर्व वर्षों में यहां भैरव जयंती के अवसर पर विशेष पूजा तथा कई दिनों तक चलने वाले धार्मिक आयोजन और रुद्र महायज्ञ आयोजित किए गए हैं। भैरव उपासना का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यहां केवल बाहरी भय से मुक्ति की कामना नहीं की जाती, बल्कि मनुष्य अपने भीतर के भय, लोभ, क्रोध, अहंकार और असत्य से मुक्ति का संकल्प भी लेता है। वास्तव में यही इस पर्व की सबसे बड़ी प्रासंगिकता है।

आज का मनुष्य तकनीकी रूप से बहुत आगे बढ़ गया है, लेकिन मानसिक तनाव, असुरक्षा, प्रतिस्पर्धा और भविष्य की चिंता उसके जीवन का हिस्सा बन गए हैं। ऐसे समय में काल भैरव का संदेश हमें वर्तमान में जीने और अपने कर्मों के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देता है। काल का स्वामी वही है जो समय का सम्मान करना सीखता है।

भैरव भय नहीं, निर्भयता के देवता हैं। काल भैरव के स्वरूप को देखकर पहली दृष्टि में भय उत्पन्न हो सकता है। उनके रौद्र रूप, दंड और श्वान की उपस्थिति को केवल बाहरी प्रतीकों के रूप में देखने के बजाय इनके आध्यात्मिक अर्थ को समझने की आवश्यकता है। भैरव का रौद्र रूप बुराइयों के विरुद्ध शक्ति का प्रतीक है। उनका दंड न्याय का प्रतीक है और उनका क्षेत्रपाल स्वरूप सुरक्षा का संदेश देता है। इसीलिए काल भैरव की आराधना का वास्तविक अर्थ किसी को डराना नहीं, बल्कि भय के ऊपर विजय प्राप्त करना है। जो व्यक्ति समय की कीमत समझता है, कर्म की जिम्मेदारी स्वीकार करता है और सत्य के मार्ग पर चलता है, उसके भीतर धीरे-धीरे निर्भयता का भाव पैदा होता है।

रतनपुर की विरासत और हमारी जिम्मेदारी है। रतनपुर के मंदिर केवल पूजा के स्थल नहीं हैं, बल्कि वे छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक स्मृति के जीवंत केंद्र हैं। काल भैरव मंदिर, मां महामाया मंदिर और रतनपुर के अन्य ऐतिहासिक-धार्मिक स्थल मिलकर इस नगर को एक विशिष्ट तीर्थ-पर्यटन परिपथ प्रदान करते हैं। इस विरासत को केवल धार्मिक आस्था के भरोसे छोड़ देना पर्याप्त नहीं है। मंदिरों की स्वच्छता, ऐतिहासिक जानकारी का प्रामाणिक दस्तावेजीकरण, श्रद्धालुओं की सुविधा, यातायात व्यवस्था और स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। धार्मिक पर्यटन तभी सार्थक होगा, जब श्रद्धा के साथ विरासत संरक्षण की चेतना भी विकसित हो। काल भैरव जयंती इसलिए केवल एक धार्मिक तिथि नहीं है। यह समय के प्रति सजग होने, अपने भीतर के अहंकार को पहचानने, अनुशासन अपनाने और सत्य के पक्ष में खड़े होने का अवसर है। रतनपुर का काल भैरव मंदिर इस संदेश को स्थानीय आस्था और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक परंपरा से जोड़ता है।

आज जब जीवन की गति पहले से कहीं अधिक तेज हो गई है, तब काल भैरव का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है , समय को व्यर्थ मत जाने दो, कर्म से विमुख मत हो और भय के सामने अपने विवेक को मत खोओ। रतनपुर में भैरव बाबा के चरणों में जलता दीपक केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि उस सनातन विश्वास का प्रतीक है जिसमें अंधकार के बीच भी प्रकाश की तलाश जारी रहती है। काल भैरव हमें स्मरण कराते हैं कि समय सबसे बड़ा न्यायाधीश है और अंततः मनुष्य की पहचान उसके कर्मों से ही होती है।

काल के स्वामी काल भैरव के चरणों में यही प्रार्थना है -
सत्य का साहस मिले, कर्म की शक्ति मिले,
अहंकार से मुक्ति मिले और जीवन को धर्म, संयम तथा सदाचार की दिशा मिले।

ॐ कालभैरवाय नमः।

- सुरेश सिंह बैस "शाश्वत" ,

जब एक दीपक ने खोल दी व्यवस्था की कई परतें

महेन्द्र तिवारी



भारत की सांस्कृतिक पहचान उसकी विविध धार्मिक परंपराओं, मान्यताओं और उत्सवों में दिखाई देती है। यहाँ अलग-अलग धर्मों के लोग अपनी आस्थाओं के अनुसार पूजा-पाठ, प्रार्थना और धार्मिक अनुष्ठान करते आए हैं। अनेक स्थान ऐसे हैं जहाँ विभिन्न समुदायों की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराएँ एक ही भौगोलिक परिवेश में विकसित हुई हैं। ऐसे स्थानों पर आपसी सम्मान, संवेदनशीलता और सामाजिक सद्भाव की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुप्परनकुंड्रम पहाड़ी पर कार्तिगई दीपम जलाने को लेकर उठा विवाद इसी संवेदनशीलता, धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक मयार्दाओं से जुड़ा हुआ है। इस घटना ने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि धार्मिक आस्था, ऐतिहासि-क परंपरा, प्रशासनिक व्यवस्था और न्यायिक आदेशों के बीच संतुलन कैसे कायम किया जाए।

तिरुप्परनकुंड्रम तमिलनाडु के प्रमुख धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। यहाँ भगवान सुब्रमण्यम अर्थात भगवान मुरुगन का प्रसिद्ध मंदिर स्थित है। पहाड़ी का धार्मिक और ऐतिहासिक महत्त्व बहुत पुराना है। इसी पहाड़ी पर सिकंदर दरगाह भी स्थित है, जहाँ मुस्लिम समुदाय के लोग श्रद्धा और विश्वास के साथ जाते हैं। एक ही पहाड़ी पर दो धार्मिक स्थलों की उपस्थिति इस क्षेत्र को सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से विशिष्ट बनाती है। यहाँ दोनों समुदायों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करना और किसी भी प्रकार के तनाव से बचना प्रशासन तथा समाज, दोनों की साझा जिम्मेदारी है।

विवाद का केंद्र पहाड़ी पर स्थित दीपथूण नामक एक पत्थर का स्तंभ है। कार्तिगई दीपम तमिल परंपरा का एक अत्यंत महत्त्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व दीपों की रोशनी, धार्मिक श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना का प्रतीक माना जाता है। इस अवसर पर घरों, मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर दीप जलाए जाते हैं। तमिल समाज में इस पर्व का विशेष स्थान है। श्रद्धालुओं का एक वर्ग लंबे समय से पहाड़ी पर स्थित दीपथूण पर भी परंपरागत रूप से दीप जलाने की मांग करता रहा है। दूसरी ओर, इस स्थान की धार्मिक स्थिति, ऐतिहासिक उपयोग और निकटवर्ती दरगाह की सुरक्षा को लेकर आपत्तियाँ सामने आती रही हैं। यही मतभेद धीरे-धीरे न्यायालय तक पहुँच गया।

इस मामले में मद्रास उच्च न्यायालय ने 6 जनवरी 2026 को अपना निर्णय दिया था। इसके बाद मामला उच्चतम न्यायालय पहुँचा। 20 नवंबर 2026 को उच्चतम न्यायालय की पीठ ने दीपथूण पर कार्तिगई दीपम जलाने की एक बार की अनुमति प्रदान की। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था विवाद के अंतिम निपटारे का निर्णय नहीं है और इससे किसी पक्ष को पहाड़ी के किसी हिस्से पर अतिरिक्त अधिकार, कब्जा या नियंत्रण प्राप्त नहीं होगा। न्यायालय ने सुरक्षा, पुरातात्त्विक संरक्षण और सार्वजनिक व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सीमित व्यवस्था बनाने का निर्देश भी दिया। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को स्मारक और उसके आसपास के क्षेत्र की स-ुरक्षा के लिए आवश्यक शर्तें निर्धारित करने की जिम्मेदारी दी गई।

हालाँकि, 24 नवंबर को निर्धारित धार्मिक आयोजन के समय दीपथूण पर दीप नहीं जलाया गया। दीप मंदिर के परंपरागत स्थान उच्चि पिल्लैयार मंडपम में जलाया गया। जिला प्रशासन ने न्यायालय को बताया कि मंदिर न्यास मंडल की अनुमति नहीं मिलने के कारण निर्धारित स्थान पर दीप जलाने की व्यवस्था पूरी नहीं हो सकी। इस घटनाक्रम ने न्यायालय के आदेश के अनुपालन को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए। याचिकाकताओं ने इसे न्यायालय के निदेशों की अवहेलना बताते हुए अवमानना की कार्यवाही की मांग की।

27 नवंबर को उच्चतम न्यायालय ने इस मामले पर कड़ा रुख अपनाया। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति विपुल पंचोली की पीठ ने अधिकारियों तथा मंदिर प्रशासन के आचरण पर गंभीर चिंता व्यक्त की। न्यायालय ने मंदिर न्यास मंडल को निलंबित कर दिया और मद्रास उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश एस. वैद्यनाथन तथा वी. पार्थिबन को मंदिर के प्रशासन की जिम्मेदारी सौंपते हुए प्रापक नियुक्त किया। न्यायालय ने 28 नवंबर को दीपथूण पर दीप जलाने का निर्देश दिया। साथ ही राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और अन्य संबंधित अधिकारियों को अवमानना संबंधी कारण बताओ नोटिस जारी किए। पहाड़ी तथा मंदिर परिसर की सुरक्षा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल को सौंपने का भी निर्देश दिया गया।

न्यायालय ने यह भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि दीप जलाने की अनुमति के कारण निकटवर्ती दरगाह की धार्मिक गतिविधियाँ प्रभावित न हों। इसके लिए दरगाह से कम से कम पचास मीटर की दूरी बनाए रखने और मुस्लिम श्रद्धालुओं को नमाज तथा अन्य धार्मिक गतिविधियों के लिए आने-जाने में किसी प्रकार की बाधा न पहुँचाने का निर्देश दिया गया। इस व्यवस्था का उद्देश्य दोनों धार्मिक स्थलों की गरिमा और सुरक्षा को बनाए रखना था। 28 नवंबर को न्यायालय द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की देखरेख में दीपथूण पर कार्तिगई दीपम जलाने की व्यवस्था की गई। इस प्रकार एक धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन के साथ न्यायालय के आदेश के अनुपालन का प्रश्न भी जुड़ गया।

इस पूरे प्रकरण का सबसे महत्त्वपूर्ण पक्ष यह है कि न्यायपालिका ने धार्मिक विवाद के अंतिम अधिकार और परंपरा का निर्णय किए बिना एक सीमित अंतरिम व्यवस्था बनाई थी। इसका अर्थ समझना आवश्यक है। किसी स्थान पर एक बार धार्मिक आयोजन की अनुमति मिल जाना अपने आप में उस स्थान पर किसी समुदाय के स्थायी धार्मिक अधिकार की कानूनी पुष्टि नहीं करता। न्यायालय ने स्वयं स्पष्ट किया था कि भूमि के स्वामित्व, उपयोग, धार्मिक अधिकार, परंपरा और मंदिर प्रशासन से जुड़े सभी मूल प्रश्न आगे न्यायिक विचार के लिए खुले रहेंगे। इसलिए इस आदेश को किसी एक समुदाय की संपूर्ण जीत या दूसरे समुदाय की हार के रूप में देखना उचित नहीं होगा।

भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को धर्म मानने, उसका पालन करने और धार्मिक गतिविधियों के संचालन का अधिकार देता है। अनुच्छेद 25 और 26 धार्मिक स्वतंत्रता तथा धार्मिक संस्थाओं के अधिकारों की रक्षा करते हैं। लेकिन ये अधिकार सार्वजनिक व्यवस्था, नैतिकता और स्वास्थ्य की संवैधानिक सीमाओं के अधीन हैं। इसका सीधा अर्थ है कि किसी भी धार्मिक स्वतंत्रता का प्रयोग दूसरे समुदाय के अधिकारों, सुरक्षा और सम्मान को चोट पहुँचाने के लिए नहीं किया जा सकता। धार्मिक आस्था का वास्तविक स्वरूप तभी सार्थक है, जब वह दूसरे की आस्था के प्रति भी संवेदनशील हो।

इस विवाद में तमिलनाडु सरकार और स्थानीय प्रशासन की भूमिका भी गंभीर समीक्षा की मांग करती है। न्यायालय के आदेश का पालन करना प्रत्येक सरकारी अधिकारी का संवैधानिक और प्रशासनिक दायित्व है। यदि किसी आदेश के अनुपालन में व्यावहारिक कठिनाई थी, तो प्रश-ासन को समय रहते न्यायालय के सामने अपनी बात रखनी चाहिए थी। किसी धार्मिक संस्था के निर्णय को न्यायालय के आदेश से ऊपर नहीं रखा जा सकता। इसी प्रकार न्यायिक आदेशों का पालन कराना भी ऐसी संवेदनशीलता के साथ होना चाहिए कि सामाजिक शांति और धार्मिक सद्भाव प्रभावित न हों। प्रशासन की सफलता केवल कानून लागू करने में नहीं, बल्कि संभावित तनाव को रोकने और सभी पक्षों में विश्वास कायम करने में भी निहित है।

इस घटना से समाज के लिए भी एक महत्त्वपूर्ण संदेश निकलता है। धर्म मनुष्य को विनम्रता, करुणा, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान की शिक्षा देता है। यदि धार्मिक प्रतीक सामाजिक टकराव का कारण बनने लगें, तो हमें अपनी धार्मिक चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी, दोनों पर विचार करना चाहिए। किसी समुदाय की आस्था का सम्मान करने का अर्थ दूसरे समुदाय की भावनाओं की उपेक्षा करना नहीं है। मंदिर में जलता दीप और दरगाह में की जाने वाली इबादत, दोनों अपने-अपने विश्वास की अभिव्यक्तियाँ हैं। इनके बीच टकराव के बजाय सह-अस्तित्व का वातावरण बनना चाहिए।

तिरुप्परनकुंड्रम की पहाड़ी पर जला कार्तिगई दीपम केवल एक धार्मिक अनुष्ठान की घटना नहीं है। इसने न्यायपालिका की सर्वोच्चता, प्रशासनिक जवाबदेही, धार्मिक स्वतंत्रता और सामाजिक सद्भाव जैसे व्यापक प्रश्नों को राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बना दिया है। इस मामले का अंतिम न्यायिक निर्णय अभी शेष है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष संयम रखें, न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करें और किसी भी प्रकार की भड़काऊ बयानबाजी से बचें। भारत की असली शक्ति उसकी विविधता में है। यहाँ अनेक आस्थाएँ एक साथ सांस लेती हैं। किसी एक की आस्था का दीप दूसरे के विश्वास का अंधकार नहीं बनना चाहिए। दीप की सार्थकता तभी है, जब उसका प्रकाश सबके जीवन में शांति, सद्भाव और विश्वास फैलाए।

मकान से मुकाम तक, विकास का असली सफर

गरीबी की घटती लकीर और विकास की बढ़ती जिम्मेदारी

हिस्से में आई राहत, हक में कब आएगी खुशहाली?



किसी देश की गरीबी का सबसे बड़ा प्रमाण उसके सरकारी आंकड़े नहीं, बल्कि वे मजबूरियां होती हैं, जो लोगों को बुनियादी जरूरतों से समझौता करने पर विवश करती हैं। जब किसी मां को रसोई के धुएं से मुक्ति मिलती है, किसी परिवार को पक्की छत मिलती है और किसी बच्चे के सामने अभाव के बजाय अवसरों का संसार खुलता है, तब विकास जमीन पर दिखाई देने लगता है। भारत में लगभग 50 करोड़ लोगों का गरीबी की निर्धारित सीमा से ऊपर आना इसी बदलाव का महत्वपूर्ण संकेत है। वर्ष 2011 से 2023 के बीच दर्ज यह परिवर्तन देश की विकास यात्रा का उल्लेखनीय पड़ाव है। अत्यधिक गरीबी में आई भारी गिरावट भी बताती है कि बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और सरकारी योजनाओं ने करोड़ों लोगों की परिस्थितियां बदली हैं। यह उपलब्धि सराहनीय है, लेकिन विकास का मूल्यांकन केवल इस आधार पर नहीं हो सकता कि कितने लोग गरीबी से बाहर आए; असली प्रश्न यह है कि वे कितने सुरक्षित हुए, उनकी आय कितनी स्थिर हुई और भविष्य की चुनौतियों से मुकाबले की उनकी क्षमता कितनी बढ़ी।

विश्व बैंक के आंकड़े इस परिवर्तन की व्यापकता रेखांकित करते हैं। उसके अनुसार, प्रतिदिन 4.20 डॉलर की गरीबी रेखा से नीचे रहने वाली आबादी 2011 में 57.7 प्रतिशत थी, जो 2023 तक घटकर 16.1 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में अत्यधिक गरीबी का अनुपात 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत पर पहुंच गया। दूसरी ओर, नीति आयोग के बहुआयामी गरीबी सूचकांक के मुताबिक लगभग 24.82 करोड़ लोग स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर से जुड़ी वंचनाओं से बाहर आए। दोनों आकलनों के आधार अलग-अलग हैं। विश्व बैंक आय को कसौटी बनाता है, जबकि नीति आयोग स्वास्थ्य, शिक्षा, आवास, स्वच्छता, बिजली और बैंकिंग जैसी सुविधाओं को आधार मानता है। इसलिए इनके निष्कर्षों को एक ही पैमाने पर नहीं रखा जा सकता, लेकिन दोनों भारत में गरीबी घटने की उल्लेखनीय प्रगति दशार्ते हैं। इन आंकड़ों को उपलब्धि के रूप में स्वीकार करना चाहिए, साथ ही समझना चाहिए कि गरीबी का वास्तविक चेहरा आय की सीमा से कहीं व्यापक है।

इस बदलाव के पीछे बुनियादी सुविधाएं आम नागरिक तक पहुंचाने वाली योजनाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। स्वच्छ भारत अभियान ने करोड़ों घरों में शौचालय पहुंचाकर स्वच्छता को स्वास्थ्य और गरिमा से जोड़ा। उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को पारंपरिक चूल्हों के धुएं और उससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों से राहत देने का प्रयास किया। जल जीवन मिशन ने घरों तक नल से पेयजल पहुंचाने की दिशा में विस्तार किया। प्रधानमंत्री आवास योजना ने कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों को पक्की छत उपलब्ध कराने का आधार तैयार किया। स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं ने गंभीर बीमारियों के इलाज का आर्थिक बोझ कम करने में मदद की। जनधन खातों और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण ने सरकारी सहायता सीधे लाभार्थियों तक पहुंचाने तथा बिचौलियों की भूमिका सीमित करने का रास्ता खोला। इन पहलों की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आमदनी की कमी नहीं माना, बल्कि उससे जुड़ी बुनियादी वंचनाओं को दूर करने का प्रयास किया।

इन योजनाओं का महत्व उनकी संख्या से अधिक सामाजिक प्रभाव में है। शौचालय केवल निर्माण इकाई नहीं, बल्कि महिलाओं की निजता और सम्मान का आधार है। स्वच्छ ईंधन केवल रसोई का विकल्प नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा का माध्यम है। पक्का मकान केवल दीवारों और छत का ढांचा नहीं, बल्कि परिवार की स्थिरता का भरोसा है। बैंक खाता गरीब को वित्तीय व्यवस्था से जोड़ता है और घर तक पानी पहुंचना समय तथा श्रम बचाता है। इन सुविधाओं का सम्मिलित प्रभाव स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर पर पड़ता है। हालांकि, योजनाओं की उपलब्धता और उनका नियमित लाभ मिलना दो अलग बातें हैं। कहीं पानी की नियमित आपूर्ति चुनौती है, कहीं स्वच्छ ईंधन दोबारा भरवाने की आर्थिक क्षमता का सवाल है, तो कहीं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और शिक्षा के स्तर में सुधार की जरूरत है। इसलिए योजनाओं की सफलता का आकलन उनके निर्माण और वितरण के साथ उनके निरंतर उपयोग से भी होना चाहिए।

विकास की दूसरी तस्वीर को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। गरीबी की रेखा पार कर लेना आर्थिक सुरक्षा की गारंटी नहीं है। जिन परिवारों की आय निर्धारित सीमा से थोड़ी ऊपर पहुंची है, वे गंभीर बीमारी, बेरोजगारी, प्राकृतिक आपदा या फसल की बबार्दी से फिर संकट में आ सकते हैं। महंगाई का दबाव भी उनकी सीमित आमदनी को कमजोर कर सकता है। शिक्षा तक पहुंच बढ़ना सकारात्मक है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगारपरक कौशल के बिना युवाओं के अवसर सीमित रहेंगे। स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार महत्वपूर्ण है, लेकिन इलाज की गुणवत्ता और वहनीयता भी सुनिश्चित करनी होगी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच अवसरों का अंतर, असंगठित क्षेत्र में रोजगार की अनिश्चितता और नियमित आय का अभाव ऐसी चुनौतियां हैं, जिन पर गंभीरता से काम करना होगा। गरीबी में कमी की उपलब्धि तभी टिकेगी, जब आर्थिक झटकों से कमजोर परिवारों को बचाने के लिए पर्याप्त सुरक्षा तंत्र विकसित होगा।

इसलिए अगला लक्ष्य गरीबी के आंकड़े घटाने के साथ लोगों की कमाने, बचाने और आगे बढ़ने की क्षमता मजबूत करना होना चाहिए। युवाओं को बाजार की जरूरतों के अनुरूप व्यावहारिक प्रशिक्षण और कौशल उपलब्ध कराना होगा। छोटे और मझोले उद्यमों को पूंजी, तकनीक तथा बाजार तक पहुंच देकर रोजगार के अवसर पैदा करने होंगे। कृषि पर निर्भर परिवारों के लिए कृषि आधारित उद्योगों, प्रसंस्करण और वैकल्पिक रोजगार के रास्ते खोलने होंगे। महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों, स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़कर आर्थिक गतिविधियों की सक्रिय भागीदार बनाना होगा। उनकी आमदनी और निर्णय क्षमता बढ़ने से पूरे परिवार की आर्थिक तथा सामाजिक स्थिति मजबूत हो सकती है। स-रकारी सहायता जरूरतमंदों के लिए सुरक्षा कवच बनी रहे, लेकिन ऐसी व्यवस्था भी बने जिसमें व्यक्ति अपने हुनर, श्रम और उद्यमशीलता से आत्मनिर्भर हो सके। राहत तत्काल कठिनाई कम करती है, जबकि रोजगार और कौशल भविष्य की चुनौतियों से लड़ने की ताकत देते हैं।

सरकार की जवाबदेही भी इसी कसौटी पर परखी जानी चाहिए। योजनाओं की सफलता केवल इस बात से तय नहीं हो सकती कि कितने खाते खुले, कितने मकान बने या कितने लाभार्थियों को सहायता मिली। यह भी देखना होगा कि सुविधाएं कितनी नियमितता से उपलब्ध हैं, शिक्षा से कितना ज्ञान मिल रहा है, स्वास्थ्य सेवाएं कितनी प्रभावी हैं और रोजगार से परिवारों की आय कितनी स्थिर हुई है। पारदर्शी क्रियान्वयन, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण, अंतिम व्यक्ति तक लाभ की पहुंच और कमजोर वर्गों के लिए समान अवसर अनिवार्य हैं। लगभग 50 करोड़ लोगों का गरीबी की रेखा से ऊपर आना गर्व का विषय है, लेकिन इसे आत्मसंतुष्टि का आधार नहीं बनना चाहिए। उपलब्धियों को स्वीकार करते हुए कमियों की पहचान करना और उन्हें दूर करना ही सकारात्मक तथा जिम्मेदार विकास दृष्टि है।

भारत ने गरीबी के मोर्चे पर महत्वपूर्ण दूरी तय की है। बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, बहुआयामी गरीबी में कमी और करोड़ों लोगों का आर्थिक वंचना से बाहर आना देश की विकास यात्रा के उल्लेखनीय पड़ाव हैं। अब चुनौती इस प्रगति को स्थायी खुशहाली में बदलने की है। जब किसी परिवार की आर्थिक स्थिति बीमारी से न बिखरे, किसी बच्चे की पढ़ाई अभाव में न रुके, किसी युवा का हुनर बेरोजगारी में न दम तोड़े और किसी महिला की क्षमता अवसरों के अभाव में सीमित न रहे, तभी गरीबी उन्मूलन का उद्देश्य पूरा होगा। आंकड़ों में गरीबी का घट जाना विकास की सफलता है, लेकिन जिंदगी से अभाव, असुरक्षा और बेबसी का मिटना उस-की वास्तविक सार्थकता है। देश ने गरीबी के विरुद्ध एक बड़ी लड़ाई जीती है; अब यह सुनिश्चित करना होगा कि यह जीत अस्थायी राहत नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की स्थायी खुशहाली बने।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"
शिक्षाविद

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

विशेष लोक अदालत में 8919 वाहन चालानों का निस्तारण, 28.87 लाख रुपये जुमार्ना वसूला

जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव के निर्देशन में हुआ आयोजन, वाहन स्वामियों की सुविधा के लिए बनाए गए 70 से अधिक काउंटर

समाज जागरण

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर में मोटर वाहन चालानों के त्वरित एवं सुलभ निस्तारण के लिए शनिवार, 28 नवंबर को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव की अध्यक्षता एवं दिशा-निर्देशन में दीवानी न्यायालय परिसर में आयोजित इस विशेष लोक अदालत में कुल 8919 मोटर वाहन चालानों का निस्तारण किया गया। इस दौरान जुमार्ने के रूप में कुल 28 लाख 87 हजार 795 रुपये की धनराशि जमा कराई गई।



उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशों के अनुपालन में आयोजित विशेष लोक अदालत में वाहन स्वामियों को चालानों के निस्तारण की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई गई। इसके लिए इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा संचालित पेमेंट सेतु एप के माध्यम से चालानों का पंजीकरण किया गया तथा वादकारियों ने ऑनलाइन माध्यम से जुमार्ने की धनराशि जमा की।

चालानों के सुगम निस्तारण के लिए 31 न्यायालय कक्षों के साथ एक पंजीकरण काउंटर और एक ई-सेवा केंद्र आरक्षित किया गया था। इसके अतिरिक्त आम लोगों की संख्या को देखते हुए 70 से अधिक काउंटर एवं सहायता केंद्र बनाए गए। इनमें तीन कक्ष अधिवक्ताओं, एक कक्ष वरिष्ठ नागरिकों तथा एक कक्ष महिलाओं के लिए अलग से आरक्षित किया गया था।

विशेष लोक अदालत की कार्यवाही सुचारु रूप से संचालित कराने और वाहन स्वामियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जनपद न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव सहित प्रथम अपर जिला जज सुनील कुमार, अपर जिला जज द्वितीय एवं विशेष लोक अदालत की नोडल अधिकारी सोमप्रभा मिश्रा, अपर जिला जज एवं कंप्यूटर विभाग के प्रभारी संदीप चौधरी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरिकेष पाण्डेय तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव शिवानी रावत ने विभिन्न न्यायालय कक्षों में बनाए गए काउंटरों का निरीक्षण किया।

न्यायिक अधिकारियों ने व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि वाहन चालानों के निस्तारण में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। विशेष लोक अदालत के माध्यम से बड़ी संख्या में चालानों का निस्तारण होने से वाहन स्वामियों को राहत मिली।

9 दिसंबर को लगेगा मेगा रोजगार मेला, 5000 से अधिक युवाओं को नौकरी का अवसर

50 से अधिक कंपनियां करेंगी प्रतिभाग, हाईस्कूल से लेकर परास्नातक और तकनीकी योग्यता वाले अभ्यर्थियों को मिलेगा मौका

समाज जागरण

ग्रेटर नोएडा। बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गौतमबुद्धनगर में आगामी 9 दिसंबर 2026 को मेगा रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय और लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस रोजगार मेले में 50 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों के शामिल होने की संभावना है। कंपनियों द्वारा 5000 से अधिक रिक्तियों के सापेक्ष योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।



जिला सेवायोजन अधिकारी मनीषा अत्री ने बताया कि रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य जनपद एवं आसपास के क्षेत्रों के बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। मेले में विभिन्न शैक्षिक योग्यताओं और तकनीकी दक्षता रखने वाले अभ्यर्थियों को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप नौकरी पाने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने बताया कि हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, स्नातक, परास्नातक, डिप्लोमा एवं तकनीकी योग्यता रखने वाले अभ्यर्थी इस रोजगार मेले में प्रतिभाग कर सकते हैं। इच्छुक युवाओं से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेले में पहुंचकर उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाएं।

जिला सेवायोजन अधिकारी ने बताया कि रोजगार मेले में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों का पंजीकरण अनिवार्य है। इच्छुक अभ्यर्थी उपलब्ध कराए गए पंजीकरण लिंक अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से अपना पंजीकरण करा सकते हैं। अभ्यर्थियों को अपने साथ अद्यतन बायोडाटा, शैक्षिक प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज लाने होंगे।

उन्होंने कहा कि जिला सेवायोजन कार्यालय का प्रयास है कि अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जाए। मेगा रोजगार मेला युवाओं के लिए निजी क्षेत्र में नौकरी पाने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो सकता है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, घर-घर जाकर करें सत्यापन : जिलाधिकारी

जिलाधिकारी ने दादरी के चार बूथों का किया निरीक्षण, 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं सहित सभी पात्र नागरिकों के नाम जोड़ने के दिए निर्देश

समाज जागरण

ग्रेटर नोएडा। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 के तहत गौतमबुद्धनगर में मतदाता सूची को शुद्ध एवं अद्यतन बनाने का अभियान तेजी से चलाया जा रहा है। रविवार को विशेष अभियान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने दादरी क्षेत्र के विभिन्न मतदान बूथों का स्थलीय निरीक्षण कर पुनरीक्षण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को घर-घर जाकर पात्र मतदाताओं का सत्यापन करने और किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल होने से नहीं छूटने देने के निर्देश दिए।



जिलाधिकारी ने बूथ संख्या 717, 718, 719 एवं 720, एडब्ल्यूएचओ गुरजिंदर विहार, दादरी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित बीएलओ से मतदाता सूची पुनरीक्षण, नए मतदाताओं के पंजीकरण और पात्र मतदाताओं के भौतिक सत्यापन की जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रत्येक मतदाता का सत्यापन पूरी गंभीरता और सावधानी के साथ किया जाए। बिना वास्तविक स्थिति की जानकारी प्राप्त किए किसी भी मतदाता को अनुपस्थित अथवा स्थानांतरित श्रेणी में चिह्नित न किया जाए। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम त्रुटिवश मतदाता सूची से छूट गया है तो नियमानुसार फॉर्म-6 भरवाकर नाम शामिल कराने की कार्रवाई की जाए।

उन्होंने बीएलओ को अपने आवंटित क्षेत्रों में घर-घर जाकर अभियान चलाने के निर्देश दिए। विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं, पहली बार मतदाता बनने वाले नागरिकों और अब तक पंजीकरण से छूटे पात्र लोगों की पहचान कर उनके नाम मतदाता सूची में शामिल कराने पर जोर दिया। महिला मतदाताओं, दिव्यांगजनों, वरिष्ठ नागरिकों और तृतीय लिंग समुदाय के पात्र नागरिकों का पंजीकरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने मतदान केंद्र पर मौजूद स्थानीय नागरिकों से भी बीएलओ के कार्यों और सत्यापन प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। स्थानीय लोगों ने बीएलओ के कार्यों एवं सत्यापन प्रक्रिया को संतोषजनक बताया।

उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसमें पारदर्शिता, निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ कार्य किया जाना आवश्यक है। सभी संबंधित अधिकारी बीएलओ के कार्यों की नियमित निगरानी करें तथा प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) - 62 दादरी आशुतोष गुप्ता, पर्यवेक्षक नीरज लता एवं संबंधित बूथों के सभी बीएलओ उपस्थित रहे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए उमड़े लोग, एक दिन में मिले 7.15 लाख आवेदन

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने गौतमबुद्धनगर में मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण, महिलाओं और युवाओं से नाम दर्ज कराने की अपील

समाज जागरण

ग्रेटर नोएडा। प्रदेश में कोई मतदाता न छूटे के संकल्प के साथ विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2027 के तहत रविवार को विशेष अभियान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान प्रदेशभर के मतदान केंद्रों पर बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने और विवरण में संशोधन के लिए आवेदन किया। 28 नवंबर को आयोजित विशेष अभियान दिवस में प्रदेशभर से रिकॉर्ड 7 लाख 15 हजार फॉर्म-6 प्राप्त हुए।



इस अभियान के तहत उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने गौतमबुद्धनगर के नोएडा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने राजकीय इंटर कॉलेज एवं कंपोजिट विद्यालय सेक्टर-12, प्राथमिक विद्यालय एवं समरविले स्कूल सेक्टर-22, लोटस पनास हाईराइज सोसाइटी सेक्टर-110 तथा पार्क्स लॉरिएट सेक्टर-108 के मतदान केंद्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की उपस्थिति, कार्यों की गुणवत्ता, मतदाताओं की सहभागिता तथा राजनीतिक दलों के बूथ लेवल एजेंटों के सहयोग की जानकारी ली। उन्होंने बूथ एजेंटों, आरडब्ल्यूए और एओए पदाधिकारियों सहित स्थानीय नागरिकों से संवाद कर अभियान के संबंध में उनकी समस्याएं एवं सुझाव भी जाने।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विशेष अभियान दिवस का उद्देश्य केवल मतदाता सूची में नए नाम जोड़ना नहीं, बल्कि नागरिकों को निर्वाचन प्रक्रिया, विभिन्न प्रपत्रों और ऑनलाइन सुविधाओं के प्रति जागरूक करना भी है। उन्होंने बताया कि 28 नवंबर को एक ही दिन में 7.15 लाख फॉर्म-6 प्राप्त होना प्रदेश में अब तक का रिकॉर्ड है। इससे पहले 24 अक्टूबर को लगभग 4.20 लाख और 22 नवंबर को करीब 3.99 लाख फॉर्म-6 प्राप्त हुए थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभी भी बड़ी संख्या में पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं हैं। विशेष रूप से महिलाओं और युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए आगे आना चाहिए। दावा एवं आपत्ति की अवधि 16 दिसंबर तक निर्धारित है। इस दौरान पात्र नागरिक आवेदन कर सकते हैं।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नागरिक मतदाता सेवा पोर्टल और ईसीआईनेट मोबाइल ऐप के माध्यम से घर बैठे भी मतदाता सूची में अपना तथा परिवार के सदस्यों का नाम जांच सकते हैं। जिन पात्र नागरिकों का नाम सूची में नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर पंजीकरण करा सकते हैं। वहीं, नाम, पता अथवा अन्य विवरण में संशोधन और निवास स्थान परिवर्तन के लिए फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन किया जा सकता है। आवेदन की स्थिति भी संदर्भ संख्या के जरिए देखी जा सकती है।

उन्होंने बताया कि वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांग मतदाताओं की सुविधा के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। 40 प्रतिशत या उससे अधिक दिव्यांगता वाले पात्र मतदाताओं तथा 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत घर से मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी अजीत कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी दादरी अरुण कुमार, डिप्टी कलेक्टर अभिनेंद्र सिंह सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे अपनी और परिवार के सभी पात्र सदस्यों की मतदाता सूची में नाम की जांच अवश्य करें। जिनका नाम सूची में नहीं है, वे निर्धारित प्रपत्र भरकर आवेदन करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे।

नोएडा के पार्क में तीन साल के मासूम पर कुत्ते का हमला, 10 घंटे चला उपचार

सेक्टर-108 के सेंट्रल पार्क की घटना से दहशत, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने प्राधिकरण से मांगा स्थायी समाधान और पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा। हाईटेक शहर नोएडा में आवारा कुत्तों का आतंक अब बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। सेक्टर-108 स्थित सेंट्रल पार्क में तीन वर्षीय मासूम बच्चे पर कुत्ते ने हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। बच्चे के चेहरे पर गहरे घाव आए। गंभीर हालत में उसे सेक्टर-128 स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों की टीम ने करीब 10 घंटे तक उपचार किया। इस घटना के बाद क्षेत्र के निवासियों में भय और आक्रोश है।



पीड़ित बच्चा सेक्टर-108 निवासी दीप सिंह का बताया जा रहा है। घटना पर चिंता जताते हुए सेक्टर-105 आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने शासन, जिला प्रशासन और नोएडा प्राधिकरण से शहर में कुत्तों के हमलों पर प्रभावी नियंत्रण लगाने की मांग की है।

दिव्य कृष्णात्रेय ने कहा कि नोएडा के विभिन्न आवासीय सेक्टरों में सार्वजनिक स्थानों और बच्चों के खेलने वाले पार्कों में कुत्तों की मौजूदगी तथा सुरक्षा व्यवस्था की कमी लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। उन्होंने पालतू कुत्तों को सार्वजनिक स्थानों पर निर्धारित सुरक्षा नियमों के तहत ही ले जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उनका कहना है कि नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने नोएडा प्राधिकरण की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण पर करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने इस मद में खर्च की गई धनराशि की उच्चस्तरीय जांच कराने और संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही तय करने की मांग की।

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष ने डॉग प्रेमियों से भी अपील की कि वे पशुओं के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखते हुए सार्वजनिक पार्कों और आवासीय परिसरों में बच्चों तथा अन्य निवासियों की सुरक्षा का ध्यान रखें। उन्होंने कहा कि कुत्तों को भोजन कराने के लिए निर्धारित स्थान और व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि सार्वजनिक स्थानों पर किसी प्रकार का विवाद या खतरा पैदा न हो।

उन्होंने शासन और प्राधिकरण से मांग की कि आक्रामक व्यवहार करने वाले कुत्तों के मामलों में नियमानुसार तत्काल कार्रवाई की जाए। साथ ही कुत्तों के लिए उचित आश्रय स्थलों की व्यवस्था की जाए और सेक्टर-108 की घटना में घायल बच्चे के परिवार को आर्थिक सहायता तथा चिकित्सा खर्च उपलब्ध कराया जाए।

दिव्य कृष्णात्रेय ने कहा कि बच्चों और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि होनी चाहिए। प्रशासन को इस समस्या का व्यावहारिक और स्थायी समाधान निकालना चाहिए, ताकि लोग अपने घरों और सार्वजनिक पार्कों में बिना भय के रह सकें।

सेक्टर-51 की समस्याओं को लेकर नोएडा प्राधिकरण की टीम ने किया निरीक्षण

टूटी नालियों की मरम्मत, इंटरलॉकिंग टाइल लगाने और अतिक्रमण रोकने की उठाई मांग, अधिकारियों ने शीघ्र कार्रवाई का दिया आश्वासन

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा। सेक्टर-51 की विभिन्न नागरिक समस्याओं के समाधान को लेकर रविवार, 29 नवंबर को नोएडा प्राधिकरण के वर्क सर्किल-3 के सहायक प्रबंधक प्रदीप अपनी टीम के साथ सेक्टर का दौरा करने पहुंचे। इस दौरान स्थानीय स्तर पर होने वाली अवैध व्यावसायिक गतिविधियों, टूटी नालियों, इंटरलॉकिंग टाइल लगाने और अतिक्रमण सहित कई समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को सेक्टर-51 में हो रही अवैध व्यावसायिक गतिविधियों की जानकारी दी गई। साथ ही सेक्टर की क्षतिग्रस्त नालियों की मरम्मत कराने और नोएडा के ब्लॉक की तरफ इंटरलॉकिंग टाइल लगवाने का अनुरोध किया गया, ताकि स्थानीय निवासियों को आवागमन में परेशानी न हो।



इसके अलावा वी.डी.एस. मार्केट के पास रेहड़ी-पटरी वालों के अतिक्रमण, ओला-उबर वाहनों तथा निजी बसों के कारण होने वाली अव्यवस्था की समस्या भी अधिकारियों के सामने रखी गई। सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-51 के मुख्य द्वार तक लगाए गए सजावटी विद्युत खंभों और रोशनी की व्यवस्था को हो रहे नुकसान पर भी ध्यान आकृष्ट कराया गया।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बसों की टक्कर से इस मार्ग पर 30 प्रतिशत से अधिक सजावटी लाइटें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जबकि दो खंभे पूरी तरह टूटकर ध्वस्त हो गए हैं। इससे न केवल प्राधिकरण की संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा है, बल्कि क्षेत्र की सुंदरता और सुरक्षा भी प्रभावित हो रही है।

सहायक प्रबंधक प्रदीप ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने विशेष रूप से अतिक्रमण रोकने के लिए जल्द आवश्यक व्यवस्था कराने की बात कही, ताकि सजावटी खंभों और लाइटों को नुकसान से बचाया जा सके तथा बाजार क्षेत्र में अवैध कब्जों पर भी रोक लगाई जा सके।

टूटी सड़कों और उड़ती धूल से परेशान सेक्टर-130 के निवासी, प्राधिकरण के खिलाफ रोष

आरडब्ल्यूए उपाध्यक्ष अशोक चौहान बोले- टेंडर होने के 5-6 महीने बाद भी शुरू नहीं हुआ काम, नालियों का गंदा पानी रास्तों पर भरने से बढ़ी परेशानी

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के विकास कार्यों के दावों के बीच सेक्टर-130 के निवासी बदहाल सड़कों, उड़ती धूल और जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। सेक्टर की करीब पांच प्रतिशत आंतरिक सड़कों की हालत खराब है। दिनभर उड़ने वाली धूल से लोगों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। वहीं, नालियों का ढलान ठीक नहीं होने के कारण गंदा पानी रास्तों पर भर जाता है। इससे स्थानीय निवासियों में प्राधिकरण के प्रति भारी नाराजगी है।



सेक्टर-130 आरडब्ल्यूए के उपाध्यक्ष अशोक चौहान ने बताया कि आंतरिक सड़कों की मरम्मत और निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है, लेकिन अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। करीब पांच से छह महीने पहले सड़कों के निर्माण के लिए ठेकेदार को कार्य का ठेका भी दिया जा चुका है, इसके बावजूद काम शुरू नहीं हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब टेंडर की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तो आखिर निर्माण कार्य में देरी क्यों हो रही है?

उन्होंने कहा कि टूटी सड़कों से लगातार धूल उड़ती रहती है, जिससे बुजुर्गों, बीमार व्यक्तियों और बच्चों को काफी परेशानी हो रही है। धूल के कारण सांस संबंधी बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। दूसरी ओर, नालियों का ढलान सही नहीं होने से गंदा पानी सड़कों और रास्तों पर जमा हो जाता है। ऐसी स्थिति में लोगों का आवागमन मुश्किल हो गया है।

अशोक चौहान ने नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए कहा कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। अधिकारियों को एसी कमरों में बैठकर नहीं, बल्कि मौके पर पहुंचकर जमीनी हकीकत देखनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तो शिकायतों का जवाब तक नहीं दिया जाता है।

उन्होंने प्राधिकरण से मांग की कि सेक्टर की टूटी आंतरिक सड़कों का निर्माण एवं मरम्मत तत्काल कराई जाए। जहां आवश्यकता हो, वहां इंटरलॉकिंग टाइलें लगवाई जाएं तथा नालियों का ढलान और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त की जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो सेक्टरवासियों की परेशानियां और बढ़ेंगी।

प्राधिकरण और ठेकेदार की कार्यशैली से परेशान सेक्टरवासियों ने जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

बिसरख पुलिस ने दो गांजा तस्करों को दबोचा, 10 किलो गांजा बरामद

समाज जागरण संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। बिसरख थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो गांजा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 10 किलो 80 ग्राम गांजा बरामद किया है। इसके अलावा एक बाल अपचारी को भी पुलिस संरक्षण में लिया गया है।



पुलिस के अनुसार, रविवार, 29 नवंबर 2026 को स्थानीय खुफिया सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने न्यू हैबतपुर स्थित कब्रिस्तान के पास कार्रवाई की। इस दौरान गांजा तस्करी के आरोप में पुष्पेंद्र यादव और पवन को गिरफ्तार किया गया। मौके से एक बाल अपचारी को भी पुलिस संरक्षण में लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पुष्पेंद्र यादव (22) निवासी बम्हैटा, थाना वेव सिटी, गाजियाबाद, वर्तमान पता पुराना हैबतपुर, थाना बिसरख तथा पवन (19) निवासी बावनखेड़ा, थाना पनेठी, अलीगढ़, वर्तमान पता पुराना हैबतपुर, थाना बिसरख के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 किलो 80 ग्राम गांजा बरामद किया है। इस मामले में थाना बिसरख में मुकदमा अपराध संख्या 912/2026 के तहत एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/20 में अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

किसान महापंचायत रोकने पर बवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत सैकड़ों किसान गिरफ्तार

समाज जागरण संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। किसानों की लंबित मांगों को लेकर रविवार, 29 नवंबर को भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के आह्वान पर जेवर के फलैदा कट पर किसान महापंचायत बुलाई गई थी। महापंचायत में शामिल होने के लिए नोएडा और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में किसान पहुंचे, लेकिन पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। संगठन का आरोप है कि पुलिस ने राष्ट्रीय अध्यक्ष समेत सैकड़ों किसानों को जबरन बसों में बैठाकर गिरफ्तार कर लिया।



भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के अनुसार, नोएडा और ग्रेटर नोएडा में किसानों के 10 प्रतिशत भूखंड, आबादी से जुड़े मामलों, यमुना एक्सप्रेसवे के तहत 64 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजे के सापेक्ष आवासीय भूखंड तथा यमुना प्राधिकरण से संबंधित अन्य मांगों को लेकर पिछले 17 महीनों से रौनीजा गांव में अनिश्चितकालीन धरना चल रहा है। किसानों का आरोप है कि लंबे समय से आंदोलन के बावजूद उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

संगठन का आरोप है कि महापंचायत को रोकने के लिए प्रशासन ने एक दिन पहले ही राष्ट्रीय अध्यक्ष को उनके घर में नजरबंद कर दिया था। इसके साथ ही गांव में भारी पुलिस बल तैनात कर क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया था। रविवार को जब किसान फलैदा कट पहुंचे तो पुलिस ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया और कई किसानों को हिरासत में ले लिया।

इस कार्रवाई पर भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी बीसी प्रधान ने शासन-प्रशासन से किसानों की मांगों पर तत्काल वार्ता कर समाधान निकालने की मांग की। उन्होंने कहा कि किसानों की मांगें जायज हैं और उन्हें लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। पुलिस के माध्यम से आंदोलन को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, जो लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने के अधिकार के विपरीत है।

चौधरी बीसी प्रधान ने चेतावनी दी कि जब तक 10 प्रतिशत भूखंड सहित किसानों की अन्य मांगों का समाधान नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने प्रदेश सरकार से मामले में हस्तक्षेप कर किसानों की समस्याओं का निस्तारण कराने की अपील की। संगठन ने पुलिस कार्रवाई की निंदा करते हुए हिरासत में लिए गए सभी किसानों की तत्काल रिहाई की मांग की है।

32 वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान का जनपद स्तरीय प्रोजेक्ट प्रदर्शन 30 नवम्बर को

समाज जागरण

फिरोजाबाद। भारत सरकार के उपक्रम राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत जिला विद्यालय निरीक्षक फिरोजाबाद श्रीमती मुदिता पाण्डेय के निर्देशन एवं जिला समन्यवक अश्वनी कुमार जैन , प्रधानाचार्य नीरज कुमार जैन के संयोजन में 32 वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान कांग्रेस- 2026 के जनपद स्तरीय प्रोजेक्ट प्रदर्शन का आयोजन 30 नवम्बर 2026 दिन सोमवार को प्रातः 10 बजे से श्री एम डी जैन इंटर कॉलेज, सिरसागंज में किया जाएगा। जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती मुदिता पाण्डेय द्वारा जनपद के सभी बोर्डो के विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को निर्देशित किया गया है कि 32 वीं राज्य स्तरीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी 2026 में जिन विद्यालयों के प्रतिभागियों द्वारा ऑनलाइन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन किया गया है, उन सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य मार्गदर्शक शिक्षक के साथ प्रतिभागी को प्रोजेक्ट, दैनंदिनी, चार पोस्टर आदि सामग्री के साथ उनकी प्रतिभागिता सुनिश्चित करें। अश्वनी कुमार जैन ने बताया कि इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन का मुख्य विषय टिकाऊपन के लिए विज्ञान और नवाचार है। इस प्रोजेक्ट प्रदर्शन में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने वाले 10 वर्ष से 17 वर्ष तक के बच्चे दो वर्ग जूनियर तथा सीनियर वर्ग में प्रतिभाग करेंगे। सभी प्रतिभागी अपने साथ प्रोजेक्ट फाइल, दैनंदिनी , चार चार्ट आदि सामग्री अवश्य साथ लाएं। जिसमें चयनित प्रतिभागी 01 दिसम्बर से 03 दिसम्बर 2026 तक गाजियाबाद में राज्य स्तरीय प्रोजेक्ट प्रदर्शन में प्रतिभाग करेंगे। विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज कुमार जैन ने जनपद के रजिस्ट्रेशन करने वाले विद्यालय के प्रधानाचार्यों से अपील की है कि वे सभी प्रतिभागियों के फॉर्म पूर्ण एवं सारांश ऑनलाइन जमा करके प्रतिभागियों को मार्गदर्शक शिक्षक के साथ ससमय प्रतिभाग कराकर उनकी शोध की प्रवृत्ति में वृद्धि करने में सहयोग करें।

अंतिम विशेष अभियान दिवस पर भी चला मतदाता पंजीकरण महाअभियान, कोचिंग संस्थानों में युवाओं ने भरे फॉर्म - 6

स्टडी इक एवं PW कोचिंग संस्थानों में आयोजित हुए जागरूकता कार्यक्रम, पात्र युवाओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए किया प्रेरित।

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। जिला निर्वाचन अधिकारी संतोष कुमार शर्मा एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी कल्पना जायसवाल के निर्देशन में जनपद फिरोजाबाद में मतदाता पंजीकरण एवं जागरूकता अभियान निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज विशेष मतदाता पंजीकरण अभियान के अंतिम विशेष अभियान दिवस पर भी जनपद के विभिन्न कोचिंग संस्थानों में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। माध्यमिक शिक्षा विभाग के तत्वावधान में प्रातः 10 बजे ईएलसी (मतदाता साक्षरता क्लब) सहायक नोडल अधिकारी डॉ. हिमांशु शर्मा के नेतृत्व में Study IQ एवं PW कोचिंग संस्थानों में नवीन मतदाता पंजीकरण महाअभियान चलाया गया। अभियान के दौरान प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को मतदाता बनने की पात्रता, मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने की प्रक्रिया तथा लोकतंत्र में मतदान के महत्व की जानकारी दी गई। विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके ऐसे युवाओं को जागरूक किया गया, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। कार्यक्रम के दौरान पात्र विद्यार्थियों के फॉर्म-6 भरवाए गए तथा उन्हें ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से मतदाता पंजीकरण कराने की प्रक्रिया भी समझाई गई। युवाओं को बताया गया कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. हिमांशु शर्मा ने कोचिंग संस्थानों के संचालकों एवं शिक्षकों से अपील की कि वे अपने संस्थानों में अध्ययनरत सभी पात्र युवाओं को मतदाता पंजीकरण के लिए प्रेरित करें, जिससे कोई भी पात्र युवा मतदाता बनने से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि विशेष अभियान के अंतिम दिवस पर भी विभिन्न संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित कर अधिक से अधिक पात्र युवाओं तक पहुंचने का प्रयास किया गया।

अभियान का उद्देश्य युवाओं को जागरूक कर मतदाता सूची को अधिक समावेशी एवं सुदृढ़ बनाना तथा लोकतंत्र में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। कार्यक्रम में शिक्षक विशाल सक्सेना का विशेष सहयोग रहा।

ट्रामा सेंटर में नर्सों की गायब ड्यूटी, एक घंटे तक तड़पते रहे मरीज

रात की ड्यूटी में चार स्टाफ नर्स गायब, एक घंटे तक मरीज करते रहे इंतजार, तीमारदारों ने व्यवस्था पर उठाए सवाल।

समाज जागरण

फिरोजाबाद। जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में शनिवार रात स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाल तस्वीर सामने आई। यहां आपातकालीन उपचार के लिए पहुंचे मरीजों को समय से दवा तक नहीं मिल सकी। रात की ड्यूटी में पांच स्टाफ नर्सों की तैनाती थी, लेकिन मौके पर केवल एक ही स्टाफ नर्स मौजूद था। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर चार स्टाफ नर्स एक साथ कहां थीं? किसके आदेश पर सभी को एक साथ अवकाश दिया गया? जब आपातकालीन सेवाओं के लिए बने ट्रामा सेंटर में ही मरीजों को एक-एक घंटे तक उपचार के लिए इंतजार करना पड़े तो आखिर वहां हंगामा क्यों न हो? स्टाफ की कमी से जूझ रहे ट्रामा सेंटर में शनिवार रात मरीजों और तीमारदारों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। तीमारदारों का आरोप है कि स्वास्थ्यकर्मियों से बार-बार गुहार लगाने के बाद भी समय से उपचार नहीं मिला। एक ओर सरकार बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी ओर जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में नाइट ड्यूटी के दौरान स्टाफ की उपलब्धता पर ही सवाल खड़े हो रहे हैं।



स्टाफ नर्स कहां थीं?

ट्रामा सेंटर में रात की ड्यूटी के लिए पांच स्टाफ नर्सों की तैनाती होने के बावजूद मौके पर केवल एक नर्स की मौजूदगी ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। आखिर चार स्टाफ नर्स एक साथ कहां था? क्या सभी को एक साथ अवकाश दिया गया था या ड्यूटी से नदारद रहने की कोई दूसरी वजह थी? यदि अवकाश स्वीकृत था तो आपातकालीन सेवाओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई? ट्रामा सेंटर में गंभीर हालत के मरीज भी पहुंचते हैं। ऐसे में स्टाफ की कमी के चलते मरीजों को समय से उपचार न मिलना गंभीर लापरवाही की ओर इशारा करता है। जब मरीज और उनके तीमारदार इलाज के लिए पहुंचकर घंटों इंतजार करने को मजबूर होंगे तो आखिर ट्रामा सेंटर में हंगामा क्यों न हो? स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को नाइट ड्यूटी की व्यवस्था की जांच कर जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। वह अपनी 60 वर्षीय मां जमीला बेगम को उल्टी व सीने में जलन व दर्द की समस्या होने पर रात करीब नौ बजे लाएं थे। स्टाफ की कमी के चलते एक घंटा बाद उन्हें दवा लग सकी। इसके लिए भी उन्हें बार- बार स्वास्थ्य कर्मियों से मिन्नते करनी पड़ी। स्वास्थ्य अधिकारियों को इस तरफ ध्यान देना चाहिए। मोहम्मद इस्लाम लेबर कॉलोनी। वह अपनी 16 वर्षीय बेटी अंजली को लेकर देररात करीब 10 बजे ट्रामा सेंटर पहुंचे। अंजली को सीने में दर्द की समस्या थी। पिता ने आरोप लगाया कि ट्रामा सेंटर में कोई दवा देने वाला नहीं है। कोई किसी की सुन नहीं रहा है। एक घंटा से इधर- उधर भगाया जा रहा है। लेकिन कोई सुन नहीं रहा है। मुकेश कुमार निवासी आसफाबाद।

आखिर एक साथ चार

32,945 नए मतदाता जुड़े, सूची में नाम शामिल कराने को 17 दिसंबर तक मौका

मंडलायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की समीक्षा, नवविवाहित महिलाओं और युवाओं के पंजीकरण पर जोर

समाज जागरण

फिरोजाबाद। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत जनपद की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में अब तक 32,945 नए मतदाताओं के आवेदन प्राप्त हुए हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद दावे और आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया 17 दिसंबर तक चलेगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन सात जनवरी को किया जाएगा। रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित एन आईसी सभागार में मंडलायुक्त एवं रोल प्रेक्षक नागेंद्र प्रताप ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि टूंडला, जसराना, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद और सिरसागंज विधानसभा क्षेत्रों में नए आवेदन मिलने के बाद जनपद में मतदाताओं की संख्या बढ़कर 17,82,513 हो गई है। ईपी रेशियो करीब 59.85 प्रतिशत है। मंडलायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से प्रत्येक



बूथ पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की सक्रियता सुनिश्चित करने को कहा। बीएलए और बीएलओ आपसी समन्वय से पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने और त्रुटियां दूर करने में सहयोग करें। विशेष रूप से 18-19 आयु वर्ग के युवाओं और महिलाओं का पंजीकरण बढ़ाने पर जोर दिया गया। उन्होंने नवविवाहित महिलाओं के मतदाता पंजीकरण में अनावश्यक परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। वर्तमान पते का आधार कार्ड न होने पर मायके के आधार को पहचान प्रमाण और पति या ससुर के पते के प्रमाण को निवास प्रमाण के रूप में स्वीकार करने को कहा। नए मतदाता पहचान पत्रों का वितरण भी बिना देरी कराने के निर्देश दिए।

कॉलेजों में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके छात्र-छात्राओं का पंजीकरण कराने, लंबित ईएलसी आवेदनों का निस्तारण करने और शिक्षण संस्थानों में विशेष अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, सीडीओ शैलेंद्र कुमार सिंह, एडीएम कल्पना जायसवाल, नगर आयुक्त प्रशांत नागर समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

पर्यटन मंत्री ने किया बालाजी धाम पर किए गये कार्य का लोकार्पण

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तीसरी बार उत्तर प्रदेश में बनेगी भाजपा की सरकार- जयवीर

3.77 लाख रुपये से निर्मित पर्यटकों के लिए आवास और हाल का लोकार्पण

समाज जागरण -ब्रजमोहन सिंह

शिकोहाबाद। पर्यटन एवं सांस्कृतिक मंत्री ने शनिवार शाम पांच बजे बालाजी धाम पहुंच कर बालाजी धाम परिसर में 3.77 लाख रुपये से कराये गये कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने जहां समाजवादी पार्टी के मुखिया द्वारा जारी किये गए मैनोफेस्टो पर तंज कसा वहीं प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने की बात कही। शनिवार शाम चार बजे पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के कैबिनेट मंत्री ठा. जयवीर सिंह बालाजी धाम परिसर पहुंचे। यहां पर उन्होंने 3.77 लाख रुपये की लागत से बनाये गये एक हॉल और ऊपर पर्यटकों के ठहरने केलिए कमरों के अलावा अन्य कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता बालाजी ट्रस्ट के अध्यक्ष दयाशंकर गुप्ता ने की। मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री



रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ बालाजी के महंत मनीष भारद्वाज ने दीप प्रज्जवलन करा कर किया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि उन्होंने जिले में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में संस्कृति और सभ्यता को बढ़ावा देने केलिए हजारों करोड़ों रुपये से हिन्दू देवीदेवताओं के मंदिर और सनातन धर्म से जुड़ी धरोहरों के विकास के लिए धनराशि दी है। उन्होंने बटेश्वर नाथ मंदिर और रपड़ी में बनाए गये ईको टूरिज्म का जिक्र किया। इसके साथ ही सिरसागंज में बनाये जा रहे पार्कों का भी जिक्र किया। अपने संबोधन में उन्होंने समाजवादी पार्टी के मुखिया द्वारा पेश किये गये अपने मैनोफेस्टे के बारे में तंज कसते हुए कहा कि उनके द्वारा आम जनता को जिस तरह से लुभाया गया है। उन्होंने जनता से कहा कि वर्ष 2017 से पहले क्या माहौल था। उन्होंने कहा कि अगर कोई लुटेरा आपसे कहे कि हम आपके सामान की रक्षा करेंगे, तो क्या आप विश्वास करोगे, नहीं। वहीं नौशहरा में रामलीला मैदान की बाउंड्रीवाल एवं अन्य विकास कार्यों का निर्माण कराया जा रहा है। जिस पर एक करोड़, 15 लाख और 36 हजार रुपये खर्च किये जायेंगे। इससे पूर्व बालाजी ट्रस्ट के ट्रस्टियों और रामलीला कमेटी के पदाधिकारियों ने मंत्री का स्वागत किया। अन्य वक्ताओं में पूर्व अध्यक्ष रघुवर दयाल वर्मा ने जय समाजबाद का नारा देकर वहां मौजूद लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया।

32,945 नए मतदाता जुड़े, सूची में नाम शामिल कराने को 17 दिसंबर तक मौका

मंडलायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की समीक्षा, नवविवाहित महिलाओं और युवाओं के पंजीकरण पर जोर

समाज जागरण

फिरोजाबाद। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत जनपद की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में अब तक 32,945 नए मतदाताओं के आवेदन प्राप्त हुए हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद दावे और आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया 17 दिसंबर तक चलेगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन सात जनवरी को किया जाएगा। रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित एन आईसी सभागार में मंडलायुक्त एवं रोल प्रेक्षक नागेंद्र प्रताप ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि टूंडला, जसराना, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद और सिरसागंज विधानसभा क्षेत्रों में नए आवेदन मिलने के बाद जनपद में मतदाताओं की संख्या बढ़कर 17,82,513 हो गई है। ईपी रेशियो करीब 59.85 प्रतिशत है। मंडलायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से प्रत्येक

बूथ पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की सक्रियता सुनिश्चित करने को कहा। बीएलए और बीएलओ आपसी समन्वय से पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने और त्रुटियां दूर करने में सहयोग करें। विशेष रूप से 18-19 आयु वर्ग के युवाओं और महिलाओं का पंजीकरण बढ़ाने पर जोर दिया गया। उन्होंने नवविवाहित महिलाओं के मतदाता पंजीकरण में अनावश्यक परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। वर्तमान पते का आधार कार्ड न होने पर मायके के आधार को पहचान प्रमाण और पति या ससुर के पते के प्रमाण को निवास प्रमाण के रूप में स्वीकार करने को कहा। नए मतदाता पहचान पत्रों का वितरण भी बिना देरी कराने के निर्देश दिए।

कॉलेजों में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके छात्र-छात्राओं का पंजीकरण कराने, लंबित ईएलसी आवेदनों का निस्तारण करने और शिक्षण संस्थानों में विशेष अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, सीडीओ शैलेंद्र कुमार सिंह, एडीएम कल्पना जायसवाल, नगर आयुक्त प्रशांत नागर समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

32,945 नए मतदाता जुड़े, सूची में नाम शामिल कराने को 17 दिसंबर तक मौका

मंडलायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ की समीक्षा, नवविवाहित महिलाओं और युवाओं के पंजीकरण पर जोर

समाज जागरण

फिरोजाबाद। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत जनपद की पांचों विधानसभा क्षेत्रों में अब तक 32,945 नए मतदाताओं के आवेदन प्राप्त हुए हैं। ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद दावे और आपत्तियां दर्ज करने की प्रक्रिया 17 दिसंबर तक चलेगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन सात जनवरी को किया जाएगा। रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित एन आईसी सभागार में मंडलायुक्त एवं रोल प्रेक्षक नागेंद्र प्रताप ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा की। बैठक में बताया गया कि टूंडला, जसराना, फिरोजाबाद, शिकोहाबाद और सिरसागंज विधानसभा क्षेत्रों में नए आवेदन मिलने के बाद जनपद में मतदाताओं की संख्या बढ़कर 17,82,513 हो गई है। ईपी रेशियो करीब 59.85 प्रतिशत है। मंडलायुक्त ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से प्रत्येक

बूथ पर बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की सक्रियता सुनिश्चित करने को कहा। बीएलए और बीएलओ आपसी समन्वय से पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल कराने और त्रुटियां दूर करने में सहयोग करें। विशेष रूप से 18-19 आयु वर्ग के युवाओं और महिलाओं का पंजीकरण बढ़ाने पर जोर दिया गया। उन्होंने नवविवाहित महिलाओं के मतदाता पंजीकरण में अनावश्यक परेशानी न होने देने के निर्देश दिए। वर्तमान पते का आधार कार्ड न होने पर मायके के आधार को पहचान प्रमाण और पति या ससुर के पते के प्रमाण को निवास प्रमाण के रूप में स्वीकार करने को कहा। नए मतदाता पहचान पत्रों का वितरण भी बिना देरी कराने के निर्देश दिए।

कॉलेजों में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके छात्र-छात्राओं का पंजीकरण कराने, लंबित ईएलसी आवेदनों का निस्तारण करने और शिक्षण संस्थानों में विशेष अभियान चलाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा, सीडीओ शैलेंद्र कुमार सिंह, एडीएम कल्पना जायसवाल, नगर आयुक्त प्रशांत नागर समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कैन्टर के गुप्त चैंबर में छिपाकर ले जा रहे थे 45 लाख की शराब, 467 पेटी बरामद

पंजाब में बिक्री के लिए तैयार शराब रामगढ़ पुलिस ने पकड़ी, कैन्टर भी जब्त

समाज जागरण

फिरोजाबाद। रामगढ़ पुलिस ने अवैध अंग्रेजी शराब की तस्करी का खुलासा करते हुए कैन्टर से 467 पेटी शराब बरामद की है। पंजाब में बिक्री के लिए निर्मित शराब की अनुमानित कीमत करीब 45 लाख रुपये बताई गई है। तस्करी में प्रयुक्त कैन्टर की कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने कैन्टर मालिक और संबंधित मोबाइल नंबर के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के



मुताबिक, 28 नवंबर को मुखबिर से सूचना मिली कि कठफोरी के पास एक संदिग्ध कैन्टर खड़ा है, जिसमें अवैध शराब रखी हुई है। सूचना पर रामगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची तो कैन्टर खड़ा मिला, लेकिन चालक वहां नहीं था। पुलिस आसपास जांच कर रही थी, तभी आसिफ और समीर नाम के दो व्यक्ति कैन्टर के पास पहुंचे। उन्होंने बताया कि उन्हें एक मोबाइल नंबर से कैन्टर खराब होने और उसे ठीक कराने के संबंध में फोन आया था। इसके बाद पुलिस ने कैन्टर की तलाशी ली तो उसमें छिपा विशेष चैंबर मिला। प्लास्टिक पाइपों से ढके इस चैंबर में 467 पेटी अंग्रेजी शराब रखी हुई थी। बरामद शराब में रॉयल ग्रीन, रॉयल स्टैग और इम्पीरियल ब्लू ब्रांड शामिल हैं। पुलिस ने कैन्टर मालिक और संबंधित मोबाइल नंबर के खिलाफ धारा 60, 62 और 72 आबकारी अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कार्रवाई थाना रामगढ़ पुलिस टीम ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन और अधिकारियों के पर्यवेक्षण में की।

839 बूथों पर सुनी गई मन की बात, भाजपा कार्यकर्ताओं ने लिया सहभागिता

महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर के आवास पर भी हुआ सामूहिक प्रसारण

समाज जागरण

फिरोजाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 140वें एपिसोड को रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से सुना। भाजपा महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर के निज निवास पर पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता कार्यक्रम के प्रसारण के दौरान मौजूद रहे। वहीं, महानगर के सभी 839 बूथों पर भी मन की बात सुनने के आयोजन किए गए। महानगर अध्यक्ष डॉ. सतीश दिवाकर ने कहा कि मन की बात देशवासियों से संवाद का ऐसा माध्यम है, जिसमें समाज और राष्ट्र निर्माण से जुड़े प्रेरणादायक कार्यों को सामने लाया जाता है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के जरिए सामाजिक सरोकार, स्वच्छता, आत्म निर्भरता, नवाचार और जनभागीदारी जैसे विषयों पर देशवासियों से संवाद करते हैं। इससे लोगों को समाज और राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व निभाने



की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे सकारात्मक कार्यों को पहचान दिलाने के साथ लोगों को एक-दूसरे से जोड़ने का काम भी करता है। महानगर के सभी 839 बूथों पर कार्यक्रम सुनने के लिए भाजपा पदाधिकारियों, बूथ अध्यक्षों और कार्यकताओं ने सहभागिता की। इस दौरान महानगर महामंत्री देवेश भारद्वाज, प्रमोद पाल बघेल, मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता, कोषाध्यक्ष दीपक गुप्ता कालू, उपाध्यक्ष रामनरेश कटरा, शिवम शर्मा, मनीष राठौर, शिलान्त जैन समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और सेवा, सुशासन व जनकल्याण की भावना के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

साइकिल रैली से फिट इंडिया और नशा मुक्त भारत का दिया संदेश

-सिरसा में फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल के 100वें संस्करण के तहत कार्यक्रम का आयोजन

समाज जागरण

सिरसा/कालांवाली 29 नवंबर (सुरेश जोरासिया) युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत सिरसा द्वारा फिट इंडिया मूवमेंट के तहत 100वें संस्करण फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन शहीद भगत सिंह स्टेडियम सिरसा में किया गया। इस दौरान साइकिल रैली के माध्यम से फिट इंडिया, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया



गया। इसके साथ ही नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के अंतर्गत सभी प्रतिभागियों को नशा मुक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ दिलाई गई। नशे के दुष्प्रभावों पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नशा मुक्ति हस्ताक्षर अभियान एवं सिग्नेचर वॉल गतिविधि का भी आयोजन किया गया, जिसमें अतिथियों एवं युवाओं ने अपने हस्ताक्षर कर नशा मुक्त समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष यतीन्द्र सिंह एडवोकेट रहे। वहीं वरिष्ठ नेता अंग्रेज सिंह भी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम का आयोजन जिला युवा अधिकारी, माय भारत सिरसा धनपत सिंह के नेतृत्व में किया गया, जिसमें खेल विभाग, शिक्षा विभाग, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग भी शामिल रहे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं आमजन को शारीरिक फिटनेस, साइकिलिंग और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ नशा मुक्त युवा अभियान के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा। इस अवसर पर माय भारत सिरसा की ओर से युवाओं से आह्वान किया गया कि वे नियमित शारीरिक गतिविधियों, खेलों एवं साइकिलिंग को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं तथा नशे से दूर रहकर स्वस्थ, जागरूक एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण में योगदान दें।

विश्व दिव्यांग दिवस क्रिकेट चैंपियनशिप का विधायक कपूर वाल्मीकि ने किया शुभारंभ

छह राज्यों के दिव्यांग खिलाड़ी दिखा रहे क्रिकेट में दमखम, 19 नवंबर से 1 दिसंबर तक रहेंगे मुकाबले

उत्तर प्रदेश ने दो विकेट से जीत मुकाबला, रोवेश नायर बने मैन ऑफ द मैच

हर खेल में सरकार की खेल नीति का खिलाड़ियों को मिल रहा है लाभ : कपूर वाल्मीकि

दैनिक समाज जागरण,
[[महेन्द्र जावला बहल]]

भिवानी। डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट स्पोर्ट्स एसोसिएशन ऑफ हरियाणा की ओर से विश्व दिव्यांग दिवस को लेकर भिवानी हांसी हिसार मार्ग स्थित भव्य क्रिकेट एकादमी खेल मैदान में चार दिवसीय राष्ट्रीय स्तर की टी-20 क्रिकेट चैंपियनशिप का शुभारंभ बवानी खेड़ा विधायक कपूर वाल्मीकि ने किया । इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ.एस एस मान ,मलिक अस्पताल के निदेशक डॉ वीरेन्द्र कादयान, कांग्रेस नेत्री किरण मलिक, राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता एवं शिक्षाविद लक्ष्मण गौड़,विनय जैन, समाजसेवी राजेंद्र भूटानी, सुरेंद्र खटक, भारत सरकार से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज, अजय कुमार, नितिन कुमार , दिल्ली अविनाश शर्मा, अजय बिट्टू, नदीम जम्मू , हांसी से राजेंद्र भूटानी , संजय कुमार, संरक्षक गोवर्धन आचार्य, महासचिव राजकुमार सुनसुना सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक कपूर वाल्मीकि ने कहा कि उन्होंने दिव्यांग खिलाड़ियों को क्रिकेट खेलते हुए देखा है। उनका खेल और प्रदर्शन किसी भी सामान्य खिलाड़ी से कम नहीं है। ये खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर देश-दुनिया



में नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ी किसी से कम नहीं हैं और उन्हें अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर अवसर मिलने चाहिए। विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार की खेल नीति का लाभ खिलाड़ियों को मिल रहा है। राज्य और केंद्र सरकार खिलाड़ियों को नौकरियां तथा करोड़ों रुपये की पुरस्कार राशि देकर सम्मानित कर रही हैं। पैरा ओलंपिक से लेकर एशियन गेम्स, कॉमनवेल्थ और ओलंपिक तक उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सरकार प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि दिव्यांग खिलाड़ियों की समस्याओं और मांगों को सरकार के समक्ष उठाया जाएगा, ताकि उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिल सकें। उन्होंने विश्वास जताया कि हांसी में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए शानदार प्रदर्शन करेंगे। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष एसएस मान, डॉ वीरेन्द्र कादयान एवं राजकुमार सुनसुना ने कहा कि 29 नवंबर से 2 दिसंबर तक आयोजित होने वाली इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में छह राज्यों के दिव्यांग खिलाड़ी टी-20 क्रिकेट मुकाबलों में भाग लेंगे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए बेहतर मंच उपलब्ध करवाना तथा उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में प्रयास करना है। उन्होंने बताया कि दिव्यांग क्रिकेट खिलाड़ियों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और उन्हें उचित सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए बीसीसीआई एवं सरकार को कई बार पत्र लिखे जा चुके हैं। दिव्यांग क्रिकेट से जुड़ी सभी एसोसिएशनों को मजबूत बनाने के प्रयास लगातार जारी हैं। भविष्य में भी बड़े स्तर पर चैंपियनशिप आयोजित करने की योजना है, ताकि दिव्यांग खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने के अधिक अवसर मिल सकें। पहले दिन ने उत्तर प्रदेश और रेस्ट ऑफ हरियाणा के बीच में ३20 मुकाबला रहा जिसमें हरियाणा की टीम ने टॉस जीते हुए पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया और इस दौरान ने रेस्ट ऑफ हरियाणा की टीम ने 20 ओवर में उत्तर प्रदेश को 10 रनों का टारगेट दिया। उत्तर प्रदेश की टीम ने टारगेट को लांघते हुए यह मुकाबला दो विकेट से जीत लिया । पहले मुकाबले में बेहतरीन बॉलिंग को देखते हुए उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी रोवेश नायर ने चार ओवर में 20 रन दिए और बल्ले बाजी में 10 बोल में 17 रन बनाए, कड़े मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन करने पर रोवेश नायर को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

संभल में 37 चिकित्सकों ने 281वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले में 2253 मरीजों का किया नि : शुल्क उपचार

समाज जागरण

संभल।28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 09 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 281वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया।

उक्त मेला सत्रों पर 37 चिकित्सकों एवं 137 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2253 रोगियों (पुरुष रोगी-994; महिला रोगी- 884 एवं 414 बच्चों) का निःशुल्क उपचार गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्ग

महावतपुर बावली में विधानसभा स्तरीय सहकारिता बैठक, मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का किया आह्वान

समाज जागरण



बड़ौत। महावतपुर बावली गांव में विधानसभा स्तरीय सहकारिता बैठक कार्यक्रम का आयोजन उपसभापति जिला सहकारी बैंक मेरठ-बागपत चौधरी सुरेंद्र सिंह बावली के आवास पर किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिला सहकारी बैंक बागपत के चेयरमैन व राज्य मंत्री चौधरी यशवीर सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बड़ौत विधानसभा क्षेत्र में आने वाले मंडल, जोन व सेक्टर के अध्यक्षों और बीएलओ को घर-घर जाकर वोट बनवाने के कार्यक्रम को सफल बनाना है। सभी लोग अपने-अपने वोट बनवा लें, ताकि विधानसभा चुनाव में कोई भी व्यक्ति वोट से वंचित न रहे। इस मौके पर उपसभापति चौधरी सुरेंद्र सिंह ने सभी लोगों से आह्वान किया कि क्षेत्र के सभी लोग अपनी-अपनी वोट बनवा लें। रविवार को सुरेंद्र सिंह के आवास पर सभी लोगों ने बीएलओ से अपने-अपने वोट बनवाए।बैठक में कार्यक्रम संयोजक संयुक्त आयुक्त निबंधन सहकारी मेरठ मंडल विकास नेहरा ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। बैठक का संचालन जिला सहकारी बैंक बागपत की ललिता शर्मा और अरविंद शर्मा ने किया। इस मौके पर मलखान सिंह, शिवम चेयरमैन, अमित वीर, महावतपुर ग्राम प्रधान गौरव, सुनील तोमर अध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ बागपत, योगेंद्र मलिक, वरिष्ठ समाजसेवी रवि शास्त्री, शबगा, मांगेराम चेयरमैन, छत्रपाल ने सभी लोगों से आह्वान किया कि 1 जनवरी 2027 को जिनकी आयु 18 वर्ष पूर्ण हो रही है, जिन महिलाओं की शादी हुई है और उनका नाम मतदाता सूची में नहीं है, जिनका राशन कार्ड नहीं बना है, जो कुछ दिन पहले गांव में आकर बस गए हैं और जिनका नाम ग्राम पंचायत में दर्ज नहीं है, वे सभी अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़वाएं।

ब्लैकमेलिंग और जालसाजी का खेल, सोशल मीडिया के जरिए महिला को फंसाया, पति से भी मांगे पैसे

-कोतवाली में दर्ज हुई शिकायत

समाज जागरण



बागपत। खेकड़ा कस्बे की एक कालोनी में रहने वाले एक परिवार को साइबर ब्लैकमेलिंग और मानसिक उत्पीड़न का शिकार बनाने का एक गंभीर मामला सामने आया है। पीड़ित पति ने खेकड़ा थाना प्रभारी को लिखित शिकायत देकर एक युवक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और अपने परिवार के लिए सुरक्षा की गुहार लगाई है।
पुलिस को दी गई शिकायत में रवि कुमार ने बताया कि उनकी पत्नी सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं। कुछ समय पहले लाइव चेट के दौरान शिवम नाम का एक युवक उनकी पत्नी के संपर्क में आया। उसने लाइव चेट के बहाने दोस्ती बढ़ा ली। कुछ दिनो बाद खुद को किसी मुसीबत में फंसा बताकर आत्महत्या करने की धमकी दी। उसने महिला से बीस हजार रुपये की मांग की। महिला ने सहानुभूति में इधर उधर से उधार लेकर उसे 11 हजार रुपये दे दिए। बाद में काफी दबाव बनाने पर उसने वे पैसे वापस तो कर दिए, लेकिन इसके बाद ब्लैकमेलिंग का एक खौफनाक दौर शुरू हो गया। आरोप है कि शिवम ने महिला के पति का मोबाइल नंबर हासिल कर लिया। इसके बाद वह महिला को डराने लगा कि वह रुपयों के लेन-देन की बात उसके पति को बता देगा। महिला के बातचीत बंद करने पर उसने फिर से आत्महत्या और सुसाइड नोट में उसका नाम लिखने की धमकी दी, जिससे डरकर महिला ने अपना सोशल मीडिया अकाउंट भी डिलीट कर दिया। इसके बाद आरोपी ने हदें पार करते हुए उसके पति के मोबाइल नंबर को लड़कियों के नाम से फर्जी तरीके से जोड़कर नकली चेट तैयार कीं और उन्हें एडिट करके महिला को भेजा, ताकि वह अपने पति पर शक करने लगे और दोबारा आरोपी से बात करने को मजबूर हो जाए। उसने महिला को हाथ कटी हुई तस्वीरें और आत्महत्या की धमकियां भेजकर लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। थक हारकर जब महिला ने उसे ब्लॉक कर दिया, तो आरोपी ने उसके पति से संपर्क साधा और उनसे भी पैसों की मांग शुरू कर दी। पैसे न देने पर उसने उनकी पत्नी को बदनाम करने, सोशल मीडिया पर एडिट की हुई तस्वीरें और निजी जानकारियां वायरल करने की धमकी दी है। पीड़ित परिवार का कहना है कि इस मानसिक प्रताड़ना के कारण वे बेहद डरे हुए हैं और उन्हें अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा और जानमाल का खतरा सता रहा है।
पीड़ित ने पुलिस को मामले से जुड़े सभी डिजिटल सबूत, चेट, ऑडियो रिकॉर्डिंग, फोटो ग्राफ्स आदि सौंपे है। पुलिस ने मामले को गम्भीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि साइबर सेल की मदद से आरोपी की पहचान की जा रही है और जल्द ही इस मामले में उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

छपरौली में यमुना तट पर बने चौधरी चरण सिंह के नाम से भव्य किसान घाट, उठी निर्माण की मांग

-जिस पवित्र स्थल पर विसर्जित हुई थीं चौधरी चरण सिंह की अस्थियां, उसी स्थान को विकसित करने की मांग, केंद्रीय मंत्री जयंत सिंह को भेजा पत्र

समाज जागरण



छपरौली। छपरौली स्थित यमुना नदी के तट पर भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की स्मृतियों को संजोने के लिए उनके नाम से एक भव्य किसान घाट बनाने की मांग उठने लगी है। क्षेत्र के लोगों की मांग है कि जिस पवित्र स्थल पर चौधरी चरण सिंह की अस्थियों का विसर्जन किया गया था, उसी स्थान पर उनके नाम से भव्य किसान घाट का निर्माण कराया जाए।इस संबंध में 29 नवंबर को केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह को पत्र भेजकर किसान घाट के निर्माण की मांग की गई है। पत्र में बताया गया है कि जून 1987 में भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की अस्थियां छपरौली में यमुना नदी के तट पर विसर्जित की गई थीं। यह स्थान आज भी क्षेत्र के लोगों और किसान समाज की भावनाओं से जुड़ा हुआ है। पत्र के माध्यम से मांग की गई है कि इस ऐतिहासिक स्थल को विकसित करते हुए यहां चौधरी चरण सिंह के नाम से एक भव्य किसान घाट बनाया जाए, जिससे यह स्थान उनकी स्मृतियों और किसानों के प्रति उनके योगदान का प्रतीक बन सके। साथ ही यहां आने वाली पीढ़ियां भी उनके विचारों और किसान हितों के लिए किए गए संघर्षों से परिचित हो सकें।अब क्षेत्रवासियों की निगाहें केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह पर टिकी हैं कि वे इस मांग को गंभीरता से लेते हुए छपरौली की यमुना नदी के तट पर किसान घाट निर्माण की दिशा में क्या पहल करते हैं। पत्र भेजने वाले राष्ट्रीय लोक दल नेता योगेंद्र उर्फ गिदु, श्याम सिंह, विनोद खोखर, मोहित खोखर आदि लोग मौजूद रहे।

बूथ संख्या 85 पर कार्यकताओं के साथ सुनी 'मन की बात', मतदाता जोड़ो अभियान के तहत घर-घर जाकर किया जागरूक

-प्रधानमंत्री ने नशे को बताया युवाओं के भविष्य के लिए बड़ी चुनौती, गुड़ की मिठास के बहाने की स्थानीय उत्पादों की तारीफ

समाज जागरण



बागपत। बागपत विधानसभा के बागपत नगर मंडल अंतर्गत ग्राम डोला के बूथ संख्या 85 पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' के 140वें एपिसोड को भाजपा कार्यकताओं ने एक साथ सुना। इसके बाद मतदाता जोड़ो अभियान के तहत कार्यकताओं ने घर-घर जाकर पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने युवाओं के भविष्य के लिए नशे को बड़ी चुनौती बताया और समाज को इसके प्रति जागरूक किया। वहीं दक्षिण भारत में गुड़ की मिठास की प्रशंसा के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विविधता और स्थानीय उत्पादों की महत्ता को भी सामने रखा। 'मन की बात' सुनने के बाद भाजपा जिला उपाध्यक्ष कुलदीप भारद्वाज के नेतृत्व में कार्यकताओं ने ग्राम डौला, मितली, गौरीपुर, खुब्बीपुर एवं निवाड़ा में पोलिंग स्टेशन स्तर पर बीएलओ से संपर्क किया। घर-घर पहुंचकर पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के माध्यम से सैकड़ों नए मतदाताओं के वोट बनवाने का कार्य किया गया। इस अवसर पर कुलदीप भारद्वाज ने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत जागरूक नागरिक और मजबूत बूथ हैं। हमारा प्रयास केवल वोट बनवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रत्येक पात्र नागरिक को उसके लोकतांत्रिक अधिकार से जोड़ना है।

जब हर पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में होगा, तभी लोकतंत्र और अधिक सशक्त होगा। संगठन सर्वोपरि, जनसेवा हमारा संकल्प और राष्ट्रहित हमारा ध्येय है।

सध शास्ता गुरुदेव श्री सुदर्शन लाल महाराज की स्मृति में हुआ भंडारा, दिनभर उमड़ी भीड़

समाज जागरण

बड़ौत। बड़ौत नगर में सध शास्ता गुरुदेव श्री सुदर्शन लाल महाराज की स्मृति में श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन महिला संघ मंडी बड़ौत द्वारा मंडी जैन स्थानक में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें भंडारा ग्रहण करने वालों की पूरे दिन काफी भीड़ रही।भंडारे में महिला संघ की अध्यक्ष पूनम जैन,



मंत्री इंदु जैन तथा अन्य सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहा। श्वेतांबर स्थानकवासी जैन समाज के अध्यक्ष शिखर चंद जैन, मंत्री संजय जैन आदि समाज के वरिष्ठ जनों ने महिलाओं के प्रयास की काफी सराहना की तथा उन्हें निकट भविष्य में इस प्रकार के धार्मिक कार्य हेतु प्रेरित किया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर एक दिसंबर को तहसील में जुटेंगे राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि

-विधानसभा क्षेत्र बागपत की मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 पर होगा मंथन
-एक जनवरी 2027 को निर्धारित की गई है अर्हता तिथि, एसडीएम ने जारी किया प्रेस नोट

समाज जागरण

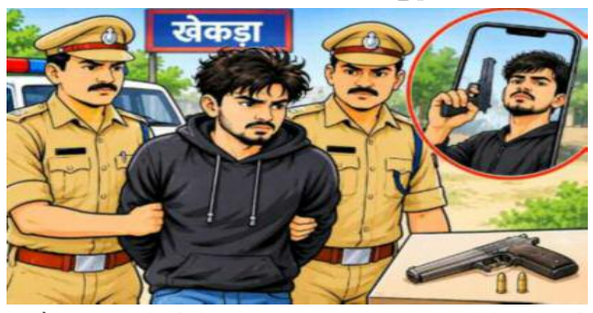


बागपत। विधानसभा क्षेत्र बागपत की मतदाता सूची को दुरुस्त करने और विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 की प्रक्रिया को गति देने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसके तहत एक दिसंबर को खेकड़ा तहसील सभागार में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाई गई है। बैठक में मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया, निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की जाएगी। उपजिलाधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी दीपशिखा सिंह ने प्रेस नोट जारी कर बताया कि भारत निर्वाचन आयोग और मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश के निदेर्शों के तहत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कराया जाना है। इसके लिए एक जनवरी 2027 को अर्हता तिथि निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया में राजनीतिक दलों की सहभागिता सुनिश्चित करने और उन्हें पूरी प्रक्रिया से अवगत कराने के उद्देश्य से यह बैठक आयोजित की जा रही है। इसमें मतदाता सूची से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं, निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों और पुनरीक्षण के दौरान किए जाने वाले कार्यों पर विचार-विमर्श होगा। बैठक में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के साथ सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भी प्रतिभाग करेंगे। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय पर बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन का प्रयास है कि राजनीतिक दलों के सहयोग से मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य पारदर्शी, व्यवस्थित और निर्धारित समय सीमा में पूरा कराया जा सके।

सोशल मीडिया पर तमंचा लहराने वाला युवक गिरफ्तार, 32 बोर की पिस्टल और कारतूस बरामद

-घिटौरा गांव के युवक को पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा
-अवैध हथियार उपलब्ध कराने वाले युवक की तलाश में जुटी पुलिस

समाज जागरण



बागपत। सोशल मीडिया पर अवैध हथियारों का प्रदर्शन करना एक युवक को भारी पड़ गया। पुलिस ने तमंचा लहराने के मामले में घिटौरा गांव निवासी युवक को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 32 बोर की एक देशी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही उसे हथियार उपलब्ध कराने वाले युवक की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को गश्त के दौरान सूचना मिली कि सोशल मीडिया पर अवैध हथियार प्रदर्शित करने वाला युवक पिस्टल लेकर घिटौरा गांव की ओर आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम रटौल पुलिया से घिटौरा मार्ग पर स्थित ईंट के खाली भट्ठे के पास पहुंच गई। इसी दौरान सामने से पैदल आ रहे एक युवक को पुलिस ने रुकने का इशारा किया तो वह घबराकर पीछे मुड़कर भागने लगा। पुलिसकर्मियों ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम रितिक निवासी घिटौरा बताया। तलाशी लेने पर उसके पास से 32 बोर की देशी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने यह पिस्टल और कारतूस घिटौरा गांव के ही एक युवक से लिए थे। हथियार का उसके पास कोई लाइसेंस नहीं था। पुलिस अब आरोपी को हथियार उपलब्ध कराने वाले युवक की तलाश में जुटी है।

जवाहरपुर मेवला गांव में चलाया गया मतदाता जोड़ो अभियान

समाज जागरण

बागपत। विधानसभा बड़ौत 51 मंडल बागपत देहात बूथ संख्या 332 ग्राम जवाहरपुर मेवला में मतदाता जोड़ो विशेष अभियान के अंतर्गत अभियान



चलाया गया। बीएलओ पूनम देवी के साथ बूथ पर बैठकर बोट बनवाने का काम किया, जिसमें भाजपा किसान मोर्चा देहात मंडल अध्यक्ष सुनील मेवला एवं बूथ अध्यक्ष ने घर-घर जाकर नई बोट बनवाने के लिए फॉर्म नंबर 6 भरवाया एवं जिस किसकी वाटर के नाम में कोई दिक्कत थी उसका संशोधन करने के लिए फॉर्म 8 भरवाया एवं सभी को वोट बनवाने के लिए जागरूक किया। वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को तीसरी बार लगातार प्रदेश का मुख्यमंत्री बनवाने का आग्रह किया। इस मौके पर भाजपा किसान मोर्चा देहात मंडल अध्यक्ष सुनील मेवला बूथ अध्यक्ष राकेश आर्य बी एल ओ पूनम देवी अक्की गुर्जर राहुल मुंडेल कपिल कुमार प्रवेश गुर्जर अमन कुमार प्रशांत गुर्जर तुषार मुंडेल आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शामली में दो माह से बंद पड़ी खाद्य एवं रसद विभाग की वेबसाइट, पात्र उपभोक्ता परेशान, अपात्र उठा रहे लाभ

-शासन स्तर से डेढ़ माह पूर्व जिला मुख्यालय भेजी जा चुकी है अपात्र राशन उपभोक्ताओं की सूची

-जिला पूर्ति अधिकारी का दावा, जिले में अपात्र उपभोक्ताओं की फ्लैगिंग (चिह्नित करने) का कार्य 85 फीसदी पूरा

समाज जागरण



कैराना। खाद्य एवं रसद विभाग की वेबसाइट बंद होने के कारण जिले में राशन कार्ड से संबंधित कार्य प्रभावित हो रहे हैं। वेबसाइट का संचालन बाधित होने से पात्र उपभोक्ताओं को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, दूसरी ओर अपात्र लोग गरीबों के निवाले पर डाका डाल रहे हैं।विभागीय वेबसाइट बंद होने के कारण नए राशन कार्ड बनवाने, पात्र सदस्यों के नाम जुड़वाने और अन्य जरूरी संशोधन कराने जैसे कार्य नहीं हो पा रहे हैं। इसके चलते जरूरतमंद और पात्र परिवार सरकारी राशन योजना का लाभ पाने के लिए विभागीय कार्यालयों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। सबसे अधिक परेशानी उन पात्र परिवारों को उठानी पड़ रही है, जो लंबे समय से राशन कार्ड में अपने परिवार के सदस्यों के नाम जुड़वाने या अन्य संशोधन कराने का इंतजार कर रहे हैं। वेबसाइट बंद होने के कारण उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पा रहा है। स्थानीय लोगों ने खाद्य एवं रसद विभाग के उच्चाधिकारियों से वेबसाइट का संचालन जल्द शुरू कराने और राशन कार्डों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है, ताकि सरकारी योजना का लाभ वास्तविक पात्र परिवारों तक पहुंच सके और अपात्रों को इसका लाभ मिलने से रोका जा सके।

-दो माह से बंद पड़ी वेबसाइट, जिम्मेदार बेपरवाह

शामली जिले में खाद्य एवं रसद विभाग की वेबसाइट करीब दो माह से बंद पड़ी है। इसके चलते विभाग की ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित हो रही हैं और पात्र उपभोक्ताओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वेबसाइट का संचालन ठप होने से नए राशन कार्ड बनवाने, कार्डों में संशोधन कराने और परिवार के पात्र सदस्यों के नाम जुड़वाने जैसी प्रक्रियाएं बाधित हैं। ऐसे में पात्र उपभोक्ताओं को अपने जरूरी कार्यों के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं, अपात्र लोगों के योजना का लाभ लेने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। सवाल यह है कि आखिर विभागीय अधिकारी इस समस्या के समाधान को लेकर कब गंभीर होंगे। उपभोक्ताओं ने शासन और जिला प्रशासन से वेबसाइट जल्द चालू कराने तथा पात्र परिवारों को योजना का लाभ सुनिश्चित कराने की मांग की है।

-जिला मुख्यालय भेजी जा चुकी है अपात्र राशन कार्डधारकों की सूची, कार्यवाही का इंतजार

शासन स्तर से राशन योजना का लाभ ले रहे संदिग्ध और अपात्र उपभोक्ताओं की सूची करीब डेढ़ माह पूर्व जिला मुख्यालय भेजी जा चुकी है। इसके बावजूद अपात्र राशन कार्डधारकों को चिह्नित कर उनके खिलाफ कार्रवाई किए जाने की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हो सकी है। खाद्य सुरक्षा योजना के तहत जिले में ग्रामीण और नगरीय आबादी को अलग-अलग निर्धारित अनुपात में लाभान्वित करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्र की 79.56 फीसदी तथा नगरीय क्षेत्र की 64.43 फीसदी आबादी को योजना से आच्छादित करने का प्रावधान है। योजना का उद्देश्य पात्र परिवारों को निःशुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराकर उनकी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है। ऐसे में अपात्र लोगों को योजना का लाभ मिलने से वास्तविक जरूरतमंद परिवारों के हक पर असर पड़ने की आशंका है।

-डीएसओ का दावा, शामली में 85 फीसदी फ्लैगिंग का कार्य पूरा

जिला आपूर्ति अधिकारी अंकुर यादव ने बताया कि शासन स्तर से संदिग्ध राशन उपभोक्ताओं की सूची प्राप्त हुई है। सूची में शामिल उपभोक्ताओं की फ्लैगिंग (चिह्नित करने) का कार्य किया जा रहा है, जो करीब 85 प्रतिशत पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि फ्लैगिंग की प्रक्रिया पूरी होने के बाद जांच में अपात्र पाए जाने वाले उपभोक्ताओं के नाम राशन कार्डधारकों की सूची से हटा दिए जाएंगे। जिला पूर्ति अधिकारी का दावा है कि फ्लैगिंग के कार्य में शामली जिला पूरे प्रदेश में दूसरे स्थान पर है।

डेयरी पर बुलाकर मजदूर को रस्सी से बांधकर बेरहमी से पीटा, जान से मारने की धमकी

-तीन लोगों पर मारपीट करने का आरोप, पीड़ित ने वीडियो होने का किया दावा
-पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

समाज जागरण

बागपत। खेकड़ा क्षेत्र के नूरपुर मसूरी गांव में एक मजदूर को डेयरी पर बुलाकर रस्सी से बांधकर पीटने का मामला सामने आया है। आरोप है कि तीन लोगों ने मजदूर के साथ मारपीट कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। विरोध करने और पुलिस से शिकायत करने पर आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने मारपीट की घटना का वीडियो होने का दावा करते हुए पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मसूरी गांव निवासी जावेद मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता है।



उसने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि गत 27 नवंबर की शाम करीब चार बजे उसे बिना किसी वजह के बहाने से नूरपुर मसूरी स्थित डेयरी पर बुलाया गया था। वहां पहुंचते ही तीन लोगों ने उसे घेर लिया और कथित तौर पर रस्सी से बांधकर बेरहमी से पिटाई शुरू कर दी। मारपीट में उसे काफी चोटें आईं। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने घटना के संबंध में किसी को बताने या पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। जावेद ने पुलिस को बताया कि उसके पास मारपीट की घटना का वीडियो मौजूद है, जो आरोपियों की करतूत उजागर कर सकता है। पीड़ित की तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

शादी समारोह में नवदंपति को पौधा भेंट कर दिलाया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

-विवाह संस्कार में पौधारोपण संस्कार अभियान के तहत आँखें मीडिया सोशल नेटवर्क की अनूठी पहल, हर वर्षगांठ पर पौधारोपण का लिया संकल्प

समाज जागरण



छपरौली। नगर स्थित चौधरी चरण सिंह फार्म हाउस में सनातन पद्धति से सम्पन्न हुए शादी समारोह में सामाजिक संस्था आँखें मीडिया सोशल नेटवर्क द्वारा चलाए जा रहे विवाह संस्कार में पौधारोपण संस्कार अभियान के तहत नवदंपति को पौधा भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। इस अनूठी पहल ने समारोह में मौजूद सभी लोगों का ध्यान आकर्षित किया।आँखें के पर्यावरण रक्षकों ने नवदंपति आकाश सरोहा सुपुत्र धर्मेंद्र सरोहा निवासी ककौर कलां, बागपत एवं कृतिका सुपुत्री राजेश कुमार निवासी अलवर, राजस्थान को पौधा भेंट किया। साथ ही दोनों को शादी की प्रत्येक वर्षगांठ पर पौधारोपण करने का संकल्प दिलाया गया, ताकि विवाह की खुशियां पर्यावरण संरक्षण से जुड़कर सार्थक बन सकें। पर्यावरण के प्रति जागरूकता का संदेश देते हुए आँखें के डायरेक्टर समाजसेवी आरआरडी उपाध्याय ने कहा कि पर्यावरण के प्रति उदासीनता व प्रकृति के साथ अनावश्यक छेड़छाड़ भविष्य में बड़े संकट को आमंत्रित कर सकती है। प्रदूषित हो रहे पर्यावरण ने मौसम चक्र को भी असंतुलित कर दिया है। आज पर्यावरण के प्रति जागरूकता ही विश्व को भविष्य में घटित होने वाले संकटों से बचा सकती है।आँखें के पर्यावरण रक्षक व ग्राम सेवा संगठन के अध्यक्ष योगेंद्र कुमार सरोहा ने कहा कि हमारे लिए पेड़-पौधे जल, भोजन और ऑक्सीजन से भी अधिक महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि यदि पेड़-पौधे न हों तो हमें ऑक्सीजन व खाद्य सामग्री भी उपलब्ध नहीं होगी।
इसीलिए पेड़-पौधों का रोपण हमारा नैतिक कर्तव्य है। इस अवसर पर पुष्पेन्द्र, धर्मेन्द्र, राजेश कुमार, प्रतीक, युवराज, सूर्या उपाध्याय, अमित हुड्डा, सन्नी राठी, सुधीर खोखर, अनंगपाल आर्य, डॉ. रामकुमार, योगेन्द्र सरोहा, रवि एडवोकेट, चिराग, उत्सव, दीपक, पुष्पा, दिशा, सुधा, अनु, तरूणा देवी, अंजू, नेहा आदि उपस्थित रहे।

महर्षि आश्रम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, भक्ति गीतों पर झूमे लोग

गंधर्व बैंड और बुंदेली लोकगीतों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां, हजारों श्रद्धालुओं ने लिया महायज्ञ में भाग

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा। महर्षि आश्रम, महर्षि नगर में आयोजित भारत उत्कर्ष महायज्ञ में रविवार को श्रद्धालुओं का भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह से ही 108 कुण्डीय देवी भगवती सहस्त्र महायज्ञ में आहुतियां देने और मां भगवती के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई। हजारों लोगों ने महायज्ञ की भव्यता और आध्यात्मिक वातावरण के बीच धार्मिक अनुष्ठानों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

इस अवसर पर महर्षि यूनिवर्सिटी के गंधर्व बैंड ने अपनी मनमोहक संगीत प्रस्तुति से समां बांध दिया। बैंड के कलाकार रोशन, सताक्षी, लाव्यांश और दीवित ने मधुर स्वरों में मां भगवती का आह्वान किया। भक्ति गीतों और संगीत की मधुर धुनों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु संगीत की प्रस्तुतियों में



भावविभोर नजर आए।

वहीं, सांस्कृतिक मंच पर झांसी से पहुंचे प्रसिद्ध बुंदेली लोकगायक हीरालाल ने अपनी लोकगीत प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। उन्होंने बुंदेली लोक संस्कृति और परंपराओं से जुड़े गीतों के साथ मां भगवती की स्तुति और भजन प्रस्तुत किए। उनकी सशक्त आवाज और पारंपरिक लोकधुनों पर श्रोता झूम उठे। उपस्थित लोगों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

आध्यात्मिकता के साथ संस्कृति का संगम

भारत उत्कर्ष महायज्ञ के अंतर्गत 108 कुण्डीय देवी भगवती सहस्त्र महायज्ञ में 140 करोड़ आहुतियां समर्पित करने का संकल्प लिया गया है। इसके साथ ही प्रतिदिन श्रीमद् देवी भागवत कथा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकनृत्य और संगीत प्रस्तुतियों का आयोजन किया जा रहा है। आश्रम परिसर में रेत से निर्मित शक्तिपीठ, कला गांव, रेत कला प्रदर्शनी, भारत आरोग्य मेला, पुस्तक मेला, गौ सेवा प्रकल्प और अन्न क्षेत्र भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं।

महर्षि महेश योगी संस्थान के तत्वावधान में आयोजित यह नौ दिवसीय महायज्ञ 5 दिसंबर तक महर्षि आश्रम, महर्षि नगर, नोएडा में चलेगा। 5 दिसंबर को भव्य पूणार्हुति के साथ महायज्ञ का समापन होगा।

पुलिस आयुक्त ने थाना फेस-2 का किया निरीक्षण, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

थाना कार्यालय, साइबर एवं महिला हेल्प डेस्क की व्यवस्थाएं परखीं, डायल-112 के रिस्पॉन्स टाइम में सुधार पर दिया जोर

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा। पुलिस आयुक्त गौतमबुद्धनगर जे. रविन्दर गौड ने शनिवार, 28 नवंबर को थाना फेस-2 का भ्रमण कर वहां की व्यवस्थाओं और अभिलेखों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पुलिसकर्मियों को जनता केंद्रित पुलिसिंग को प्राथमिकता देने तथा थाने पर आने वाले शिकायतकताओं की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने थाना कार्यालय, कंप्यूटर कक्ष, सीसीटीएनएस कार्यालय, साइबर हेल्प डेस्क, महिला हेल्प डेस्क, डाक कार्यालय सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने थाना परिसर की साफ-सफाई, अभिलेखों के रखरखाव, आंकड़ों की प्रविष्टि और अभियोगों से संबंधित अभिलेखों को अद्यतन रखने के संबंध में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिस आयुक्त ने थाना प्रभारी को निर्देशित किया कि थाने में आने वाले



फरियादियों और आगंतुकों के साथ शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार किया जाए। उनकी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने आगंतुकों के लिए उचित प्रतीक्षा व्यवस्था, पुलिसकर्मियों के बैठने की समुचित व्यवस्था तथा थाना परिसर में स्वच्छता बनाए रखने पर भी जोर दिया।

इसके अलावा उन्होंने थाना परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता और उनकी रिकॉर्डिंग को सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिसकर्मियों से पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने तथा क्षेत्र में सतर्कता बनाए रखने को कहा।

इसके बाद पुलिस आयुक्त ने थाना क्षेत्र का भ्रमण कर कानून-व्यवस्था की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने डायल-112 पीआरवी वाहनों की कार्यप्रणाली और आपातकालीन सूचनाओं पर मौके पर पहुंचने के समय की समीक्षा की। पीआरवी कर्मियों को निर्देश दिए कि आपातकालीन सूचना मिलते ही तत्काल मौके पर पहुंचकर आमजन को प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिस सहायता उपलब्ध कराएं।

जिला तीरंदाजी चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए जिले की टीम चयनित, मुकेश शर्मा ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा, 29 नवंबर। गौतमबुद्ध नगर जिला तीरंदाजी चैंपियनशिप 2026 का आयोजन रविवार को नोएडा स्टेडियम स्थित तीरंदाजी मैदान में युवा क्रांति सेना के सहयोग से किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे



खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, एकाग्रता और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के माध्यम से राज्य स्तरीय चैंपियनशिप के लिए जिले की टीम का चयन भी किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मुकेश शर्मा उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में टी.एन. गोविल, दीपक शंखधार, युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह और महासचिव कृष्णपाल चौहान शामिल रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आगामी राज्य स्तरीय तीरंदाजी चैंपियनशिप 2026 के लिए खिलाड़ियों का चयन किया गया। बालिका कंपाउंड वर्ग में भूमि, बालक कंपाउंड वर्ग में उत्कर्ष, मयंक और अंकुश, बालक रिकर्व वर्ग में श्रीहान तथा भारतीय वर्ग में सोहम, इवान और नव्या ने स्थान बनाया। चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में गौतमबुद्ध नगर का प्रतिनिधित्व करेंगे। टीम प्रतियोगिता में पिनाका आर्चरी अकादमी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि ज्ञानश्री स्कूल की टीम उपविजेता रही।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुकेश शर्मा ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, एकाग्रता और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सशक्त जरिया है। गौतमबुद्ध नगर के युवाओं में खेलों के प्रति उत्साह और अपार प्रतिभा है। उन्होंने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करेंगे। आयोजन समिति की ओर से बलम सिंह खानी, दानिश और राहुल उपस्थित रहे।

रक्षक बनी भक्षक वृंदावन में कारोबारी के घर 70 लाख की चोरी का खुलासा

हिस्ट्रीशीटर की पत्नी निकली घरेलू सहायिका

समाज जागरण संवाददाता

वृंदावन / घरेलू सहायिका को कारोबारी ने अपने घर और संपत्ति की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी थी, वही लाखों के जेवर और नकदी समेट कर भागी।



वृंदावन पुलिस ने कृष्णा हाइट्स में हुई करीब 70 लाख रुपये की सनसनी खेज चोरी का सफल अनावरण करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि आरोपी महिला फिरोजाबाद के एक कुख्यात हिस्ट्रीशीटर की पत्नी है।

यह था पूरा मामला

पुलिस के अनुसार, कृष्णा हाइट्स (वी-30) निवासी कारोबारी नारायण प्रसाद अग्रवाल ने बीते 20 नवंबर को कोतवाली में तहरीर दी थी। उन्होंने शिकायत में बताया था कि उनके घर में काम करने वाली अज्ञात घरेलू सहायिका (मेड) लाखों रुपये के आभूषण और नकदी चोरी कर ले गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की और संदिग्धों की तलाश में जुट गई।

रुक्मणि विहार से दबोची गई आरोपी

तफ्तीश के दौरान पुलिस के हाथ अहम सुराग लगे, जिससे चोरी की वारदात में घरेलू सहायिका की संलिप्तता पूरी तरह साफ हो गई। मुखबिर की सटीक सूचना पर रविवार को पुलिस टीम ने रुक्मणि विहार क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी किए गए 2.07 लाख रुपये नकद और करीब 70 लाख रुपये कीमत के सोने, चांदी व हीरे के आभूषण शत-प्रतिशत बरामद कर लिए हैं।

कुख्यात हिस्ट्रीशीटर की पत्नी है आरोपी

पुलिस पूछताछ और आपराधिक इतिहास खंगालने पर पता चला कि गिरफ्तार महिला फिरोजाबाद के हिस्ट्रीशीटर सत्यप्रकाश की पत्नी है। सत्यप्रकाश के खिलाफ हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट, नकबजनी और गुंडा एक्ट समेत पांच गंभीर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह वर्तमान में जेल में बंद है। पुलिस बयान आरोपी महिला को रुक्मणि विहार क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके कब्जे से 2.07 लाख रुपये नकद और करीब 70 लाख रुपये मूल्य के सोना, चांदी व हीरे के आभूषण बरामद हुए हैं। विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है। प्रवीण कुमार तिवारी सीओ वृंदावन।

एसआईआर के बाद भी मतदाता सूची में डुप्लीकेट नाम मिलने का आरोप

नोएडा विधानसभा क्षेत्र-61 की मतदाता सूची पर सपा महानगर अध्यक्ष ने उठाए सवाल, निष्पक्ष जांच की मांग

समाज जागरण संदीप गर्ग

नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर के अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने नोएडा विधानसभा क्षेत्र-61 की मतदाता सूची में कथित तौर पर डुप्लीकेट एवं संदिग्ध प्रविष्टियां मिलने पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया पूरी होने और मतदाता सूची जारी होने के बाद भी एक ही मतदाता के नाम अलग-अलग स्थानों पर दर्ज होने के मामले सामने आ रहे हैं।

डॉ. आश्रय गुप्ता ने उदाहरण देते हुए बताया कि पूजा वर्मा का नाम बूथ संख्या-221 पर अलग-अलग मतदाता पहचान पत्र संख्या के साथ दो स्थानों पर दर्ज होने की जानकारी मिली है। इसी प्रकार अभिषेक श्रीवास्तव का नाम बूथ संख्या-516 और बूथ संख्या-489 की मतदाता सूचियों में दर्ज पाया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई अन्य मामले भी सामने आ रहे हैं, जिनकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि एसआईआर जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी मतदाता सूची में इस तरह की कथित विसंगतियां सामने आना गंभीर विषय है। मतदाता सूची लोकतांत्रिक चुनाव की आधारशिला होती है। इसमें किसी भी प्रकार की त्रुटि चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता को प्रभावित कर सकती है।

सपा महानगर अध्यक्ष ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और गौतमबुद्ध नगर के जिला निर्वाचन अधिकारी से मांग की कि नोएडा विधानसभा क्षेत्र-61 की मतदाता सूची में सामने आ रही सभी डुप्लीकेट एवं संदिग्ध प्रविष्टियों की तत्काल निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही नियमानुसार आवश्यक सुधार कर मतदाता सूची को दुरुस्त किया जाए, ताकि प्रत्येक पात्र मतदाता अपने मताधिकार का सही तरीके से प्रयोग कर सके और आगामी चुनाव निष्पक्ष, पारदर्शी एवं विश्वसनीय तरीके से संपन्न हो सकें।

के.एम. विश्वविद्यालय में उत्साह के साथ आयोजित हुआ संडे ऑन साइकिल दौड़

- कुलाधिपति और अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना
- मेडीकल छात्र-छात्राओं ने साइकिल चलाकर दिया स्वस्थ जीवन, पर्यावरण संरक्षण और नशा मुक्ति का संदेश

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा/ भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय तथा माई भारत के सहयोग से के.एम. विश्वविद्यालय, मथुरा के परिसर में रविवार को संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस साइकिल दौड़ और जागरूकता कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के मेडिकल छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की और साइकिल चलाकर फिटनेस, स्वस्थ जीवनशैली, पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ नशा मुक्ति अभियान का पुरजोर संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि के.एम. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति किशन चौधरी, विशिष्ट अतिथि गौरांग दास महाराज, आर.के. पांडे, जिला युवा अधिकारी अमित कुमार, जिला यूथ आइकॉन दीपक सिंह आजाद (माई भारत) ने संयुक्त रूप से हरी



झंडी दिखाकर किया।

इस अवसर पर कुलाधिपति किशन चौधरी ने कहा कि स्वस्थ शरीर ही सफल जीवन का आधार है। विद्यार्थियों को अपनी शिक्षा के साथ-साथ खेल और शारीरिक गतिविधियों को भी दिनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए तथा नशे को अपने जीवन से कोसों दूर रखना चाहिए। युवाओं की ऊर्जा यदि सही दिशा में लगे, तो समाज और देश का भविष्य पूरी तरह सुरक्षित रहेगा।

विशिष्ट अतिथि गौरांग दास महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि शरीर, मन और आत्मा के संतुलन के लिए नियमित व्यायाम अत्यंत आवश्यक है। वहीं, विश्वविद्यालय के सलाहकार डॉ. एस.पी. गोस्वामी ने कहा कि नशा क्षणिक आनंद देता है, लेकिन जीवनभर का नुकसान पहुँचाता है। एक स्वस्थ शरीर, सशक्त युवा और नशामुक्त समाज ही विकसित भारत की सबसे मजबूत नींव है।

जिला युवा अधिकारी एवं साइकिल धावक अरुण कुमार सिंह आर्य ने विचार रखते हुए कहा कि साइकिल चलाने से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी अमूल्य योगदान मिलता है। विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने कहा कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक ज्ञान के साथ शारीरिक और मानसिक रूप से भी सशक्त बनाना है, और नशे जैसी आदतों से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम सकारात्मक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी है।

कार्यक्रम को सफल बनाने में के.एम. मेडिकल कॉलेज की प्रबंधक स्वाति शर्मा, विश्वविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी वेद प्रकाश पांडेय, प्रशासनिक अधिकारी सचिन सिंह चौधरी, हॉस्टल वार्डन देवेश चौहान एवं सिक्योरिटी हेड नेत्रपाल सिंह सहित दर्जनों मेडिकल छात्र-छात्राओं की विशेष उपस्थिति और सक्रिय सहभागिता रही।

मथुरा में डीजल टैंकर की मरम्मत के दौरान भीषण विस्फोट दो मजदूरों की मौत, चालक गंभीर रूप से घायल

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा/ थाना रिफाइनरी क्षेत्र के गांव बाद स्थित एक वर्कशॉप में रविवार सुबह डीजल टैंकर की मरम्मत के दौरान अचानक जोरदार विस्फोट हो गया। धमाका इतना भीषण था कि इसकी चपेट में आकर वर्कशॉप में काम कर रहे दो मजदूरों की उपचार के दौरान दर्दनाक मौत हो गई, जबकि टैंकर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस के अनुसार, रविवार सुबह करीब 11:30 बजे थाना रिफाइनरी को सूचना मिली कि बाद पुल के निकट स्थित 'जगदम्बा इंजीनियरिंग कंपनी' की वर्कशॉप में एक टैंकर में धमाका हो गया है। सूचना मिलते ही पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि वर्कशॉप में डीजल टैंकर की मरम्मत का कार्य चल रहा था। इसी दौरान टैंकर के भीतर गैस बनने से अचानक तेज विस्फोट हो गया। धमाके की जद में आकर मरम्मत कर रहे कंपनी के दो मजदूर और टैंकर चालक गंभीर रूप से झुलस कर घायल हो गए। पुलिस ने



स्थानीय लोगों की मदद से तीनों घायलों को तत्काल अस्पताल भिजवाया। अस्पताल में उपचार के दौरान पहले एक मजदूर ने दम तोड़ दिया, जबकि कुछ ही देर बाद दूसरे मजदूर की भी मौत हो गई। मृतकों में एक की पहचान गांव बाद निवासी प्रेमपाल के रूप में हुई है, वहीं दूसरे मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। घायल टैंकर चालक का अस्पताल में इलाज जारी है और डॉक्टरों ने उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है पुलिस का बयान"टैंकर की मरम्मत के दौरान भीतर गैस बनने के कारण विस्फोट हुआ है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है

देवेश सिंह, क्षेत्राधिकारी (रिफाइनरी) हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया और पूरे गांव बाद में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस वर्कशॉप में सुरक्षा मानकों और विस्फोट के सटीक कारणों की गहनता से जांच कर रही है।

64 करोड़ से संवर रहा बलदेव-सादाबाद मार्ग, 35 करोड़ की तीन नई सड़कों का भी खाका तैयार

बलदेव गोशाला से हाथरस सीमा तक 22 किलोमीटर लंबे हिस्से का हो रहा चौड़ीकरण, लक्खी मेले के दौरान श्रद्धालुओं को मिलेगी जाम से निजात

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा / दाऊजी महाराज की पावन नगरी बलदेव और पड़ोसी जनपद हाथरस के बीच का सफर अब बेहद सुगम होने जा रहा है। क्षेत्र की लाइफलाइन माने जाने वाले बलदेव-सादाबाद मार्ग की तस्वीर बदलने के लिए लोक निर्माण विभाग (PWD) ने पूरी ताकत झोंक दी है। करीब 64 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से बलदेव गोशाला से सादाबाद सीमा तक 22 किलोमीटर लंबी सड़क के चौड़ीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है। इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट के धरातल पर उतरने से न केवल धार्मिक पर्यटन को पंख लगेंगे, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई रफ्तार मिलेगी।

जाम और जलभराव से मिलेगी स्थायी मुक्ति

अब तक महज 10 मीटर चौड़ी इस सड़क पर बढ़ते यातायात के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती थी। निर्माण खंड की देखरेख में अब उपलब्ध भूमि के अनुसार सड़क को दोनों तरफ से चार से छह मीटर तक और चौड़ा किया जा रहा है। राहत की बात यह है कि मार्ग के अधिकांश हिस्से में चौड़ीकरण का काम अंतिम चरण में है। इसके साथ ही, शहरी और आबादी वाले इलाकों में



जलभराव की पुरानी समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए सड़क के दोनों ओर पक्के नालों का निर्माण भी कराया जा रहा है।

श्रद्धालुओं से लेकर किसानों तक को सीधा लाभ

बलदेव स्थित श्री दाऊजी महाराज मंदिर में साल भर भक्तों का तांता लगा रहता है। विशेष रूप से प्रमुख पर्वों और ऐतिहासिक लक्खी मेले के दौरान हाथरस की ओर से आने वाले वाहनों के दबाव से यातायात व्यवस्था चरमरा जाती थी। मार्ग के विस्तारित होने से अब श्रद्धालुओं का सफर सुरक्षित और कम समय वाला होगा। वहीं, क्षेत्र के अन्नदाताओं को अपनी फसलें मंडी तक ले जाने और स्थानीय व्यापारियों को माल ढुलाई में होने वाली दिक्कतों से बड़ी निजात मिलेगी।

35 करोड़ से जुड़ेंगे गांव, शासन को भेजा प्रस्ताव

बलदेव क्षेत्र में सड़क तंत्र को और अधिक मजबूत करने के लिए विभाग ने तीन अन्य प्रमुख ग्रामीण मार्गों के कायाकल्प की भी तैयारी कर ली है। इसके लिए करीब 35 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार कर शासन को स्वीकृति के लिए भेजा गया है

प्रस्तावित तीन नए मार्ग

बलदेव-मई मार्ग: इसके निर्माण से आसपास के दर्जनों गांवों का सीधा संपर्क मुख्य मार्ग से जुड़ जाएगा

बीबीके रोड से कंजौलीघाट मार्ग आंगई माइनर होते हुए बनने वाली यह सड़क यमुना खादर और तटीय गांवों के लिए वरदान साबित होगी

बरौली से नगला संजा-अकोस मार्ग बीबीके रोड से जुड़ने वाला यह रास्ता ग्रामीण आवागमन को और बेहद आसान बना देगा।

मथुरा में आस्था और पर्यावरण संरक्षण की अनूठी पहल: 650 खंडित मूर्तियों का किया गया ससम्मान भू-विसर्जन

समाज जागरण संवाददाता

मथुरा / यमुना नदी को प्रदूषण से बचाने और सनातन आस्था की मयार्दा बनाए रखने के उद्देश्य से रविवार को भूतेश्वर तिराहे पर 'प्रोजेक्ट मथुरा' और नगर निगम मथुरा-वृंदावन के संयुक्त तत्वावधान में विशेष मूर्ति संग्रह अभियान चलाया गया। सुबह 9 से 11 बजे तक चले इस दो घंटे के अभियान को शहरवासियों का भरपूर समर्थन मिला, जिसके तहत एकत्र हुईं 650 मूर्तियों का विधि-विधानपूर्वक भू-विसर्जन किया गया।

अभियान के दौरान शहर के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने घरों में रखी खंडित या पुरानी मूर्तियों को सम्मानपूर्वक विसर्जित करने के लिए संग्रह स्थल पर पहुँचे। इनमें मूलचंद गर्ग, हेमंत खंडोली, पुनीत मंगला, दीपक गोयल और विपिन गुप्ता सहित 40 से अधिक नागरिकों ने सहभागिता निभाई। मूर्तियों के साथ-साथ लोगों ने भगवान की पुरानी पोशाकें भी संस्था को सौंपीं। इसके अलावा, प्रोजेक्ट मथुरा के स्वयंसेवकों की टीम ने शहर के विभिन्न मंदिरों में जाकर भी वहां रखी पुरानी मूर्तियों को एकत्र किया और संग्रह स्थल तक पहुँचाया।

अभियान के समापन के बाद एकत्रित



की गईं सभी 650 मूर्तियों का शास्त्रोक्त विधि-विधान के साथ सुरक्षित भू-विसर्जन संपन्न कराया गया। इस पूरे कार्य को सुचारू रूप से अंजाम देने में घाट सुपरवाइजर अरविंद चतुवेर्दी का विशेष सहयोग रहा।

मिट्टी और गोबर की मूर्तियां अपनाने की अपील

प्रोजेक्ट मथुरा के संस्थापक सीए विपुल अग्रवाल ने अभियान की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य धार्मिक भावनाओं और सनातन आस्था का पूर्ण सम्मान करते हुए मूर्तियों का श्रद्धापूर्वक निस्तारण करना है, ताकि उन्हें यमुना में प्रवाहित होने से रोका जा सके। उन्होंने शहरवासियों से पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनने की अपील करते हुए कहा कि लोग प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की मूर्तियों के बजाय मिट्टी और गोबर से बनी इको-फ्रेंडली मूर्तियों का उपयोग करें। उन्होंने जानकारी दी कि जनसहभागिता को देखते हुए आगामी दिसंबर माह में भी यह मूर्ति संग्रह अभियान पुनः चलाया जाएगा।

इन स्वयंसेवकों ने संभाली व्यवस्था

अभियान को सफल बनाने में प्रोजेक्ट मथुरा की टीम का सक्रिय योगदान रहा। इसमें विपुल, दीपक, मनीष, नवज्योति, अंकुर, राजीव, राहुल, राहुल गुप्ता, प्रणय, काव्या, अंकुश, केशव, दिव्या, सुहानी, आन्या और डॉ. नेहा सहित अन्य स्वयंसेवकों ने व्यवस्थाएं संभालीं।

आगरा कॉलेज के खेल मैदान का अधिकार सुरक्षित रहेगा : योगेंद्र उपाध्याय

आगरा/लखनऊ, 29 नवंबर। प्रदेश सरकार विकास परियोजनाओं को गति देने के साथ शिक्षा, युवाओं और जनहित से जुड़े विषयों को भी प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में आगरा कॉलेज के खेल मैदान और आगरा मेट्रो परियोजना से जुड़े विवाद का समाधान निकाला जाएगा। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने स्पष्ट किया कि सरकार के लिए आगरा कॉलेज के करीब 19 हजार विद्यार्थियों का भविष्य और उनकी खेल गतिविधियां सर्वोपरि हैं। छात्रों के हितों की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। मंत्री ने कहा कि आगरा कॉलेज का खेल मैदान हजारों विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा और भविष्य से जुड़ा है, वहीं आगरा मेट्रो शहर के विकास की महत्वपूर्ण परियोजना है। सरकार विकास और छात्रहित को एक-दूसरे के विरोध में नहीं मानती। उसकी प्राथमिकता है कि विकास कार्य भी आगे बढ़ें और विद्यार्थियों की शैक्षणिक एवं खेल संबंधी सुविधाएं भी सुरक्षित रहें।

जिलाधिकारी की निगरानी में मतदाता पुनरीक्षण अभियान ने पकड़ी रफ्तार, 51 हजार से अधिक नए मतदाता जुड़े

29 नवंबर को एक दिन में जुड़े 10,183 नए मतदाता चारों विधानसभा क्षेत्रों में फॉर्म-6 भरने की प्रक्रिया में आई तेजी

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी



सोनभद्र। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ की निगरानी में जिले में विशेष संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण अभियान ने रफ्तार पकड़ ली है। 17 से 29 नवंबर तक जिले की चारों विधानसभा सीटों पर कुल 51,692 नए मतदाताओं का पंजीकरण किया गया। इसमें 29 नवंबर को एक ही दिन में 10,183 पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में दर्ज किए गए। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर संचालित अभियान की प्रगति को लेकर जिलाधिकारी चर्चित गौड़ लगातार समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर फॉर्म-6 भरने और उसकी ऑनलाइन फीडिंग की स्थिति की जानकारी ली। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों, खंड विकास अधिकारियों तथा पंचायत विभाग के अधिकारियों को अभियान में तेजी लाने और पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने के निर्देश दिए। प्रशासनिक स्तर पर लगातार निगरानी और समन्वय के परिणामस्वरूप 17 से 28 नवंबर के बीच जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों में 41,509 नए मतदाताओं का पंजीकरण किया गया। विधानसभा घोरावल में 11,551, राबर्ट्सगंज में 9,054, ओबरा में 7,631 और दुद्धी में 13,273 नए मतदाताओं के फॉर्म-6 भरे गए। वहीं, 29 नवंबर को विधानसभा घोरावल में 3,143, राबर्ट्सगंज में 2,287, ओबरा में 2,214 और दुद्धी में 2,559 नए मतदाताओं का पंजीकरण हुआ। इस तरह 29 नवंबर को एक दिन में कुल 10,183 नए मतदाता जुड़े। 17 से 29 नवंबर तक चारों विधानसभा क्षेत्रों में कुल 51,692 पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। अभियान के दौरान जिलाधिकारी ने फॉर्म-6 की ऑनलाइन फीडिंग पर विशेष जोर दिया। नियमित समीक्षा और अधिकारियों के बीच समन्वय के चलते ऑनलाइन फीडिंग के मामले में भी जनपद ने प्रदेश स्तर पर बेहतर प्रदर्शन किया।

जिलाधिकारी ने की नाम जुड़वाने की अपील

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी चर्चित गौड़ ने नागरिकों से अपील की है कि जिन पात्र लोगों का नाम अभी तक मतदाता सूची में दर्ज नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर अपना नाम दर्ज करा लें। विशेष रूप से 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं और किसी कारणवश मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूट गए नागरिकों से अभियान का लाभ उठाने की अपील की गई है। बताया कि मतदाता सूची से संबंधित जानकारी, सहायता अथवा शिकायत के लिए भारत निर्वाचन आयोग के टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाने में प्रत्येक मतदाता की भागीदारी अहम है। कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से वंचित न रहे, इसके लिए निर्वाचन संबंधी कार्यों की नियमित समीक्षा और निगरानी जारी रहेगी।

विधानसभा स्तरीय वृहद रोजगार मेले में 925 अभ्यर्थियों ने किया प्रतिभाग, 309 अभ्यर्थियों को मिला जॉब ऑफर

सदर विधायक ने किया रोजगार मेले का शुभारंभ, १० से अधिक निजी कंपनियों ने लिया प्रतिभाग

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी



सोनभद्र।जिला सेवायोजन कार्यालय, सोनभद्र द्वारा दिनांक 29 नवंबर 2026 को विधानसभा राबर्ट्सगंज के अंतर्गत पी०एम०श्री० राजकीय इंटर कॉलेज, कोन में विधानसभा स्तरीय वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया गया।

मेले का शुभारंभ सदर विधायक भूपेश चौबे द्वारा किया गया। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की 20 से अधिक स्थानीय एवं बाहरी कंपनियों द्वारा प्रतिभाग कर अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया। इनमें मुख्य रूप से हिंदुस्तान इलेक्ट्रिकल्स (विजन इंडिया), एस०एम० आर० एफ० टायर्स, टाटा मोटर्स, उत्कर्ष बैंक, ब्लिंकिट एवं फ्लिपकार्ट सहित विभिन्न कंपनियां शामिल रहीं। आयोजित रोजगार मेले में लगभग 925 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें से विभिन्न पदों पर कंपनियों द्वारा 309 अभ्यर्थियों को जॉब ऑफर प्रदान किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक कोन की प्रमुख श्रीमती रूबी मिश्रा सहित अन्य गणमान्य जनप्रतिनिधि, कॉलेज के कर्मचारी तथा जिला सेवायोजन कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इस प्रकार के रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है।

रानीताली में भीषण सड़क हादसा: रांग साइड से आ रहे ट्रेलर व टीपर से आमने-सामने टक्कर, चालक गंभीर घायल

टीपर पलटने से सड़क पर बिखरी गिट्टी, हादसे के बाद चालक मौके से फरार; डायल 112 पुलिस ने घायल को पहुंचाया अस्पताल

समाज जागरण/ अनिल कुमार अग्रहरी



डाला/ सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के रानीताली स्थित एचपी पेट्रोल पंप के सामने रविवार की शाम करीब पांच बजे रांग साइड से आ रहे एक ट्रेलर और टीपर के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि टीपर सड़क पर पलट गया और उसमें लदी पूरी गिट्टी सड़क पर बिखर गई। हादसे में ट्रेलर चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि टीपर चालक मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार शाम करीब पांच बजे हाथीनाला की तरफ से रांग साइड में आ रहा ट्रेलर रानीताली एचपी पेट्रोल पंप के सामने डाला की ओर से आ रहे टीपर से सामने से टकरा गया। टक्कर के बाद ट्रेलर चालक अपने केबिन में बुरी तरह फंस गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसा देखकर प्रत्यक्षदर्शियों ने तत्काल डायल 112 पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही हाथीनाला की डायल 112 पुलिस टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से पुलिसकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद ट्रेलर के केबिन में फंसे चालक को सुरक्षित बाहर निकलवाया। इसके बाद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घायल चालक को अपनी ही गाड़ी से दुद्धी अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है और चिकित्सकों की देखरेख में उपचार जारी है। वहीं, टक्कर के बाद टीपर सड़क पर पलट गया, जिससे उसमें लदी गिट्टी सड़क पर दूर-दूर तक बिखर गई और आवागमन बाधित हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सड़क पर बिखरी गिट्टी और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों के कारण बाधित यातायात को खुलवाया। साथ ही दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे करवाने की कार्रवाई की गई। घायल ट्रेलर चालक की पहचान चकरिया, मारकुंडी बंधा निवासी 27 वर्षीय रिंकू कुशवाहा पुत्र रामसूरत कुशवाहा के रूप में बताई जा रही है। हादसे के बाद टीपर चालक के मौके से फरार होने को लेकर पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की तत्परता और स्थानीय लोगों के सहयोग से केबिन में फंसे चालक को समय रहते बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया जा सका।

IGRS पर अधिकारियों की कथित मनमानी रिपोर्ट से पीड़ित नाराज, मुख्यमंत्री से निष्पक्ष जांच की मांग

समाज जागरण/ सन्तोष कुमार



बीजपुर/ सोनभद्र। मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल (IGRS) पर शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच के निर्देशों के बावजूद सोनभद्र के बीजपुर क्षेत्र से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें शिकायतकर्ता ने विभागीय अधिकारियों पर बिना जांच किए गलत आख्या प्रस्तुत करने का आरोप लगाया है। नमामि गंगे परियोजना में कार्यरत रहे एक कर्मचारी ने बकाया मजदूरी और ओवरटाइम भुगतान नहीं होने की शिकायत की थी, लेकिन आरोप है कि अधिकारियों ने बिना पीड़ित से बात किए ही मामले का निस्तारण कर दिया। अब पीड़ित ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर न्याय की मांग की है।

दो महीने का वेतन और ओवरटाइम बकाया

पीड़ित के मुताबिक, नमामि गंगे परियोजना में कार्य के दौरान कंपनी ने उसका दो माह का वेतन और ओवरटाइम का भुगतान नहीं किया। बकाया मजदूरी मांगने पर उसे नौकरी से बाहर कर दिया गया। इसके बाद उसने IGRS पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, लेकिन आरोप है कि श्रम विभाग और परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने शिकायत की वास्तविक जांच किए बिना कंपनी के पक्ष में रिपोर्ट लगाकर प्रकरण समाप्त कर दिया।

मुख्यमंत्री तक पहुंचा मामला, फिर भी जांच पर सवाल

स्थानीय स्तर पर न्याय नहीं मिलने से परेशान कर्मचारी लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री जनता दरबार पहुंचा और अपनी समस्या से संबंधित प्रार्थना पत्र दिया। वहां से प्रकरण जांच के लिए सोनभद्र भेजे जाने के बाद भी शिकायतकर्ता का आरोप है कि अधिकारियों ने पुराने ढर्रे पर ही रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी। पीड़ित का कहना है कि जांच अधिकारी ने न तो उससे जानकारी ली और न ही कार्यस्थल पर जाकर मामले की वास्तविक स्थिति का जायजा लिया।

श्रमिकों के शोषण का भी आरोप

बीजपुर झीलों परियोजना में काम करने वाले श्रमिकों के साथ कथित शोषण को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप है कि परियोजना में कार्यरत कंपनियों द्वारा स्थानीय मजदूरों के अधिकारों की अनदेखी की जाती है और मजदूरी की मांग करने पर काम से हटाने जैसी कार्रवाई की जाती है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। पीड़ित ने मुख्यमंत्री से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, बकाया वेतन और ओवरटाइम दिलाने तथा कथित लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले में कंपनी के संबंधित अधिकारियों से पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क स्थापित नहीं हो सका।

श्रद्धा एवं सेवा के साथ मनाई गई स्व. दुधनाथ चौबे की पांचवीं पुण्यतिथि, जरूरतमंदों को वितरित किए गए कंबल व शॉल

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी



सोनभद्र। विजयगढ़ क्षेत्र के जनसंघ काल के संस्थापक मंडल अध्यक्ष, वरिष्ठ समाजसेवी एवं जनसेवा के प्रति समर्पित स्व. दुधनाथ चौबे की पांचवीं पुण्यतिथि रविवार,को गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय, नाको, रामगढ़ स्थित परिसर में श्रद्धा, सम्मान एवं सेवा भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई तथा उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रख्यात शिक्षाविद एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित शिक्षक ओमप्रकाश तिवारी जी ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता जी रहे। विशिष्ट अतिथियों में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. धर्मवीर तिवारी एवं अशोक मिश्रा, राष्ट्रीय लोकदल के जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी, पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रवीण सिंह , पूर्व ब्लॉक प्रमुख एवं विजयगढ़ राज परिवार के कृष्ण प्रताप सिंह, पूर्व प्रमुख मुन्ना धागर ,संत किनाराम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर गोपाल सिंह तथा सत्यप्रताप सिंह एवं श्री ओमप्रकाश दुबे शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा स्व. दुधनाथ चौबे जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इसके उपरांत उपस्थित जनों ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। वक्ताओं ने उनके संघर्षपूर्ण, प्रेरणादायी एवं जनसेवा से ओतप्रोत जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्व. दुधनाथ चौबे जी का संपूर्ण जीवन मानवता, समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित रहा। विजयगढ़ क्षेत्र के पीड़ित, शोषित एवं वंचित लोगों की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता रही। वक्ताओं ने कहा कि स्व. दुधनाथ चौबे जी जनसंघ, जनता पार्टी एवं भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक मंडल अध्यक्ष के रूप में लगभग चार दशकों तक संगठन को मजबूती प्रदान करते रहे। वे संगठन के प्रति निष्ठावान, समर्पित एवं कर्मठ कार्यकर्ता होने के साथ-साथ एक प्रखर समाजसेवी भी थे। उन्होंने जिला उपाध्यक्ष, मंडी परिषद सदस्य एवं लोक अदालत सदस्य जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। उत्कृष्ट ग्राम प्रधान के रूप में भी उन्होंने क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई। उनका जीवन समाज के प्रति समर्पण, सादगी, सेवा और जनहित का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। 95 वर्ष की आयु में 29 नवंबर 2021 को उनके निधन के बाद भी उनके विचार, कार्य एवं जनसेवा की भावना आज लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बने हुए हैं। उनकी पुण्यतिथि पर क्षेत्र के बुजुर्गों एवं जरूरतमंद लोगों के बीच गर्म कंबल एवं शॉल वितरित किए गए। इस सेवा कार्य के माध्यम से उनके जन कल्याण एवं जरूरतमंदों की सहायता के संकल्प को आगे बढ़ाया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं गुप्तकाशी सेवा ट्रस्ट के संस्थापक तथा स्व. दुधनाथ चौबे के सुपुत्र रवि प्रकाश चौबे ने उपस्थित सभी अतिथियों, गणमान्य नागरिकों, सहयोगियों एवं कार्यक्रम में सहभागी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. रचना तिवारी, राजेश अग्रहरि, बिंदू पांडे, अमरनाथ सिंह, सुनील सिंह, प्रेमनाथ चौबे, कृष्णकांत पांडे, अमरेश मिश्र, सौरभ कांत त्रिपाठी, प्रभात सिंह, राजन दूबे, अशोक चौबे, ओमप्रकाश दुबे, सर्वेश त्रिपाठी, धनंजय त्रिपाठी, भगवान दास केशरी, योगेंद्र बिंद, श्यामू मिश्रा, मोहन बिंद, कमलेश धागर, किरन त्रिपाठी, धर्मेंद्र पांडेय राजू, बृजेश पांडेय, विकास दुबे सहित सैकड़ों गणमान्य नागरिक एवं मीडिया कर्मी उपस्थित रहे।

विंध्य एक्सप्रेस-वे के लिए भूमि अधिग्रहण की आहट से ग्रामीणों की चिंता बढ़ी, पटवथ में मूल निवासी अधिकार मंच की बैठक

समाज जागरण/ मनोज कुमार चौबे



चोपन/ सोनभद्र। मूल निवासी अधिकार मंच की बैठक आज चोपन विकासखंड के पटवथ स्थित पंचमुखी महादेव मंदिर परिसर में आयोजित हुई। बैठक में गवर्नमेंट ग्रांट वर्ग 1-ख की भूमि को पात्र खातेदारों के लिए संक्रमणीय भूमिधरी अधिकार दिए जाने सहित भौमिक अधिकार से जुड़ी विभिन्न मांगों और समस्याओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक में विंध्य एक्सप्रेस-वे के लिए सोनभद्र में शुरू हुई भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को लेकर ग्रामीणों ने विशेष चिंता जताई। ग्रामीणों का कहना है कि वे पीढ़ियों से गवर्नमेंट ग्रांट वर्ग 1-ख की जमीन पर काबिज होकर खेती और आवास के माध्यम से जीवनयापन कर रहे हैं। अब जब विकास परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, तो उन्हें आशंका सता रही है कि भूमि की वर्तमान राजस्व श्रेणी के कारण उन्हें उचित मुआवजा और अपने अधिकारों के अनुरूप लाभ प्राप्त करने में कठिनाइयां हो सकती हैं। मंच के संयोजक धर्मेन्द्र सिंह ने सवाल उठाया कि जिस जमीन पर हजारों परिवार पीढ़ियों से बसे हैं, यदि वही जमीन विकास परियोजना के लिए अधिग्रहित होती है तो उन परिवारों का भविष्य कैसे सुरक्षित होगा। भूमि की कानूनी स्थिति स्पष्ट नहीं होने से मुआवजे, पुनर्वास और आजीविका को लेकर उनकी चिंता बढ़ गई है। बैठक में कहा गया कि सोनभद्र के विकास का स्वागत है, लेकिन विकास के नाम पर पीढ़ियों से बसे ग्रामीणों के भूमि अधिकार, उचित मुआवजे और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा की अनदेखी नहीं होनी चाहिए। मूल निवासी अधिकार मंच ने भौमिक अधिकार अभियान को आगे बढ़ाने और ग्रामीणों को उनके भूमि संबंधी अधिकारों के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया।

बैठक को पूर्व बीडीसी अमरनाथ सूर्य, चुनमुन प्रधान, ग्राम प्रधान राम प्रताप साहनी, महेश जायसवाल एवं दीपक दुबे आदि ने संबोधित किया।

एएसपी अनूप कुमार ने थाना चोपन और पुलिस चौकी चुर्क का किया औचक निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

समाज जागरण/ मनोज कुमार चौबे

चोपन/ सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में नवनियुक्त अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनूप कुमार ने रविवार को थाना चोपन एवं पुलिस चौकी चुर्क का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाना और चौकी की कार्यप्रणाली, अभिलेखों के रखरखाव, परिसर की साफ-सफाई तथा पुलिस व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने संबंधित अभिलेखों का अवलोकन करते हुए उन्हें सुव्यवस्थित एवं अद्यतन रखने के निर्देश दिए। साथ ही थाना और चौकी परिसर में साफ-सफाई एवं अनुशासन बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने तथा आमजन के साथ शालीन एवं संवेदनशील व्यवहार अपनाने के निर्देश दिए। इसके अलावा क्षेत्र में प्रभावी पुलिसिंग, अपराध नियंत्रण और शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तत्परता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने को कहा। एएसपी ने पुलिसकर्मियों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करने तथा जनता के बीच पुलिस के प्रति विश्वास बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

100 मीटर की दौड़ में आव्या पाण्डेय ने मारी बाजी, प्रथम स्थान हासिल कर बढ़ाया विद्यालय का गौरव

सेंट जोसेफ कॉन्वेंट हाई स्कूल में प्रशस्ति पत्र एवं गोल्ड मेडल देकर किया गया सम्मानित, परिवार में खुशी की लहर

समाज जागरण/ तहसील संवाददाता अवधेश कुमार गुप्ता



सोनभद्र। प्रतिभा, परिश्रम और लगन के दम पर छोटी उम्र में बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाली सेंट जोसेफ कॉन्वेंट हाई स्कूल, रॉबर्ट्सगंज की कक्षा दो (सेक्शन-बी) की होनहार छात्रा आव्या पाण्डेय ने 100 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय सहित अपने परिवार का नाम रोशन किया है।विद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में आव्या ने अपनी शानदार गति, आत्म विश्वास और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय देते हुए प्रतियोगिता में पहला स्थान हासिल किया। उनकी इस शानदार सफलता पर विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र एवं गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी उम्र की मोहताज नहीं होती। नन्हीं उम्र में आव्या की इस सफलता न अन्य छात्र-छात्राओं को भी खेलकूद के क्षेत्र में आगे बढ़ने और बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा दी है।आव्या की इस शानदार उपलब्धि से विद्यालय परिवार और परिजनों में हर्ष एवं उत्साह का माहौल है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई कि वह आने वाले समय में भी इसी तरह अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर नई-नई उपलब्धियां हासिल करेंगी। नन्हीं धाविका आव्या पाण्डेय को इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की अनंत शुभकामनाएं।

सांसद निधि से बभनी के तीन गांवों में लगेंगी 24 सोलर स्ट्रीट लाइटें, रात में रोशन होंगी ग्रामीण बस्तियां

समाज जागरण



सोनभद्र। विकासखंड बभनी की तीन ग्राम पंचायतों में सांसद निधि से दो योजनाओं के तहत कुल 24 सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं। इनमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण बाजार योजना के अंतर्गत घघरा ग्राम पंचायत में 10 सोलर स्ट्रीट लाइटें तथा बाबू कल्याण सिंह ग्राम उन्नति योजना के तहत घघरी ग्राम पंचायत में सात और कोंगा ग्राम पंचायत में सात लाइटें शामिल हैं। इन लाइटों की स्थापना सार्वजनिक स्थलों और ग्रामीणों के घरों के पास कराई गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में पंडित दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण बाजार योजना के अंतर्गत घघरी ग्राम पंचायत में 10 स्थानों पर सोलर स्ट्रीट लाइटें स्थापित की जाएंगी। वहीं बाबू कल्याण सिंह ग्राम उन्नति योजना के तहत घघरा ग्राम पंचायत में सात तथा कोंगा ग्राम पंचायत में सात स्थानों पर लाइटें लगाई जाएंगी। इन योजनाओं के तहत घघरी में अशोक कुमार, रामरतन, राजदेव, फूल झरिया, विनय कुमार, शिवराम, बंश बहादुर, राम सिंह, रामनारायण और रामाधीन के घरों के पास सार्वजनिक स्थलों पर लाइटें लगाने का प्रस्ताव है। इसी प्रकार घघरा ग्राम पंचायत में संजय कुमार, सुकराज, जगत लाल, इन्द्रपरी, देवदास, फूल झरिया और रामदेव के घरों के पास लाइटें स्थापित की जाएंगी। कोंगा ग्राम पंचायत में रेशम सिंह, श्याम नारायण, जगदीश, रामजीत, हरिप्रसाद, राज नारायण और शिवकुमार के घरों के पास सोलर स्ट्रीट लाइटें लगाई जाएंगी। बताया गया कि ग्राम घघरी निवासी समाजसेवी अशोक सिंह खरवार के अथक प्रयास से राबर्ट्सगंज के सांसद द्वारा इन दोनों योजनाओं के तहत सोलर स्ट्रीट लाइटें स्वीकृत कराई गई हैं। इससे गांवों के सार्वजनिक स्थलों पर रोशनी की व्यवस्था होगी और ग्रामीणों को रात में आवागमन में सहूलियत मिलेगी।

यातायात जागरूकता माह: पुलिस लाइन चुर्क में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, 160 से अधिक लोगों की हुई जांच

समाज जागरण/ मनोज कुमार चौबे

सोनभद्र। यातायात जागरूकता माह के अंतर्गत रविवार को पुलिस लाइन चुर्क में निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में आयोजित शिविर का शुभारंभ अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल ने फीता काटकर किया। शिविर में पुलिसकर्मियों, उनके परिवारजनों और आम नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई गई। उप चिकित्साधिकारी सुमन जायसवाल एवं उनकी चिकित्सकीय टीम ने उपस्थित लोगों की आंखों की जांच सहित स्वास्थ्य परीक्षण किया और आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया। शिविर में 160 से अधिक लोगों का निःशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस पहल का उद्देश्य पुलिसकर्मियों, उनके परिजनों और आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी यातायात सुधीर सिंह, प्रभारी निरीक्षक यातायात नरेंद्र सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

एकल अभियान के आरोग्य चिकित्सा शिविर में 409 मरीजों की हुई जांच, नि : शुल्क दवाओं का वितरण

समाज जागरण

सोनभद्र। विकासखंड बभनी में रविवार को एकल अभियान की ओर से तीन अलग-अलग स्थानों पर आरोग्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। करकच्छी, बहेराडोल और ग्राम पंचायत भल पहरी के नवाटोला स्थित प्राथमिक विद्यालय में आयोजित शिविरों में कुल 409 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। शिविर के दौरान प्राथमिक विद्यालय करकच्छी में 107 मरीजों, नवाटोला में 102 मरीजों तथा बहेराडोल में 200 मरीजों की जांच की गई। चिकित्सकों ने मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श दिया।

इस दौरान चिकित्सकों ने बदलते मौसम और बढ़ती ठंड को देखते हुए ग्रामीणों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी। लोगों को गर्म कपड़े पहनने, सिर, कान और पैरों को ढककर रखने तथा सुबह-शाम ठंडी हवा और कोहरे में अनावश्यक बाहर निकलने से बचने के लिए जागरूक किया गया। विशेष रूप से बुजुर्गों और छोटे बच्चों को ठंड से सुरक्षित रखने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर ग्राम प्रधान दीनदयाल की ओर से चिकित्सकों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उनके भोजन की व्यवस्था भी की गई।

शिविर में अंचल रेणुकूट के संच बभनी विद्यालय ग्राम करकच्छी के एकल अभियान संच प्रमुख रामकरण, आरोग्य प्रमुख कामेश्वर, आचार्य राजदेव, कार्यक्रम प्रभारी रामेश्वर, चिकित्सक डॉ. रितिक, डॉ. विजय, डॉ. विकास, डॉ. अर्पण, डॉ. श्रेयांश, डॉ. अभिषेक विश्वकर्मा, अंचल श्रीवास्तव, संगठन मंत्री राजेश कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

जनचौपाल में विधायक ने सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश।

नव मतदाताओं को फॉर्म-6 भरने के लिए किया प्रेरित।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी।अजगरा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत चोलापुर मंडल के शक्तिकेंद्र सुल्तानीपुर में आयोजित जनचौपाल कार्यक्रम में विधायक त्रिभुवन राम ने सहभागिता कर क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक ने अधिकारियों से जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर लेते हुए उनका समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। जनचौपाल के दौरान विधायक ने नव मतदाताओं को मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 भरने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक पात्र नागरिक की



भागीदारी महत्वपूर्ण है। 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके युवाओं को मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराना चाहिए, ताकि वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें।

विधायक ने कहा कि जनचौपाल का उद्देश्य जनता और जनप्रतिनिधियों के बीच सीधा संवाद स्थापित करना, स्थानीय समस्याओं को जानना तथा उनका समाधान सुनिश्चित करना है। क्षेत्र की जनता की समस्याओं का निराकरण और विकास कार्यों को गति देना उनकी प्राथमिकता है।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रामप्रकाश सिंह बीरू, मंडल महामंत्री रितेश सिंह, शक्तिकेंद्र संयोजक सुरेन्द्र सिंह पप्पू, पूर्व महामंत्री प्रमोद पाण्डेय, राजीव पाण्डेय, विकास कुमार, सूरज राम, रामा देवी सहित अन्य सम्मानित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

शक्ति केंद्र ताला व जगदीश पुर में लगा जनचौपाल , सुनी गई ग्रामीणों की समस्याएं

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी।अजगरा विधान सभा चोलापुर मंडल के शक्तिकेंद्र ताला व जगदीशपुर में आयोजित जनचौपाल कार्यक्रम में विधायक त्रिभुवन राम ने सम्मिलित होकर क्षेत्रवासियों से आत्मीय संवाद किया तथा उनकी समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर पूर्व जिला उपाध्यक्ष/संयोजक अजगरा विधानसभा चंद्रशेखर सिंह, मंडल महामंत्री रितेश सिंह, शक्तिकेंद्र संयोजक अशोक सिंह, बूथ



अध्यक्षगण त्रिभुवन चौबे, राघवेन्द्र सिंह, राधेश्याम सिंह, दिनेश विश्वकर्मा, धीरज सिंह, रामजीत राम, भैयालाल राजभर, राकेश सिंह, सोनू सिंह, कपिल नारायण पाण्डेय, डीके सिंह, शिवाजी सिंह, मोहन बाबू, मनोज मानव, डा मनोज सिंह, दिनेश सिंह, सुभाष सिंह, सुधाकर पाण्डेय सहित अन्य पदाधिकारीगण व कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान कराना, जनसेवा के प्रति समर्पित रहना और अजगरा विधानसभा का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना ही हमारा संकल्प है।

निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का जिलाधिकारी ने विभिन्न बूथों पर भ्रमण कर किया निरीक्षण

समाज जागरण

मीरजापुर, निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार द्वारा बूथों पर भ्रमण कर निरीक्षण किया गया।

जिलाधिकारी ने विकासखंड पहाड़ी के उच्च प्राथमिक विद्यालय तोसवां के बूथ संख्या 308, प्राथमिक विद्यालय भरपुरा के बूथ संख्या 316, प्राथमिक विद्यालय चेंदुली के बूथ संख्या 319 पर भ्रमण कर निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने सुपरवाइजर व बीएलओ को निर्देशित किया कि गांव में भ्रमण करते हुए जो भी 18 वर्ष आयु पूर्ण कर लिए हैं उनका प्राथमिकता के आधार पर मतदाता सूची में नामांकन कराया जाए और ऐसी बहुएं जो विवाह



होकर आए हैं उनका भी नामांकन मतदाता सूची में हो।

उन्होंने कहा कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण लोकतंत्र को मजबूत बनाने की महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से मतदाता सूची को अद्यतन, शुद्ध एवं त्रुटिरहित बनाया जाता है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर सभी कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। सामुदायिक भवन चेंदुली में स्थित डिजिटल लाइब्रेरी का भी जिलाधिकारी ने निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 विनोद कुमार सिंह, नायब तहसीलदार पहाड़ी अरविंद कुमार पाण्डेय सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाबा साहब की पुण्यतिथि पर 6 दिसंबर को होगा भव्य आयोजन

बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने और सामाजिक एकता को मजबूत करने का लिया गया संकल्प, बहन दीक्षा यादव ने सभी से की कार्यक्रम में शामिल होने की अपील

समाज जागरण- ऊषा देवी

कानपुर देहात। रविवार को ग्राम मनकापुर में सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और सामाजिक जागरूकता को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आगामी 6 दिसंबर को भारत रत्न, भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं महान समाज सुधारक परम पूज्य बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान बहन दीक्षा यादव जी द्वारा आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम की जानकारी उपस्थित लोगों को दी गई। साथ ही समस्त समाज के लोगों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर आयोजन को सफल बनाएं और बाबा साहब को श्रद्धासुमन अर्पित करें।

इस अवसर पर वक्ताओं ने बाबा साहब के संघर्षपूर्ण जीवन, उनके महान विचारों तथा शिक्षा, समानता,



स्वतंत्रता, बंधुत्व और सामाजिक न्याय के लिए किए गए ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबा साहब ने समाज के हर वर्ग को सम्मान और समान अधिकार दिलाने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनके विचार आज भी समाज को एक नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।

बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि समाज की मजबूती आपसी एकता और भाईचारे में निहित है। बाबा साहब के बताए मार्ग पर चलते हुए शिक्षा को बढ़ावा देना, सामाजिक भेदभाव को समाप्त करना तथा संविधान के मूल्यों का सम्मान करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

अंत में उपस्थित लोगों से 6 दिसंबर को आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील करते हुए सभी को सादर आमंत्रित किया गया। बैठक का उद्देश्य बाबा साहब के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना और समाज में एकता, जागरूकता एवं समानता की भावना को मजबूत करना रहा।

विधायक ने जनचौपाल के माध्यम से ग्रामीणों से किया आत्मीय संवाद, सुनीं क्षेत्र की समस्याएं

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। चोलापुर मंडल के धरसौना शक्तिकेंद्र अंतर्गत ग्राम धरसौना तिवरान में आयोजित जनचौपाल कार्यक्रम में सम्मिलित होकर सम्मानित ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों से विधायक त्रिभुवन राम ने आत्मीय संवाद किया।

जनचौपाल के माध्यम से ग्रामीणों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं, सुझावों एवं क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। जनचौपाल का उद्देश्य जनप्रतिनिधि और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करना तथा आमजन की अपेक्षाओं एवं समस्याओं को जानकर उनके समाधान की दिशा में प्रभावी पहल करना है। साथ ही



युवाओं एवं नव मतदाताओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया तथा जिन युवाओं की आयु 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है, उन्हें मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने हेतु फॉर्म-6 भरने के लिए जागरूक किया।

इस अवसर पर मंडल महामंत्री विजय चौहान, शक्तिकेंद्र संयोजक अखिलेश सिंह, भाजपा युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष अखिलेश जायसवाल, विनय तिवारी, पप्पू भास्कर, शशिप्रकाश तिवारी, महेंद्र तिवारी, कपिल नारायण पाण्डेय, शिवाजी सिंह, डीके सिंह, मोहन बाबू, मनोज मानव सहित बड़ी संख्या में सम्मानित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

अस्सी व भगवानपुर एसटीपी मार्ग पर गंदगी का अंबार

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। शहर में उत्कृष्ट सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से रविवार को नगर आयुक्त शाश्वत त्रिपुरारि ने विभिन्न क्षेत्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्सी घाट, अस्सी नाला और भगवानपुर क्षेत्र में गंदगी मिलने पर संबंधित अधिकारियों को तत्काल सफाई कराने के निर्देश दिए गए।

नगर आयुक्त ने अस्सी एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) से जुड़े अस्सी नाला परिसर का निरीक्षण किया, जहां काफी गंदगी पाई गई। इसे मौके पर ही साफ कराया गया। इसके बाद अस्सी घाट को जाने वाले



मार्ग पर स्थित पुलिया के पास भी गंदगी देखने को मिली, जिसकी तत्काल सफाई कराई गई। निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त भगवानपुर एसटीपी मार्ग पहुंचे। यहां रास्ते के पास फैली गंदगी को देखकर नाराजगी जताई और तुरंत सफाई व्यवस्था दुरुस्त कराई गई। निरीक्षण के दौरान जलकल के महाप्रबंधक अनूप सिंह तथा ग्रामीण जल निगम के अधिशासी अभियंता आशीष सिंह मौजूद रहे।

कानपुर में बोली मां की ममता - भले ही बाप का हाथ और मेरा जबड़ा तोड़ा लेकिन बेटे को जेल ना भेजना

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। जिस मां उसे जन्म दिया पाल पोसकर बड़ा किया। हर कष्ट और परेशानी सहकर उसको इस काबिल बनाया कि संसार में अपना जीवन सुख पूर्वक व्यतीत कर सके लेकिन उसी नालायक बेटे ने अपने बाप का हाथ और मां का जबड़ा तोड़ दिया ,परंतु मां तो मां होती है। वह जान दे सकती है लेकिनअपने बेटे का अहित नहीं होने दे सकती। मां की ममता के संदर्भ में इस कथन को रावतपुर की शारदा देवी ने भी प्रमाणित किया अपने पति और खुद के साथ बेटे द्वारा किए गए इतने अमानवीय व्यवहार के बाद भी उसने बेटे की पुलिस से शिकायत तो की लेकिन उसे जेल भिजवाने की बात कदापि नहीं मानी और थानेदार से कहा कि कुछ भी हो जाए। भले ही मेरा बेटा मुझे मार डाले लेकिन उसे कभी जेल मत भेजना ,क्योंकि अगर वह जेल चला गया तो उसके बच्चों का पालन पोषण कौन करेगा।

मां की ममता को प्रमाणित करने वाले वाली इस घटना का संबंध रावतपुर थाना क्षेत्र से है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक समाधान दिवस पर बुजुर्ग दंपती बेटे की प्रताड़ना की शिकायत लेकर पहुंचे। मां शारदा देवी ने बताया कि बेटा अंकित उनके और पति प्रेम प्रकाश के साथ मारपीट करता है। पिटाई में पति का हाथ टूट गया, जबकि उनके जबड़े में चोट आई और दांत हिल गए।

बेटे की धमकियों से डरे दंपती को अपना मकान छोड़कर रिश्तेदारों के यहां रहना पड़ रहा है। उन्होंने थाना प्रभारी कमलेश राय से गुहार लगाई कि बेटे को मकान से बाहर कराकर उन्हें अपने घर में सुरक्षित रहने दिया जाए, लेकिन इसी दौरान मां शारदा देवी की एक बात ने वहां मौजूद लोगों को भावुक कर दिया। पुलिस ने बेटे के खिलाफ कार्रवाई की बात कही तो मां ने उसे जेल शारदा देवी ने पुलिस को बताया कि रावतपुर के शिवनगर में उनका मकान है, जो उनके और पति प्रेम प्रकाश के नाम पर है। कुछ दिन पहले बेटे अंकित ने दोनों के साथ मारपीट की थी। इसमें प्रेम प्रकाश का हाथ टूट गया, जबकि शारदा देवी के जबड़े में गंभीर चोट आई और दांत हिल गए।

इस बीच जब पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ कार्रवाई की बात कही तो शारदा देवी ने उसे जेल भेजने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि वह बेटे को सजा नहीं दिलाना चाहतीं। अगर वह जेल चला गया तो उसके बच्चों का भरण-पोषण कौन करेगा। फिलहाल बहुत अमानवी व्यवहार किए जाने के बाद भी ममता के चलते मां द्वारा बेटे को बचाने का यह प्रकरण क्षेत्र में भी चर्चा का विषय बना हुआ है। यद्यपि यहां की यह घटना पहली नहीं है। इसके पहले भी कई बुजुर्ग मां-बाप अपने बच्चों द्वारा मारपीट और प्रताड़ना का शिकार बनाया जा चुके हैं।

थाना राजगढ़ में तैनात गोरखनाथ यादव निरीक्षक हुए सेवानिवृत दी गई भावभीनी विदाई

समाज जागरण

मीरजापुर/राजगढ़ थाना में तैनात रहे गोरखनाथ यादव हुए रिटायर।पिछले तीन वर्षों से तैनात थे। 29 नवंबर को उनका कार्यकाल पूर्ण हो गया। सेवानिवृत होने पर थाना प्रभारी राजगढ़ बालमुकुंद मिश्रा द्वारा विदाई समारोह में गोरखनाथ को अंग वस्त्र एवं रामायण की प्रति भेट कर सम्मानित किया गया। विदाई के दौरान थाना प्रभारी ने गोरखनाथ कार्यकाल के दौरान उनके कार्यों की तारीफ की गई। थाना प्रभारी ने बताया कि गोरखनाथ अपने ड्यूटी को बिना किसी हिला हवेली के बखूबी निभाया। उनके मृदुल व्यवहार से थाने के लोगों की आंखें विदाई के



दौरानअश्रुपूरित हो गई। विदाई समारोह के दौरान पुरंजय चौबे , नरेंद्र राय, रमेश पांडे सब इंस्पेक्टर शिवेंद्र सिंह, शिवानंद, राजू यादव, प्रदीप सरोज, अभिषेक पांडे, नीला यादव, नीरज मिश्रा, संतोष पटेल, संतोष पाठक, अमरेश चंद्र उर्फ पंडित, जन्मेजय सिंह ग्राम प्रधान धंसिरिया, छोटे मिश्रा सहित, दर्जनों गणमान्य न व्यक्ति उपस्थित रहे।

रितु गुप्ता को मिली बड़ी जिम्मेदारी, सम्मान समारोह में हुआ अभिनंदन

समाज जागरण ऊषा देवी

कानपुर नगर। पत्रकारिता जगत से जुड़ी रितु गुप्ता के लिए गौरव का विषय है। उन्हें जिलाधिकारी उपाध्यक्ष के पद पर चुने जाने पर क्षेत्र में हर्ष और उत्साह का माहौल है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में उनका सम्मान समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उपस्थित लोगों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सम्मान समारोह के दौरान रितु गुप्ता का सम्मान कर उनके कार्यों और उपलब्धि की सराहना की गई। इस



अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए ही नहीं, बल्कि पत्रकारिता जगत से जुड़े लोगों के लिए भी गर्व की बात है।

रितु गुप्ता ने इस सम्मान और विश्वास के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में भी पूरी निष्ठा, ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया।

यूपी में निजी बिजनेस पार्क विकसित करने की तैयारी, यीडा ने अंगीकृत की योजना-2025

लखनऊ, 29 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश को देश का प्रमुख निवेश और औद्योगिक केंद्र बनाने की दिशा में एक और कदम बढ़ाया गया है। प्रदेश में निजी निवेश को बढ़ावा देने और आधुनिक व्यावसायिक सुविधाएं विकसित करने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने उत्तर प्रदेश निजी बिजनेस पार्क विकास योजना-2025 को अंगीकृत कर लिया है। बोर्ड की सैद्धांतिक मंजूरी के बाद अब प्राधिकरण योजना के लिए सेक्टर चिह्नित करेगा। इसके साथ ही भूखंडों का नियोजन और योजना का ब्रोशर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। योगी सरकार की इस पहल का उद्देश्य प्रदेश में निजी क्षेत्र की भागीदारी से आधुनिक बिजनेस पार्क विकसित करना है। इन पार्कों में आईटी, आईटीईएस, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी), स्टार्टअप, अनुसंधान एवं विकास तथा अन्य सेवा क्षेत्र की कंपनियों को जगह मिलेगी।

आयर मंडल के काकलपुर में सामूहिक रूप से सुना पीएम के मन की बात

प्रेरणादायी संदेशों की किया गया तारीफ।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी आयर मंडल के शक्तिकेंद्र काकलपुर अंतर्गत बूथ संख्या 193 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की



बात कार्यकताओं ने सामूहिक श्रवण किया ।

इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने एकत्रित होकर प्रधानमंत्री के विचारों, प्रेरणादायी संदेशों एवं देशभर में हो रहे सकारात्मक प्रयासों को सुना। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री जी देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर रहे लोगों के अनुभवों और प्रेरणादायी कहानियों को देशवासियों के सामने रखते हैं। यह कार्यक्रम समाज के प्रत्येक वर्ग को राष्ट्र निर्माण, सामाजिक सहभागिता एवं सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करने का सशक्त माध्यम है। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष रामप्रकाश सिंह बीरू, मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र पटेल, मंडल महामंत्री राहुल सिंह, रविन्द्र सिंह गप्पू, जयप्रकाश सिंह, कपिल नारायण पाण्डेय, विजय राजभर, दिनेश सिंह, विनोद सिंह, शिवाजी सिंह, डीके सिंह सहित अन्य सम्मानित पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी ने प्रधानमंत्री के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

लोटा-भंटा मेले को लेकर बढ़ी चहल-पहल

साफ सफाई की व्यवस्था ठीक नहीं होने से लोग नाराज

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। पंचकोसी परिक्रमा के तीसरे पड़ाव रामेश्वर तीर्थ धाम में लगने वाले सुप्रसिद्ध लोटा-भंटा मेले को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इस वर्ष मेला सोमवार को आयोजित होगा। मेले से एक दिन पूर्व रविवार से ही



रामेश्वर महादेव मंदिर एवं आसपास के क्षेत्रों में चहल-पहल बढ़ गई है। दूर-दराज से श्रद्धालुओं का रामेश्वर पहुंचना शुरू हो गया है।

करीब तीन से चार किलोमीटर की परिधि में लगने वाले इस पारंपरिक मेले में पूर्वांचल सहित आसपास के विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। मेले की विशेष परंपरा के अनुसार श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ को बाटी-चोखा का भोग लगाते हैं और विधि-विधान से पूजन-अर्चन करने के बाद प्रसाद ग्रहण करते हैं।

मेले को लेकर स्थानीय दुकानदारों एवं व्यापारियों में भी उत्साह देखा जा रहा है। मंदिर परिसर और आसपास के मार्गों पर श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने लगी है। रविवार होने के कारण मेला स्थल पर काफी भीड़ देखने को मिली मंदिर पे आस पास के धर्मशाला में साफ सफाई की व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने से लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ा।वहीं, मेले में उमड़ने वाली संभावित भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो सके।

पिकप चालक की सैदपुर में सड़क हादसे में हुई मौत

समाज जागरण

मीरजापुर/चुनार कोतवाली क्षेत्र के सीखड़ विकास खंड क्षेत्र से शनिवार देर रात पिकप पर मिर्चा लादकर गाजीपुर जा रहे चुनार के युवक की सैदपुर में एक सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक पिकप चालक था वह हाइवे पर खड़ी डंपर में पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। चुनार के दरगाह शरीफ निवासी नियाज अहमद अंसारी पुत्र स्व.सनमन अंसारी उम्र 35 वर्ष ने सीखड़ क्षेत्र से मिर्चा, टमाटर, मटर व अन्य सब्जियों को पिकप से मीरजापुर, वाराणसी, भदोही, चंदौली,गाजीपुर सहित अन्य मंडियों तक पहुंचाने का काम करता था। वह शनिवार की देर रात पिकप पर मिर्चा लादकर गाजीपुर जा रहा था। रात लगभग 11-12 बजे के बीच सैदपुर हाइवे पर खड़ी डंपर में जोरदार टक्कर मार दिया जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। टक्कर इतना जबरदस्त था कि पिकप के परखचे उड़ गए और पिकप हाईवे से पटरी के किनारे चली गई।मृतक अपने पिता का इकलौता पुत्र था। उसे तीन बच्चें है। घटना की खबर से मुहल्ले में मातम छा गया। सूचना पर परिजन घटना स्थल के लिए निकल गए थे।।

सपा कार्यकर्ताओं ने चुनावी तैयारी पर की चर्चा

समाज जागरण - उषा देवी

कानपुर। कल्याणपुर दक्षिण वार्ड-19 के मिजार्पुर नई बस्ती में समाजवादी पार्टी की बैठक हुई। इसमें आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा



की गई। कार्यकताओं ने पूर्व विधायक सतीश निगम के समर्थन में विचार-विमर्श किया और उन्हें भारी मतों से जिताने का संकल्प लिया।

बैठक में संगठन मजबूत करने, इलाके में जनसंपर्क बढ़ाने और पार्टी की नीतियां लोगों तक पहुंचाने पर भी चर्चा हुई।

इस मौके पर कल्याणपुर विधानसभा अध्यक्ष समाजवादी युवजन सभा अमन दुबे, वार्ड महासचिव रिशु दिवाकर, वार्ड-19 अध्यक्ष आर्यन चतुर्वेदी, पूर्व पार्षद राजेश दुबे, वार्ड सचिव अनुराग अग्निहोत्री, लाखन सिंह यादव, वंश शुक्ला और आदित्य यादव सहित पार्टी के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिजौरा में जल-जंगल-जमीन की लड़ाई तेज, आदिवासियों का दो टूक ऐलान–जान दे देंगे, लेकिन जमीन नहीं छोड़ेंगे!

1500 पेड़ों की संभावित कटाई और 51 एकड़ वन क्षेत्र के अवार्ड को लेकर बढ़ा विरोध, दो सप्ताह से धरने पर बैठे ग्रामीणों को शहडोल से भी मिल रहा समर्थन; 75 वर्षीय रामकली बाई के संघर्ष ने खींचा सबका ध्यान

समाज जागरण

बिजौरा/पाली। घुनघुटी पंचायत के बिजौरा गांव में जल, जंगल और जमीन के अधिकारों को लेकर आदिवासियों का आंदोलन लगातार उग्र रूप लेता जा रहा है। करीब दो सप्ताह से जारी धरना-प्रदर्शन में रविवार को बड़ी संख्या में ग्रामीणों के जुटने की जानकारी सामने आई है। आंदोलन को अब सीमावर्ती जिले शहडोल के सामाजिक संगठनों का भी समर्थन मिलने लगा है। इससे स्थानीय स्तर पर शुरू हुआ विरोध अब व्यापक जनसमर्थन की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। इस आंदोलन के बीच सबसे भावुक कर देने वाली तस्वीर 75 वर्षीय रामकली बाई की है, जो उम्र के इस पड़ाव में भी अपने अधिकारों और जंगल की रक्षा के लिए धरना स्थल पर डटी हुई हैं। उनका दो टूक संदेश है– "हमें मार डालो, लेकिन हम यहां से नहीं हटेंगे।" उनका यह बयान आंदोलनकारियों के भीतर पनप रहे असंतोष और अपनी जमीन-जंगल से जुड़े भावनात्मक रिश्ते को बयां करता है। जनप्रतिनिधियों ने भी उठाई आदिवासियों की आवाज आंदोलन को जिला पंचायत सदस्य हेमराज बैगा और जनपद अध्यक्ष मनीष सिंह बड़करे का भी समर्थन मिला है। दोनों जनप्रतिनिधियों ने आदिवासियों की मांगों और उनकी चिंताओं को जायज बताते हुए कहा कि जल, जंगल और जमीन केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की आजीविका, संस्कृति और परंपरागत अस्तित्व का आधार हैं। ऐसे संवेदनशील मामले में प्रभावित परिवारों की बात सुने बिना कोई निर्णय नहीं होना चाहिए। उनके अधिकारों, ग्रामसभा की भूमिका और सहमति से जुड़े सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार किया जाना आवश्यक है। 1500 पेड़ों की कटाई की आशंका बनी विरोध की बड़ी वजह दरअसल, बिजौरा क्षेत्र में करीब 51 एकड़ वन भूमि के अवार्ड पारित होने और बजरंग पावर कंपनी की प्रस्तावित गतिविधियों के बीच लगभग 1200 से 1500 पेड़ों की संभावित कटाई की आशंका ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। आंदोलनकारियों का दावा है कि इस क्षेत्र से कई आदिवासी परिवारों का वर्षों पुराना जुड़ाव है। कुछ परिवारों को 1980 के दशक में वन अधिकार पट्टे भी मिलने की बात सामने आ रही है। ऐसे में ग्रामीण ग्रामसभा की विधिवत अनुमति, वन अधिकारों और संवैधानिक प्रावधानों को लेकर सवाल उठा रहे हैं। प्रशासन की समझाइश भी नहीं तोड़ सकी गतिरोध दो दिन पहले एसडीएम पाली मीनाक्षी इंग्ले ने धरना स्थल पहुंचकर आंदोलनकारियों से काफी देर तक बातचीत की थी। प्रशासन की ओर से समझाइश देने का प्रयास भी किया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस सहमति नहीं बन सकी है। नतीजतन धरना जारी है और ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। इस बीच कुछ सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर भी धरना स्थल पर पहुंचकर आंदोलन को अपने प्लेटफॉर्म पर दिखा रहे हैं। हालांकि, इस सक्रियता के बीच यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आंदोलन की गंभीरता और आदिवासियों की वास्तविक समस्याओं को प्राथमिकता दी जा रही है या कहीं यह संघर्ष सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने का माध्यम तो नहीं बन रहा। ऐसे में आंदोलन की मूल मांगों और प्रभावित परिवारों की आवाज को केंद्र में रखना जरूरी है। अब प्रशासन के सामने दोहरी चुनौती बिजौरा का मामला अब केवल वन भूमि या कंपनी की गतिविधियों तक सीमित नहीं रह गया है। यह आदिवासी परिवारों के अधिकार, ग्रामसभा की भूमिका, वन संरक्षण और विकास परियोजनाओं के बीच संतुलन का गंभीर सवाल बन गया है। प्रशासन के सामने चुनौती है कि वह सभी संबंधित दस्तावेजों, वन अधिकार पट्टों, ग्रामसभा की प्रक्रिया और पेड़ों की कटाई से जुड़े तथ्यों की निष्पक्ष जांच कराए तथा प्रभावित परिवारों की आपत्तियों का समाधान करे। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या आदिवासियों की आशंकाओं का समाधान किए बिना कंपनी की गतिविधियां आगे बढ़ेंगी, या प्रशासन पहले ग्रामीणों के अधिकारों और जंगल के संरक्षण को लेकर स्थिति स्पष्ट करेगा? फिलहाल बिजौरा में आंदोलन जारी है और पूरे क्षेत्र की निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।

पार्षद व समाजसेवियों ने पेश की मानवता की मिसाल

केरल से आए व्यक्ति के आकस्मिक निधन उपरांत करवाया विधि-विधान से अंतिम संस्कार

समाज जागरण
जितेंद्र शर्मा शहडोल

मानव सेवा ही सच्ची सेवा है, इस भाव को चरितार्थ करते हुए शहडोल के समाजसेवियों ने एक सराहनीय मानवीय पहल की। मेडिकल कॉलेज शहडोल में दिनांक 25 नवंबर 2026 को एक अज्ञात व्यक्ति का निधन हो गया था। मृतक के परिजनों की जानकारी उपलब्ध नहीं होने के कारण उनकी पहचान एवं परिवार से संपर्क करना मुश्किल हो रहा था।



इसी दौरान जानकारी मिली कि मृतक ने पूर्व में एक सज्जन को अपने परिवार के संबंध में जानकारी दी थी। उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के आधार पर मृतक की पहचान स्व. सुनील कुमार, पिता स्व. राजागोपाल, निवासी पुलेरी, पोइल, वाकायाड, नादुवन्नूर, जिला कोझिकोड, केरल के रूप में हुई। साथ ही केरल में निवासरत उनकी बहन का मोबाइल नंबर भी प्राप्त हुआ। मेडिकल कॉलेज में पदस्थ नासिर खान एवं मनीष नामदेव के प्रयासों से मृतक की बहन से संपर्क स्थापित किया गया। सूचना मिलते ही बहन केरल से हवाई जहाज द्वारा जबलपुर पहुंचीं तथा वहां से चार पहिया वाहन के माध्यम से शहडोल मेडिकल कॉलेज आईं। अस्पताल की आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के पश्चात समाजसेवियों के सहयोग से पांडव नगर श्मशान घाट में पूरे विधि-विधान एवं सम्मान के साथ अंतिम संस्कार संपन्न कराया गया। इस पुनीत कार्य में वरिष्ठ समाजसेवी रंजीत बशाक, पार्षद सिल्लू रजक, नंदी गौ सेवा धाम के स्वयंसेवक विकास जाटवानी, निशु सेन, नासिर खान एवं मनीष नामदेव का विशेष योगदान रहा। समाज सेवियों की इस पहल ने एक बार फिर साबित किया कि मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं है। किसी अनजान व्यक्ति के अंतिम समय में उसके परिवार तक पहुंचने और सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई दिलाने का यह प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक है।

जैतहरी में रविवार साइकिल अभियान का 100वां संस्करण आयोजित, युवाओं ने दिया नशा मुक्ति का संदेश

पुलिस अधिकारियों ने भी साइकिल चलाकर बढ़ाया उत्साह , विद्यार्थियों को मेडल, टी-शर्ट एवं प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

समाज जागरण जितेंद्र शर्मा

जैतहरी। मेरा युवा भारत, अनूपपुर के तत्वावधान में रविवार को जैतहरी में रविवार साइकिल अभियान के 100वें संस्करण एवं नशा मुक्त युवा, विकसित भारत कार्यक्रम के तहत साइकिल मैराथन आयोजित की गई। थाना जैतहरी परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना हुई मैराथन जनपद पंचायत जैतहरी पहुंची और वापस थाना परिसर में संपन्न हुई।



कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के विकासखंड समन्वयक दिनेश कुमार सिंह चंदेल, माय भारत स्वयंसेवक जागृति सिंह एवं खेमराज पाटिल सहित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। सहायक उप निरीक्षक श्याम शुक्ला एवं प्रधान आरक्षक राजकुमार ने भी साइकिल चलाकर प्रतिभागियों का उत्साह बढ़ाया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई।

मैराथन के दौरान साइकिल चलाइए, स्वस्थ रहिए, पर्यावरण बचाइए और नशा छोड़ो, रिश्ता जोड़ो जैसे नारों से जागरूकता संदेश दिया गया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा। समापन पर विद्यार्थियों को पदक, टी-शर्ट एवं सहभागिता प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

आयोजन पुलिस, खेल, स्वास्थ्य विभाग एवं माय भारत स्वयंसेवकों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अमरकंटक मे सडकों से हटाया गया अतिक्रमण

सोनमुड़ा में सड़क पर लगी दुकानों को नगर पंचायत ने हटवाया

समाज जागरण विजय तिवारी

अमरकंटक के प्रमुख पर्यटन स्थल सोनमुड़ा में अतिक्रमण के खिलाफ नगर पंचायत ने रविवार को कार्रवाई की। सुबह करीब 10 बजे नगर पंचायत की टीम मौके पर पहुंची और सड़क पर लगाई गई दुकानों को हटवाया। कार्यवाही के दौरान सड़क पर अतिक्रमण कर संचालित की जा रही दुकानों को पूरी तरह हटाया गया। नगर पंचायत अधिकारी चैन सिंह परस्ते ने बताया कि सोनमुड़ा में कुछ दुकानदार अपनी निर्धारित जगह से आगे बढ़कर सड़क तक दुकानें लगा लेते थे। दुकानों के सामने कुर्सी-टेबल रख दिए जाते थे, जिससे सड़क पर आवागमन के लिए जगह कम पड़ जाती थी। इससे पर्यटकों और राहगीरों को परेशानी होती थी। उन्होंने यह भी बताया कि दुकानदारों द्वारा पर्यटक स्थल पर कूड़ा-कचरा, पॉलीथिन और डिस्पोजल गिलास सहित अन्य अपशिष्ट खुले में फेंके जा रहे थे। इससे सोनमुड़ा की स्वच्छता प्रभावित होने के साथ ही इस खूबसूरत पर्यटन स्थल की छवि भी धूमिल हो रही थी। अधिकारी के मुताबिक, दुकानदारों को पहले भी कई बार समझाईस देकर सड़क से अतिक्रमण हटाने और पर्यटक स्थल पर गंदगी नहीं फैलाने के लिए कहा गया था। कार्रवाई से तीन दिन पहले नगर पंचायत की ओर से मुनादी कराकर दुकानदारों को अपनी दुकानें और सामान स्वयं हटाने की चेतावनी भी दी गई थी।

इसके बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया। इसके बाद रविवार को नगर पंचायत की टीम को मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करनी पड़ी। इस दौरान नगर पंचायत अधिकारी चैन सिंह परस्ते,पटवारी अश्विनी तिवारी और पुलिस प्रशासन,परिषद के कर्मचारी मौजूद रहे। टीम ने सड़क पर लगाई गई दुकानों को हटवाकर जगह खाली कराया।

घुनघुटी के जंगल बचाने ग्रामीणों का आंदोलन तेज, कोल कंपनी के खिलाफ लामबंद हुए जनप्रतिनिधि और कांग्रेस नेता

1200 पेड़ों की कटाई और जलस्रोतों को प्रभावित करने की आशंका पर विरोध; विधायक फुंदेलाल सिंह सहित सैकड़ों लोगों ने आंदोलन स्थल पहुंचकर दिया समर्थन

समाज जागरण

उमरिया। जिले के घुनघुटी क्षेत्र में आवंटित कोल ब्लॉक को लेकर ग्रामीणों का विरोध लगातार तेज होता जा रहा है। जंगल, जमीन और प्राकृतिक जलस्रोतों के संरक्षण की मांग को लेकर जारी आंदोलन को रविवार को पर्यावरण प्रेमियों, कांग्रेस नेताओं, जन प्रतिनिधियों और सामा जिक कार्यकताओं का व्यापक समर्थन मिला। प्रदर्शनकारियों ने बजरंग इस्पात कंपनी के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए कोल ब्लॉक से जुड़ी गतिविधियों पर रोक लगाने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई। ग्रामीणों का प्रमुख विरोध गिठौरी गांव के जंगल में प्रस्तावित कोल ब्लॉक के लिए लगभग 1200 पेड़ों की कटाई तथा क्षेत्र के जलाशय और नाले को पाटे जाने की कार्रवाई को लेकर है। आंदोलनकारियों का कहना है कि जंगल और जलस्रोत क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा हैं, जिन पर स्थानीय ग्रामीणों की आजीविका और पर्यावरणीय संतुलन निर्भर है। ऐसे में खनन गतिविधियों से वन क्षेत्र और जलस्रोतों पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रस्तावित परियोजना के तहत करीब 1200 पेड़ों की कटाई की योजना है, जिनमें से पहले चरण में लगभग 350 पेड़ काटे जा चुके हैं। इसी मुद्दे को लेकर ग्रामीण लगातार आंदोलन कर रहे हैं। रविवार को पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह भी आंदोलन स्थल पहुंचे और ग्रामीणों के विरोध को अपना समर्थन दिया। उन्होंने ग्रामीणों की मांगों और जंगल संरक्षण से जुड़े मुद्दों को गंभीरता से उठाया।

इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के अध्यक्ष अजय अवस्थी, उमरिया जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विजय कोल, जनपद पंचायत जैतहरी के अध्यक्ष राजीव सिंह, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रवि मिश्रा, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन के असलम शेरखान, पुष्पराजगढ़ के पूर्व जनपद उपाध्यक्ष संतोष पांडे युवा कांग्रेस उमरिया के जिला अध्यक्ष अनुराग सिंह अंबुज अनूपपुर के जिला अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा अनूपपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गुड्डू चौहान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पंचायत प्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने ग्रामीणों के साथ एकजुटता प्रदर्शित करते हुए आंदोलन को समर्थन दिया।

उल्लेखनीय है कि बजरंग इस्पात कंपनी के खिलाफ चल रहे इस आंदोलन को इससे पहले युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष लखन घनघोरिया भी समर्थन दे चुके हैं। वहीं आंदोलन की शुरूआत से ही युवा कांग्रेस शहडोल के अध्यक्ष अनुपम गौतम और कांग्रेस के युवा नेता एवं पार्षद सुफियान खान लगातार ग्रामीणों के साथ खड़े होकर आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

जंगल, जमीन और पानी के संरक्षण की उठी आवाज

घुनघुटी क्षेत्र में जारी यह आंदोलन अब केवल पेड़ों की कटाई का विरोध नहीं रह गया है, बल्कि ग्रामीणों के लिए अपने जंगल, जमीन, जलस्रोत और आने वाली पीढ़ियों के पर्यावरण को बचाने का सवाल बनता जा रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि पेड़ों की कटाई और जलस्रोतों से संबंधित गतिविधियों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा स्थानीय लोगों की आपत्तियों और पर्यावरणीय चिंताओं का निराकरण किए बिना आगे की कार्रवाई न की जाए। आंदोलन में बढ़ती भागीदारी से साफ है कि ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर पीछे हटने के मूड में नहीं हैं।

ऊफरी के जंगल में शिकारियों ने बिछाया 11 हजार वोल्ट का मौत का जाल!

जीआई तार के सहारे करीब 500 मीटर तक फैलाया करंट, वन विभाग की तत्परता से टली बड़ी अनहोनी; डॉग स्क्वायड ने शुरू की आरोपियों की तलाश

समाज जागरण

ब्योहारी। शहडोल जिले के ब्योहारी वन परिक्षेत्र अंतर्गत गोदावल रेंज के ग्राम ऊफरी के जंगल में वन्यजीवों के शिकार के लिए कथित तौर पर बिछाया गया 11 हजार वोल्ट का बिजली करंट एक बड़े हादसे का कारण बन सकता था। हालांकि वन विभाग के अधिकारियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई से समय रहते खतरे को टाल दिया गया। जंगल में लकड़ी के खंभों के सहारे जीआई तार बिछाकर करीब 500 मीटर क्षेत्र में करंट फैलाए जाने की जानकारी सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीती रात अज्ञात शिकारियों द्वारा ग्राम ऊफरी के जंगल में वन्यजीवों का शिकार करने के उद्देश्य से कथित रूप से 11 हजार वोल्ट की बिजली लाइन से जीआई तार जोड़कर करंट फैलाया गया था। मामले की सूचना मिलते ही वन विभाग के डिप्टी रेंजर ने गंभीरता दिखाते हुए तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद बिजली विभाग से संपर्क कर विद्युत आपूर्ति बंद कराई गई, जिससे जंगल में विचरण करने वाले वन्यजीवों और आसपास के लोगों को संभावित खतरे से बचाया जा सका। घटना की गंभीरता को देखते हुए सुबह डॉग स्क्वायड की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाने और संदिग्धों तक पहुंचने के लिए तलाश शुरू कर दी है। वन विभाग द्वारा मौका पंचनामा तैयार कर मामले की जांच की जा रही है।

बांधवगढ़ से लगे जंगल में वन्यजीवों की जान पर खतरा

ग्राम ऊफरी का जंगल बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के आसपास के वन क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, इस इलाके में बाघ सहित अन्य वन्यजीवों की आवाजाही बनी रहती है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि करंट फैलाने का उद्देश्य बाघ अथवा अन्य वन्यजीवों का शिकार करना हो सकता है। हालांकि शिकार के वास्तविक उद्देश्य और इसमें शामिल लोगों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। गौरतलब है कि बीते दिनों देवलोंद क्षेत्र में भी बिजली के करंट की चपेट में आने से एक हाथी की मौत की घटना सामने आई थी। ऐसे में ऊफरी के जंगल में इस तरह से करंट फैलाए जाने का मामला वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है।

अब आरोपियों तक पहुंचने की चुनौती

वन विभाग की त्वरित कार्रवाई से भले ही एक बड़ी दुर्घटना टल गई हो, लेकिन जंगल में इतने बड़े स्तर पर बिजली का करंट फैलाने की कोशिश कई गंभीर सवाल खड़े करती है। आखिर किसने और किसके सहयोग से यह खतरनाक इंतजाम किया? जंगल में विद्युत तार पहुंचाने के पीछे कौन लोग शामिल हैं? फिलहाल वन विभाग की टीम आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। अब देखना होगा कि जांच में इस मामले के पीछे छिपे चेहरे कब तक बेनकाब होते हैं।

वन्यजीव संरक्षण में जुटे हर वनकर्मी के प्रति मेरे मन में विशेष सम्मान है - पद्मश्री अनिल कुंबले

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व पहुंचे भारतीय क्रिकेट के दिग्गज अनिल कुंबले ने वन अधिकारियों और प्रशिक्षु वनरक्षकों से किया आत्मीय संवाद

समाज जागरण
विजय तिवारी उमरिया

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी एवं पद्मश्री से सम्मानित श्री अनिल कुंबले ने कहा कि केवल क्रिकेट ही नहीं, बल्कि जंगल और वन्यजीवों की सुरक्षा में जुटा प्रत्येक वनकर्मी भी उनके दिल के करीब है। वन्यजीवों के प्रति अपने विशेष लगाव को साझा करते हुए उन्होंने कहा कि वनकर्मियों का समर्पण, कठिन परिस्थितियों में उनकी जिम्मेदारी और वन्यजीव संरक्षण के लिए किया जाने वाला निरंतर प्रयास अत्यंत महत्वपूर्ण है। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के भ्रमण पर पहुंचे अनिल कुंबले ने रविवार को ताला स्थित इको सेंटर में वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षु वनरक्षकों के साथ आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने अपने क्रिकेट जीवन के अनुभव साझा करते हुए सफलता के मंत्र बताए और वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत वन अमले का उत्साहवर्धन किया। कुंबले कर्नाटक राज्य वन्यजीव बोर्ड के सदस्य रह चुके हैं



तथा वर्तमान में कर्नाटक राज्य के वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण के ब्रांड एंबेसडर भी हैं। कार्यक्रम में क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय, उप संचालक, एसडीओ, वन्यजीव स्वास्थ्य अधि कारी, परिक्षेत्र अधिकारी, वन विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं प्रशिक्षु वनरक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में परिक्षेत्र अधिकारी खितौली श्रीमती स्वस्ति श्री जैन ने श्री कुंबले की क्रिकेट जगत की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि श्री कुंबले ने टेस्ट क्रिकेट में 619 विकेट लेकर भारतीय गेंदबाजों में सर्वाधिक विकेट लेने का कीर्तिमान स्थापित किया है। फरवरी 1999 में दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में पाकिस्तान के विरुद्ध एक ही पारी में सभी 10 विकेट लेने की ऐतिहासिक उपलब्धि भी उनके नाम दर्ज है। वहीं वर्ष 2002 में एंटीगुआ टेस्ट के दौरान जबड़ा टूटने के बावजूद पट्टी बांधकर गेंदबाजी करना उनके अदम्य साहस और खेल के प्रति समर्पण का उदाहरण है। इस अवसर पर क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय ने वन्यजीव संरक्षण के प्रति श्री कुंबले के लगाव और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार टेस्ट क्रिकेट में सफलता वर्षों के निरंतर अभ्यास, धैर्य और परिश्रम से प्राप्त होती है, उसी प्रकार बाघों और वन्यजीवों का संरक्षण भी लगातार मेहनत एवं समर्पण की मांग करता है। उन्होंने कहा कि श्री कुंबले जैसी प्रतिष्ठित हस्तियों का वन्यजीव संरक्षण के पक्ष में आगे आना इस संदेश को व्यापक स्तर तक पहुंचाने के साथ वन अमले का मनोबल भी बढ़ाता है। संवाद में साझा किए सफलता और समर्पण के मंत्र कार्यक्रम का विशेष आकर्षण श्री अनिल कुंबले का खुला संवाद सत्र रहा। इसमें अधिकारियों, मैदानी वन अमले और प्रशिक्षु वनरक्षकों ने उनके क्रिकेट जीवन तथा वन्यजीव संरक्षण से जुड़े अनुभवों को लेकर अनेक प्रश्न पूछे। श्री कुंबले ने सभी प्रश्नों के उत्तर सहजता और आत्मीयता के साथ दिए। उन्होंने अपने क्रिकेट जीवन की सफलता का श्रेय निरंतरता, कड़ी मेहनत और दृढ़ इच्छाशक्ति को देते हुए कहा कि किसी भी क्षेत्र में स्थायी सफलता एक दिन में हासिल नहीं होती। इसके लिए प्रतिदिन अपने काम के प्रति ईमानदार रहना, अनुशासन बनाए रखना और कठिन परिस्थितियों में भी हार नहीं मानना आवश्यक है। श्री कुंबले ने कहा कि सफलता के ये सिद्धांत वन विभाग के कार्यों में भी उतने ही प्रासंगिक हैं। जंगलों में दिन-रात गश्त करना, विषम परिस्थितियों में अपनी जिम्मेदारी निभाना और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए लगातार सजग रहना वनकर्मियों के समर्पण और धैर्य की मांग करता है। उन्होंने विशेष रूप से प्रशिक्षु वनरक्षकों को अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी लगन, ईमानदारी और धैर्य के साथ करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में मध्यप्रदेश वन विभाग की ओर से श्री अनिल कुंबले को बाघ का छायाचित्र स्मृति चिह्न के रूप में भेंट किया गया। वन्यजीव संरक्षण के प्रति उनके लगाव और वन अमले के साथ आत्मीय संवाद का यह अवसर अधिकारियों एवं प्रशिक्षु वनरक्षकों के लिए प्रेरणादायी रहा।

घुनघुटी में कोयला खदान के विरोध में आंदोलनकारियों को प्रशासन का नोटिस, टेंट हटाने के सख्त निर्देश

पथौरा वेस्ट कोल माइंस की आवंटित वनभूमि पर प्रदर्शन से खदान का रास्ता बाधित होने का आरोप, इठ्ठर की धारा 126 और 163 के तहत कार्रवाई की चेतावनी

समाज जागरण

उमरिया। जिले की पाली तहसील अंतर्गत ग्राम घुनघुटी एवं गिठौरी में पथौरा वेस्ट कोल माइंस को आवंटित वनभूमि पर चल रहे विरोध प्रदर्शन को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। रविवार देर शाम अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पाली द्वारा जारी सूचना पत्र के माध्यम से आंदोलनकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वन कक्ष क्रमांक 306 एवं 307 की भूमि पर लगाए गए टेंट और अन्य अस्थायी संरचनाओं को तत्काल हटाया जाए तथा खदान तक पहुंचने वाले मार्ग को आवागमन के लिए बाधा मुक्त किया जाए। जानकारी के अनुसार यह नोटिस करीब एक दर्जन आंदोलनकारियों को जारी किया गया है। खबर लिखे जाने तक आधे दर्जन से अधिक प्रदर्शनकारियों को नोटिस की तामील भी कराई जा चुकी थी। नोटिस में कहा गया है कि संबंधित वनभूमि खनन प्रयोजन के लिए कंपनी को आवंटित की गई है। प्रशासन को प्राप्त शिकायतों एवं उपलब्ध जानकारी के अनुसार कुछ लोगों द्वारा समूह बनाकर बिना वैध अनुमति के उक्त भूमि पर टेंट लगाकर कब्जा किया गया है और खदान तक आने-जाने वाले रास्ते को बाधित किया जा रहा है। इससे



खदान के सामान्य कार्य एवं संचालन में व्यवधान उत्पन्न होने के साथ कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन ने आंदोलनकारियों को चेतावनी दी है कि सभी अनधिकृत टेंट और अस्थायी संरचनाएं तत्काल हटाकर भूमि को अतिक्रमण एवं अवरोध मुक्त करें। भविष्य में बिना सक्षम अनुमति कब्जा करने, टेंट लगाने अथवा खदान के कार्य और आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाली गतिविधियों से दूर रहें। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नोटिस में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), 2023 की धारा 126 के तहत शांति बनाए रखने के लिए बंधपत्र की कार्रवाई पर विचार करने तथा परिस्थितियों के अनुसार धारा 163 के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करने की चेतावनी भी दी गई है। प्रशासन के इस कदम से कोयला खदान के विरोध में चल रहे आंदोलन को लेकर हलचल तेज हो गई है।अब बड़ा सवाल यह है कि आंदोलनकारी नोटिस के बाद अपना आंदोलन किस दिशा में ले जाएंगे और क्या प्रशासन के निर्देशों के बाद मौके से टेंट हटाए जाएंगे?

जैतहरी को मिली महर्षि कश्यप धाम की सौगात, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुआ लोकार्पण एवं मूर्ति अनावरण

नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुआ भव्य समारोह, जनप्रतिनिधियों एवं समाज के गणमान्य नागरिकों की रही गरिमामयी उपस्थिति

समाज जागरण जैतहरी

नगर परिषद जैतहरी के वार्ड क्रमांक 15 स्थित महर्षि कश्यप व्यापार केंद्र परिसर में नवनिर्मित महर्षि कश्यप धाम का रविवार को विधिवत लोकार्पण एवं महर्षि कश्यप की प्रतिमा का अनावरण वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक रीति-रिवाजों के बीच संपन्न हुआ। नगर परिषद अध्यक्ष उमंग अनिल गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों

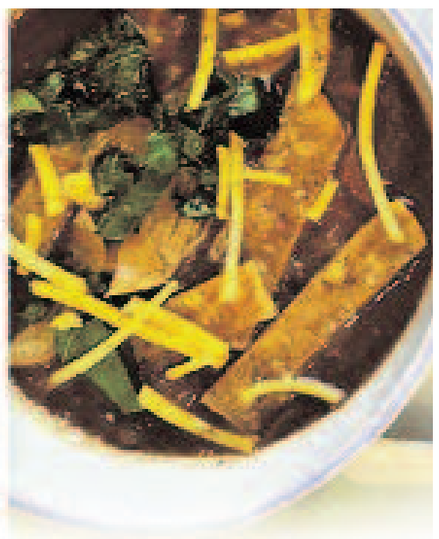


एवं गुप्ता-केसरवानी समाज के लोगों ने सहभागिता की। महर्षि कश्यप धाम को नगर की धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत एवं सामाजिक एकता के प्रतीक के रूप में विकसित किया गया है। प्रतिमा अनावरण के दौरान उपस्थित लोगों ने महर्षि कश्यप के आदर्शों एवं सामाजिक समरसता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। समारोह में पूर्व उपाध्यक्ष विंध्य विकास प्राधिकरण अनिल गुप्ता, पसान नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष रंजीत सरार्टी, जिला पंचायत सभापति कैलाश मरावी, सुनीता जैन, सविता राठौर सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी भूपेंद्र सिंह, पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी एवं समाज के सदस्यों की सहभागिता रही।

नगरवासियों ने धाम निर्माण को धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल बताया। लोकार्पण के साथ धाम नगरवासियों को समर्पित कर दिया गया।







रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।



आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमश: चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।





रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। इसकी तासीर गर्म होने के कारण इसका अधिकतर सेवन सर्दियों में किया जाता है। इस मौसम में अदरक खाने से खांसी- जुकाम, बलगम जैसी परेशानियों से बचा जा सकता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दियों के मौसम में सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी छोटी-मोटी समस्या होना आम है। इससे बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

सर्दियों में अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।



एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

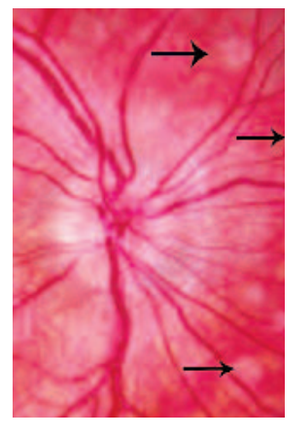
तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।



अनियमितताओं के आरोप में कोचाधामन के बाल विकास परियोजना पदाधिकारी नागेंद्र कुमार निलंबित

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो, किशनगंज।



किशनगंज जिले के कोचाधामन बाल विकास परियोजना कार्यालय में सामने आई कथित वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं के मामले में बिहार सरकार के समाज कल्याण विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) नागेंद्र कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस संबंध में समाज कल्याण विभाग की ओर से 27 नवंबर 2026 को अधिसूचना जारी की गई है।

विभागीय आदेश के अनुसार, बिहार विधान परिषद के सदस्य मो. सरवर आलम की ओर से उठाए गए मामले, अपर समाहर्ता (विभागीय जांच), किशनगंज के पत्र तथा जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, किशनगंज के प्रतिवेदनों एवं अभिलेखों के आधार पर नागेंद्र कुमार के विरुद्ध कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई थीं।

जांच प्रतिवेदन में कार्यालय संचालन, पर्यवेक्षण एवं वित्तीय प्रबंधन में लापरवाही, क्रय प्रक्रिया में अनियमितता, आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण एवं निगरानी में कमी तथा विभागीय निदेशों के अनुपालन में उदासीनता का उल्लेख किया गया है। इसके अलावा पोषण अभियान के तहत निर्धारित गतिविधियों में देरी, लगभग पांच करोड़ रुपये की मांग तथा करीब एक करोड़ रुपये की राशि के वित्तीय उपयोग से संबंधित अनियमितताओं का भी जिक्र किया गया है।

अभिलेखों के अनुसार, आंगनबाड़ी केंद्रों के निरीक्षण और आंगन ऐप पर प्रविष्टियों में भी गंभीर कमियां पाई गईं। समीक्षा बैठकों में बिना पूर्व सूचना अनुपस्थित रहने तथा अनुपस्थिति का उचित कारण नहीं बताने जैसी बातें भी जांच में सामने आईं।

विभाग ने जांच प्रतिवेदन एवं उपलब्ध अभिलेखों की समीक्षा के बाद इसे वित्तीय प्रबंधन और आंगनबाड़ी योजनाओं के प्रभावी संचालन एवं पर्यवेक्षण में गंभीर विफलता मानते हुए निलंबन का निर्णय लिया। नागेंद्र कुमार को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम-9 (1) के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। वहीं, इस अवधि में उनका मुख्यालय जिला कार्यक्रम कार्यालय, कैमूर निर्धारित किया गया है।

अनिल कुमार वर्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर मेगा चिकित्सा शिविर, 800 से अधिक लोगों की निःशुल्क जांच

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण,ब्यूरो चीफ



सरायकेला खरसावां (झारखंड) 29 नवंबर 2026: मानव सेवा और जनकल्याण की भावना के साथ स्वर्गीय अनिल कुमार वर्मा की प्रथम पुण्यतिथि पर रविवार, 29 नवंबर को आदित्यपुर-2 कॉलोनी रोड नंबर-4 स्थित 'कुणाल रिलीफ सेंटर' में एक विशाल 'निःशुल्क मेडिकल एवं डेंटल मेगा कैंप' का सफल आयोजन किया गया।

अपने दिवंगत पिता के बताए जनसेवा के मार्ग पर चलते हुए उनके दोनों पुत्रों– डॉ. कुणाल वर्मा और डॉ. केतन वर्मा ने संयुक्त रूप से इस शिविर का आयोजन किया।

सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक चले इस स्वास्थ्य शिविर को लेकर स्थानीय लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शिविर की जानकारी देते हुए डॉ. कुणाल वर्मा ने बताया कि इस मेगा कैंप में 800 से अधिक लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। उन्होंने बताया कि यह एक कंप्लीट हेल्थ पैकेज शिविर था, जिसमें सामान्य चिकित्सा और दंत रोग (डेंटल) के अलावा स्त्री रोग (गायनेकोलॉजी) और नेत्र रोग (आई) विशेषज्ञों की टीम ने मरीजों को उचित परामर्श दिया।

शिविर की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि मरीजों के लिए कई महंगे और जरूरी पैथोलॉजी टेस्ट भी पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध कराए गए। इनमें लिवर फंक्शन टेस्ट, एचबीए1सी (HbA1c), लिपिड प्रोफाइल, बोन डेंसिटी टेस्ट और फेफड़ों की जांच के लिए स्पाइरोमीट्री टेस्ट शामिल थे। जांच के उपरांत सभी जरूरतमंद मरीजों को आयोजकों की ओर से मुफ्त दवाइयां भी वितरित की गईं।

डॉ. कुणाल वर्मा ने कहा कि अपने पिता की स्मृति में समाज के हर वर्ग तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाना ही इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है, और भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्य निरंतर जारी रहेंगे। शिविर को सफल बनाने में कुणाल रिलीफ सेंटर की पूरी टीम का सराहनीय योगदान रहा।

सावनाडीह में तीन करोड़ की लागत से बनेगा माझी-परगना एवं धुमकुड़िया भवन

पोटका विधायक संजीव सरदार ने किया शिलान्यास, एक वर्ष में निर्माण पूरा करने का लक्ष्य

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ) पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर



पोटका आदिवासी समाज की पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था, कला और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के उद्देश्य से रविवार को पोटका विधानसभा क्षेत्र के सावनाडीह में माझी-परगना हाउस एवं बहुउद्देशीय कला-संस्कृति सह धुमकुड़िया भवन का शिलान्यास किया गया। विधायक संजीव सरदार ने विधिवत पूजा-अर्चना और नारियल फोड़कर निर्माण कार्य की आधारशिला रखी।

करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस भवन का निर्माण एक वर्ष के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। भवन में सामाजिक बैठकें, सामुदायिक आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रम और पारंपरिक कला से जुड़ी गतिविधियां संचालित होंगी। इससे आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्था को मजबूती मिलने के साथ नई पीढ़ी को अपनी भाषा, संस्कृति, रीति-रिवाज और परंपराओं से जोड़ने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम का आयोजन झारखंड मुक्ति मोर्चा की पोटका प्रखंड कमेटी की ओर से किया गया। शिलान्यास समारोह में स्थानीय लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा गया। स्थानीय स्तर पर इस पहल को आदिवासी समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

मेहरमा में विकास योजनाओं की धीमी गति पर डीडीसी नाराज

समाज जागरण



गोड्डा मेहरमा उप विकास आयुक्त विस्पुते श्रीकांत यशवंत रविवार को मेहरमा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने प्रखंड कार्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ बैठक कर वीबी-जी रामजी से संबंधित विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के क्रम में योजनाओं के क्रियान्वयन की धीमी गति पर उन्होंने नाराजगी जताई तथा इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि योजना के तहत प्रखंड की प्रत्येक पंचायत में कम से कम 20-20 योजनाओं का चयन कर उनका क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। इस प्रकार सभी पंचायतों को मिलाकर योजनाओं की संख्या लगभग 450 होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं का चयन ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक जरूरतों और स्थानीय समस्याओं को ध्यान में रखकर किया जाए, ताकि इसका सीधा लाभ आम लोगों को मिल सके।

उन्होंने योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि इसके तहत पक्की नाली निर्माण, डांड़ एवं बांध की खुदाई, सोखता निर्माण, बागवानी, वाटर हार्वेस्टिंग सहित जल संरक्षण और ग्रामीण आधारभूत संरचना से जुड़ी अन्य योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए। इन कार्यों के माध्यम से जहां गांवों में विकास को गति मिलेगी, वहीं जल संरक्षण, सिंचाई और पर्यावरण संतुलन को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पंचायत स्तर पर योजनाओं की पहचान कर प्राथमिकता के आधार पर सूची तैयार करें।उप विकास आयुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों और कर्मियों को दो दिनों के अंदर करीब 450 योजनाओं की सूची तैयार कर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं की सूची तैयार करने में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए। पंचायत सचिव, रोजगार सेवक, तकनीकी सहायक और अभियंताओं को आपसी समन्वय बनाकर काम करने की जरूरत है। योजना चयन से लेकर उसके क्रियान्वयन तक सभी स्तरों पर जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

समीक्षा के दौरान कार्यों के प्रति उदासीनता और दायित्वों के निर्वहन में शिथिलता बरतने वाले दो-तीन कर्मियों को चिह्नित करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से ऐसे कर्मियों की पहचान कर उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही शुरू करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही करने वालों के प्रति प्रशासन सख्त रुख अपनाएगा।

मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिनव कुमार, मनरेगा बीपीओ अजीत सिंह, पंचायत सचिव सह प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी गंगाराम शाह, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, पंचायत सचिव, रोजगार सेवक सहित अन्य कर्मी उपस्थित थे।

बागबेड़ा में रेलवे क्वार्टर में भीषण आग, ट्रेनों के तकिये और चादरें जलकर राख होने की आशंका

- ट्रैफिक कॉलोनी में देर रात आग लगने से मची अफरा-तफरी, दो दमकल गाड़ियों से नहीं बुझी आग तो बुलानी पड़ी अतिरिक्त गाड़ियां
- बागबेड़ा पुलिस और आरपीएफ के जवान मौके पर पहुंचे, आग लगने के कारणों का अब तक नहीं चला पता

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)



जमशेदपुर बागबेड़ा थाना क्षेत्र के गुदरी मार्केट के पीछे स्थित ट्रैफिक कॉलोनी में शनिवार देर रात एक रेलवे क्वार्टर में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि देखते ही देखते पूरे क्वार्टर को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के बाद आसपास के लोगों में दहशत का माहौल बन गया। आग की भयावहता को देखते हुए तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। इसके बाद झारखंड अग्निशमन विभाग की दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जिस रेलवे क्वार्टर में आग लगी, वहां ट्रेनों में यात्रियों के इस्तेमाल के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले तकिये और चादरें रखी हुई थीं। आशंका जताई जा रही है कि इसी सामान में अचानक आग लगी, जिसके बाद आग तेजी से फैलती चली गई। क्वार्टर में बड़ी मात्रा में कपड़े और अन्य ज्वलनशील सामग्री रखे होने के कारण आग ने कुछ ही समय में विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटें और धुएं का गुबार दूर से ही दिखाई देने लगा।

घटना की सूचना मिलते ही झारखंड अग्निशमन विभाग की दो दमकल गाड़ियां घटनास्थल पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता और क्वार्टर में रखे सामान के कारण उन्हें काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। काफी देर तक प्रयास करने के बावजूद जब आग पर नियंत्रण नहीं पाया जा सका, तब अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को भी मौके पर बुलाया गया। इसके बाद अग्निशमन कर्मियों की टीम ने आग बुझाने का अभियान तेज कर दिया।

इस दौरान घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के लोग भी चिंतित नजर आए। दमकल कर्मियों द्वारा आग को आसपास के अन्य हिस्सों में फैलने से रोकने और उसे पूरी तरह बुझाने का प्रयास किया जाता रहा।

वहीं, घटना की जानकारी मिलने पर बागबेड़ा थाना प्रभारी और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवान भी मौके पर पहुंचे। पुलिस और आरपीएफ की टीम घटनास्थल पर मौजूद रहकर स्थिति पर नजर बनाए हुए है। साथ ही आग बुझाने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में भी सहयोग किया जा रहा है।

फिलहाल आग लगने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। शॉर्ट सर्किट या अन्य किसी वजह से आग लगी, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। आग से रेलवे क्वार्टर में रखे तकिये, चादरें और अन्य सामान को कितना नुकसान पहुंचा है, इसका भी आकलन नहीं हो सका है। आग पूरी तरह बुझने के बाद रेलवे की ओर से नुकसान का आकलन और घटना के कारणों की जांच किए जाने की संभावना है। देर रात तक दमकल कर्मियों का अभियान जारी रहा।

टाटा स्टील हाफ मैराथन में देशभर के धावकों ने दिखाया दम, सुनील और पूजा बने चैंपियन

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ) पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर



जमशेदपुर टाटा स्टील जमशेदपुर हाफ मैराथन में रविवार को देशभर से पहुंचे महिला एवं पुरुष धावकों ने अपनी रफ्तार और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में 21, 10 और 5 किलोमीटर की दौड़ आयोजित की गई। 21 किलोमीटर पुरुष वर्ग में सुनील कुमार ने 1 घंटा 4 मिनट 27 सेकेंड का समय लेकर पहला स्थान हासिल किया, जबकि अनुपम महतो दूसरे और प्रशांत चौधरी तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में पूजा वर्मा 1 घंटा 17 मिनट 55 सेकेंड के साथ विजेता बनीं। फूलन पाल दूसरे और गुड़िया तीसरे स्थान पर रहीं।

वहीं, 10 किलोमीटर पुरुष वर्ग में पश्चिम बंगाल के दीप पंडित ने 30 मिनट 20 सेकेंड में दौड़ पूरी कर बाजी मारी। जमशेदपुर के अर्जुन टुडू दूसरे और अजय कुमार तीसरे स्थान पर रहे। महिला वर्ग में लखनऊ की नंदिनी गुप्ता ने 35 मिनट 17 सेकेंड के समय के साथ पहला स्थान प्राप्त किया। केएम ज्योति दूसरे और पूजा सिंह तीसरे स्थान पर रहीं।

मैराथन में देश के विभिन्न राज्यों से आए प्रतिभागियों की भागीदारी ने आयोजन को खास बनाया। प्रतियोगिता के माध्यम से फिटनेस, खेल भावना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता का संदेश भी दिया गया।

पटना के फतुहा में ट्रक में खाना बनाते वक्त भड़की आग

चालक गंभीर रूप से झुलसा; एनएमसीएच रेफर

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के फतुहा औद्योगिक क्षेत्र परिसर में शनिवार की देर शाम खड़े एक ट्रक में खाना बनाने के दौरान अचानक आग भड़क उठी। इस हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से झुलस गया। घायल चालक की पहचान वैशाली जिले के पातेपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत मुकुंदपुर गांव निवासी रामप्रवेश साह के रूप में की गई है। जानकारी के मुताबिक, वह फतुहा स्थित भारत गैस प्लांट के गैस वाहन ट्रक का चालक है। घटना के बाद औद्योगिक क्षेत्र में कुछ देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार की शाम रामप्रवेश साह अपने खड़े ट्रक के अंदर खाना बना रहा था। इसी दौरान जैसे ही उसने गैस जलाई, अचानक आग की लपटें तेज हो गईं और देखते ही देखते चालक को अपनी चपेट में ले लिया। आग की चपेट में आने से उसके शरीर के कई हिस्से बुरी तरह झुलस गए। हादसे के बाद मौके पर मौजूद लोगों के बीच हड़कंप मच गया।

इसी बीच पास स्थित एक प्लाईवुड फैक्ट्री में काम करने वाले एक युवक की नजर झुलसे हुए चालक पर पड़ी। उसने बिना देर किए तत्परता दिखाई और घायल रामप्रवेश साह को तुरंत फतुहा अस्पताल पहुंचाया। वहां ड्यूटी पर तैनात मेडिकल ऑफिसर डॉ. इमरान ने घायल का प्राथमिक उपचार किया। फतुहा अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद चालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सक ने उसे बेहतर इलाज के लिए एनएमसीएच रेफर कर दिया। इसके बाद एंबुलेंस के माध्यम से उसे आगे के उपचार के लिए भेजा गया। यह घटना एक बार फिर यह याद दिलाती है कि सीमित जगह, खासकर वाहन के भीतर खाना बनाते समय गैस और ज्वलनशील पदार्थों के उपयोग में कितनी सावधानी बरतने की जरूरत है। जरा सी चूक बड़ा हादसा बन सकती है।

पटना के लई पेट्रोल पंप के पास पुलिस की छापेमारी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बिहटा आईआईटी अमहारा थाना क्षेत्र अंतर्गत लई पेट्रोल पंप से करीब 500 मीटर उत्तर नगर बिहटा के समीप पुलिस ने अवैध हथियार के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से एक देसी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं, जबकि मौके का फायदा उठाकर उसका एक साथी पुलिस को चकमा देते हुए फरार हो गया। इस कार्रवाई के बाद इलाके में अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस की सक्रियता को लेकर चर्चा तेज हो गई है। रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में डीएसपी-2 अमरेंद्र कुमार झा ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि 28 नवंबर को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि लई पेट्रोल पंप के पास दो संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार लेकर मौजूद हैं और किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए अमहारा थाना और लई ओपी पुलिस की संयुक्त टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर छापेमारी की।

पटना में शादी समारोह से लौट रहे युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत, घर में पसरा मातम

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश



पटना/ जिले के बिहटा में शादी समारोह में शिरकत कर ट्रेन से अपने घर लौट रहे एक 26 वर्षीय युवक की शनिवार देर रात दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा नेउरा अप लाइन में पोल संख्या 569/23 के समीप हुआ। मृत युवक की पहचान बिहटा नगर परिषद क्षेत्र के अल्हणपुरा वार्ड संख्या 27 निवासी चांसी कुमार (पिता रामराज राय) के रूप में हुई है। घटना के बाद से पूरे परिवार में कोहराम मचा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चांसी कुमार शनिवार को पटना में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया था। देर रात समारोह समाप्त होने के बाद वह ट्रेन के माध्यम से वापस अपने घर बिहटा लौट रहा था। इसी क्रम में नेउरा अप लाइन के पोल संख्या 569/23 के पास वह किसी अज्ञात ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के लोग मौके पर जुटने लगे। ग्रामीणों से हादसे की सूचना मिलने पर मृतक के भाई अंकित कुमार तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। वहां उन्होंने शव की पहचान अपने भाई चांसी कुमार के रूप में की। इसके बाद अंकित कुमार ने बिहटा जीआरपी को लिखित आवेदन देकर पूरे मामले की जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही बिहटा जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के बाद आवश्यक कानूनी व कागजी प्रक्रिया पूरी की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जीआरपी पूरे मामले की छानबीन में जुटी है कि युवक किस ट्रेन से सफर कर रहा था और हादसा कैसे हुआ।

हंसते-खेलते युवक की असमय मौत की खबर जैसे ही अल्हणपुरा वार्ड संख्या 27 स्थित उसके घर पहुंची, वहां मातम पसर गया। माता-पिता, भाई-बहनों और अन्य रिश्तेदारों का रो-रोकर बुरा हाल है। मोहल्ले के लोग पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाने में जुटे हैं। शादी की खुशियों के बीच हुए इस दर्दनाक हादसे से पूरे इलाके में शोक की लहर है।

परिसीमन बिल पर कांग्रेस का हमला, कहा- झारखंड के आदिवासी और ओबीसी अधिकारों से समझौता नहीं

महिला आरक्षण के साथ ओबीसी आरक्षण और नई जनगणना के आधार पर परिसीमन कराने की उठाई मांग

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)



जमशेदपुर परिसीमन बिल को लेकर पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से जिला अध्यक्ष परविंदर सिंह की अध्यक्षता में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। इसमें कांग्रेस नेताओं ने केंद्र की भाजपा सरकार पर झारखंड के राजनीतिक और संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए बिल का विरोध किया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि प्रस्तावित परिसीमन के जरिए झारखंड को विधानसभा सीटों में मिलने वाले वास्तविक लाभ से वंचित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 28 सीटों को बढ़ाकर 32 करने का प्रस्ताव पर्याप्त नहीं है। आदिवासी आबादी और सामाजिक संरचना के अनुरूप कम से कम 42 सीटें आरक्षित होनी चाहिए।

पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि परिसीमन के नाम पर झारखंड के आदिवासी और अनुसूचित जाति वर्ग के राजनीतिक अधिकारों से समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार बलमुचू ने मांग की कि महिला आरक्षण के साथ ओबीसी आरक्षण और नई जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाकर परिसीमन की प्रक्रिया पूरी की जाए।

कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची से लाखों नाम हटाने की कथित तैयारी पर भी सवाल उठाए और कहा कि लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की रक्षा जरूरी है। नेताओं ने स्पष्ट किया कि झारखंड के हितों की अनदेखी होने पर कांग्रेस लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेगी। प्रेस वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश पाल मुंजनी, अशोक चौधरी, आनंद बिहारी दुबे, अजय सिंह, विजय यादव, रामाश्रय प्रसाद, नट्टू झा, राकेश तिवारी समेत पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पटना के दुल्हिन बाजार में चोरों ने बंद घर को बनाया निशाना

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश



पटना / जिले के दुल्हिन बाजार थाना क्षेत्र के सोरमपुर गांव में अज्ञात चोरों ने एक बंद घर का ताला तोड़कर सोने-चांदी के कीमती जेवर और नकदी उड़ा ली। इस घटना के बाद से गांव के लोगों में सुरक्षा को लेकर चर्चा और चिंता का माहौल है, वहीं पीड़ित परिवार ने स्थानीय थाने में लिखित आवेदन देकर न्याय दिलाने तथा चोरी गया सामान जल्द से जल्द बरामद कराने की गुहार लगाई है। प्राप्त जानकारी और आवेदन के अनुसार, सोरमपुर गांव निवासी संतोष कुमार की पत्नी साक्षी देवी 25 नवंबर 2026 को दोपहर करीब 2:30 बजे अपने घर के मुख्य दरवाजे पर ताला लगाकर किसी रिश्तेदार के यहां शेरपुर गांव गई थीं। घर में किसी के न रहने का फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया। जब साक्षी देवी शेरपुर से वापस सोरमपुर स्थित अपने घर पहुंचीं और दरवाजे का ताला खोलकर भीतर गईं, तो अंदर का दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। घर के भीतर सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा था और रखे गए बक्से का ताला टूटा हुआ था, जिससे स्पष्ट हो गया कि घर में चोरी हो चुकी है। पीड़िता द्वारा दिए गए विवरण के मुताबिक, चोरों ने बक्से में सुरक्षित रखे गए सोने के गले का हार, सोने की तीन बाली, दो नथिया, सोने का मांग टीका, सोने की तीन अंगूठी, सोने के चार बाला और सोने की एक सिकरी चुरा ली। इन आभूषणों के अलावा चोर चांदी के चार पायल, 6,000 रुपये नकद तथा कुछ टूटा हुआ सोना-चांदी भी अपने साथ ले गए। घटना की जानकारी मिलते ही पीड़िता ने दुल्हिन बाजार थाना अध्यक्ष को आवेदन सौंपकर मामले की त्वरित जांच करने, शामिल चोरों को जल्द पकड़ने और चोरी गए आभूषण व नकदी वापस दिलाने के लिए सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। इस संबंध में दुल्हिन बाजार पुलिस ने बताया कि पीड़िता द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और आगे की आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

पटना के फतुहा में दो जगह लगी आग से मची अफरा-तफरी

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के फतुहा में रविवार की सुबह करीब साढ़े तीन बजे अचानक अफरा-तफरी मच गई। जब लोग गहरी नींद में थे, तभी पुरानी चौक के पास बिजली के पोल पर जोरदार आवाज के साथ शॉर्ट सर्किट हुआ और देखते ही देखते आग की लपटें उठने लगीं। आग इतनी तेज थी कि उसकी रोशनी दूर तक फैल गई, पोल से चिंगारियां गिरने लगीं और आसपास के तार भी जलने लगे। तेज आवाज और धुएं से लोगों की नींद खुल गई और लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए।

लोग अभी पुरानी चौक की घटना को समझ ही पा रहे थे कि फतुहा चौराहे के पास स्थित मेन ट्रांसफार्मर में भी आग लगने की खबर आ गई। ट्रांसफार्मर से तेज आवाज के साथ धमाका हुआ और उससे भी ऊंची लपटें उठने लगीं। दो-दो जगह आग लगने से इलाके में दहशत फैल गई और लोगों को आसपास के घरों व दुकानों के चपेट में आने का डर सताने लगा। इसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत बिजली विभाग और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायरकर्मी सिकन्दर कुमार के नेतृत्व में मिनी दमकल की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने बिना देर किए मोर्चा संभाला और पहले पुरानी चौक के पोल की आग पर पानी की बौछार की, जिसके बाद चौराहे के ट्रांसफार्मर की आग बुझाई गई। काफी मशक्कत के बाद दोनों जगह आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। सुरक्षा के मद्देनजर एहतियातन इलाके की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई, जिससे पुरानी चौक, चौराहा और आसपास के क्षेत्रों में करीब डेढ़ घंटे तक बिजली बाधित रही और बाद में बहाल की गई। गनीमत रही कि घटना में कोई हताहत या घायल नहीं हुआ, हालांकि पोल और ट्रांसफार्मर को नुकसान पहुंचा। स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग से जर्जर तारों और ट्रांसफार्मरों की नियमित जांच की मांग की है।

पुष्कर में फिलिस्तीन आजाद हो लिखे जाने से विवाद, विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा पर उठे सवाल

सुदर्शन समाचार के जागो कार्यक्रम में उठा मामला, इजराइल से कालू बाबा ने केंद्र और राजस्थान सरकार से जांच कराने की मांग की

समाज जागरण
विशेष संवाददाता: रविंद्र आर्य

पुष्कर (राजस्थान)। राजस्थान के अजमेर जिले की धार्मिक एवं पर्यटन नगरी पुष्कर में दुकानों, भोजनालयों और सार्वजनिक स्थानों पर काले रंग से फिलिस्तीन आजाद हो फिलिस्तीन स्वतंत्र होगा और 1312 लिखे जाने का मामला सामने आया है। इसको लेकर विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा और स्थानीय व्यापारियों की चिंता बढ़ गई है। भगवान ब्रह्मा के प्रसिद्ध मंदिर और पवित्र सरोवर के लिए विश्वविख्यात पुष्कर में बड़ी संख्या में इजराइल और यहूदी समुदाय के पर्यटक भी आते हैं।

क्या है 1312 का अर्थ?

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 1312 को अंग्रेजी के चार अक्षरों एसीएबी का सांकेतिक रूप माना जाता है। इसमें अंग्रेजी वर्णमाला के अनुसार ए का स्थान पहला, सी का तीसरा, ए का पहला और बी का दूसरा है। इस प्रकार 1312 से एसीएबी बनता है। इसका अर्थ पुलिस के प्रति अपमानजनक टिप्पणी से जुड़ा है। हालांकि पुष्कर में फिलिस्तीन संबंधी नारों के साथ इस संख्या को लिखने के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या है, यह जांच का विषय है।

दुकानदारों ने जताई चिंता

वराह घाट चौक स्थित एक दुकान के शटर पर ह्यफिलिस्तीन आजाद होह्ल और 1312 लिखा मिला। दुकानदार ने बताया कि उसे इन संदेशों का अर्थ नहीं मालूम है। उसके अनुसार दुकान पर आने वाले ग्राहकों में बड़ी संख्या यहूदी पर्यटकों की है। उसने लिखावट मिटाने के लिए शटर पर सफेद रंग कराने की बात कही। निवार्णा भोजनालय और घाट की सीढ़ियों के आसपास भी इस तरह की लिखावट होने की चर्चा सामने आई है।

सुदर्शन समाचार के कार्यक्रम में उठा मामला

सुदर्शन समाचार के ह्यजागोह्ल कार्यक्रम में इस मामले को प्रमुखता से उठाया गया। कार्यक्रम में सवाल किया गया कि दुकानों, होटलों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर बिना अनुमति इस तरह के नारे लिखने वालों की पहचान क्यों नहीं की जा



रही है। साथ ही आशंका जताई गई कि ऐसी गतिविधियों से विदेशी पर्यटकों में भय और असहजता पैदा हो सकती है, जिसका असर पुष्कर के पर्यटन व्यवसाय पर भी पड़ सकता है।

इजराइल से कालू बाबा ने की जांच की मांग

इजराइल में रह रहे कालू बाबा ने दूरभाष के माध्यम से बातचीत में राजस्थान सरकार, केंद्रीय गृह मंत्रालय, खुफिया विभाग, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण और अजमेर पुलिस से मामले की जांच कराने की मांग की। उन्होंने यहूदी धार्मिक स्थल वेद कफ्फा मंदिर की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील भी की।

कालू बाबा ने दावा किया कि वर्ष 2019 से इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं और इसके कारण इजरायली पर्यटकों की संख्या में 40 से 50 प्रतिशत तक कमी आई है। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

उन्होंने मुंबई के 26 नवंबर के आतंकी हमले और उदयपुर में कन्हैया लाल हत्याकांड का उल्लेख करते हुए कहा कि सुरक्षा एजेंसियों को किसी भी संभावित खतरे को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने संदिग्ध गतिविधियों और संभावित सुरक्षा खतरों की जांच कराने की मांग की। हालांकि, फिलहाल इन लिखावटों के पीछे किसी संगठित षड्यंत्र या आतंकी गतिविधि का प्रमाण सामने नहीं आया है।

सीसीटीवी चित्रों की जांच और सुरक्षा व्यवस्था की मांग

मामले को लेकर वराह घाट चौक, निवार्णा भोजनालय और अन्य स्थानों के निगरानी कैमरों के चित्रों की जांच कर लिखावट करने वालों की पहचान करने की मांग की गई है। इसके साथ ही वेद कफ्फा मंदिर और विदेशी पर्यटकों के ठहरने वाले क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने की अपील की गई है।

पुष्कर धार्मिक आस्था के साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटन का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। ऐसे में स्थानीय व्यापारियों की संपत्ति की सुरक्षा और यहां आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना आवश्यक है। अब इस मामले में प्रशासन और संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की जांच एवं कार्रवाई पर नजर रहेगी।

तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर दीप प्रज्वलन की परंपरा में बाधा चिंताजनक- आचार्य बालमुकुंद

समाज जागरण

जयपुर। जयपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक आचार्य बालमुकुंद ने तमिलनाडु के मदुरै स्थित तिरुपरनकुंड्रम पहाड़ी पर सदियों पुरानी दीप प्रज्वलन की परंपरा को लेकर उठे विवाद पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आखिर सनातन परंपराओं और हिंदुओं की धार्मिक आस्थाओं से इतनी आपत्ति क्यों है? आचार्य बालमुकुंद ने अपने संदेश में कहा कि अपने ही देश में अपने आराध्य के लिए एक दीपक जलाने की परंपरा के निर्वहन में भी यदि बाधाएं सामने आएं, तो यह बेहद चिंताजनक विषय है। तमिलनाडु में विजय की ळश्ड सरकार के कार्यकाल में सामने आए इस प्रकरण



पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हिंदू समाज की आस्था उसकी पहचान है और सदियों पुरानी धार्मिक परंपराएं हमारी सांस्कृतिक विरासत हैं। इनकी रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। अब समय आ गया है कि हिंदू समाज अपनी धार्मिक आस्थाओं और परंपराओं के प्रति जागरूक बने तथा अपने धार्मिक अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाए।

आचार्य बालमुकुंद ने सनातन परंपराओं के संरक्षण और धार्मिक आस्थाओं के सम्मान का आह्वान करते हुए कहा कि हमारी परंपराएं हमारी विरासत हैं और इन्हें सुरक्षित रखना हमारा दायित्व है।

दुमदुमा फुटबॉल अकादमी सेमीफाइनल में पहुंची

दुमदुमा कप 2026 के पहले क्वार्टर फाइनल में बरुआहोला स्पोर्ट्स अकादमी को 1-0 से हराया, मुस्कान ने किया निर्णायक गोल

समाज जागरण

तिनसुकिया (असम)। राष्ट्रीय स्तर की महिला फुटबॉल प्रतियोगिता दुमदुमा कप 2026 के पहले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दुमदुमा फुटबॉल अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बरुआहोला स्पोर्ट्स अकादमी, तिनसुकिया को 1-0 गोल से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ, असम फुटबॉल संघ और तिनसुकिया जिला खेल संघ के तत्वावधान में आयोजित इस द्वितीय वार्षिक राष्ट्रीय आमंत्रण पुरस्कार राशि महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन दुमदुमा खेल संघ की ओर से किया जा रहा है। इसमें ऑयल इंडिया लिमिटेड, दुलियाजान और स्थानीय लोगों का सहयोग मिल रहा है।

दोनों टीमों के बीच खेला गया मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। पहले हाफ में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने गोल करने के कई प्रयास किए, लेकिन किसी को सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में भी दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। खेल समाप्त होने से कुछ मिनट पहले दुमदुमा फुटबॉल अकादमी की खिलाड़ी मुस्कान ने शानदार गोल दागकर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। यही गोल निर्णायक साबित हुआ और दुमदुमा अकादमी ने मुकाबला जीत लिया। मैच का संचालन काबान मिली तिस्पी ने किया। सहायक निर्णायक के रूप में चयनिका बरगोहाईं और करिश्मा सोनोवाल ने जिम्मेदारी निभाई, जबकि चौथे अधिकारी के रूप में देवयानी गोगोई मौजूद रहीं। प्रतियोगिता के अगले मुकाबले में 30 नवंबर को पासीघाट फुटबॉल क्लब, अरुणाचल प्रदेश और खुमटाई वॉरियर्स के बीच भिड़ंत होगी। यह मुकाबला शाम 6:30 बजे से खेला जाएगा।

239.800 लीटर शराब के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

वाहन जांच के दौरान टाटा नेक्सॉन से मिली शराब, इंद्रपुरी थाना पुलिस ने की कार्रवाई

समाज जागरण संवाददाता: पारसनाथ दुबे

डेहरी (रोहतास)। रोहतास जिले में शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 239.800 लीटर शराब के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब लदी टाटा नेक्सॉन गाड़ी भी जब्त कर ली है।



पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई इंद्रपुरी थाना कांड संख्या 217/26, दिनांक 27 नवंबर 2026 तथा बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत की गई है।

गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सन्नी कुमार, पिता धर्मेंद्र पासवान, निवासी मनेरी बिगहा, थाना डालमियानगर, जिला रोहतास के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, 27 नवंबर को शाम करीब पांच बजे वाहन जांच के दौरान पुलिस ने सफेद रंग की टाटा नेक्सॉन गाड़ी को रोका। तलाशी लेने पर गाड़ी से 239.800 लीटर शराब बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने वाहन सहित अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने मामले में आगे की विधिसम्मत कार्रवाई शुरू कर दी है।

राम केवल राम और राजा राम राउत के निधन पर मेहतर सेवा संघ ने जताया शोक

समाज के दो अनमोल व्यक्तित्वों के निधन से अपूरणीय क्षति : मोहन राम

समाज जागरण
संवाददाता: पारसनाथ दुबे

डेहरी (रोहतास)। मेहतर सेवा संघ बिहार ने संघ के पूर्व भोजपुर जिला अध्यक्ष एवं वर्तमान जिला संयोजक स्वर्गीय राम केवल राम तथा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राजा राम राउत के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

संघ के प्रदेश अध्यक्ष मोहन राम ने बताया कि राम केवल राम का निधन 29 नवंबर 2026 को भोजपुर जिले के चानी गांव में हुआ, जबकि राजा राम राउत ने 28 नवंबर 2026 को अंतिम सांस ली।

उन्होंने कहा कि दोनों व्यक्तित्व मेहतर समाज की अनमोल धरोहर थे। समाज के हित और उत्थान के लिए उनका योगदान अविस्मरणीय रहेगा। उनके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है। उनके सामाजिक कार्यों और योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में प्रदेश अध्यक्ष मोहन राम, प्रदेश उपाध्यक्ष सुधीर राउत, श्रीमती मंजू देवी, धर्मेंद्र राम, प्रदेश संयोजक अखिलेश्वर राम, कोषाध्यक्ष वीर बसंत लाल, प्रधान महासचिव राज कुमार राउत, अमित आनंद और प्रदेश सचिव अशोक राउत सहित संघ के सभी पदाधिकारी शामिल रहे। सभी ने दिवंगत आत्माओं की शांति और शोकाकुल परिवारों को इस दुख की घड़ी में धैर्य एवं साहस प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

गीडा में बूचड़खाना खोलना चाहती थी सपा सरकार, आज 17,650 करोड़ का हुआ निवेश: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

गोरखपुर, 29 नवंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2004-05 में तत्कालीन समाजवादी पार्टी सरकार ने गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में कोई उद्योग लगाने के बजाय जबरदस्ती एक बूचड़खाना खोलने का कुत्सित प्रयास किया था। तब सांसद रहते हुए उन्होंने सहजनवां के कार्यकर्ताओं के साथ आंदोलन किया और सपा सरकार को दो टूक कहा था कि यदि विकास सैफई जा रहा है तो स्लॉटर हाउस भी वहीं ले जाइए, गोरखपुर अपना विकास स्वयं कर लेगा। आज उसी गीडा में एक नहीं बल्कि तीन-तीन डेयरी, सीमेंट फैक्ट्री, स्टील व प्लास्टिक उद्योगों के साथ हजारों करोड़ रुपये का निवेश आ रहा है।

मुख्यमंत्री रविवार को गीडा के 37वें स्थापना दिवस पर सेक्टर-7 में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने बटन दबाकर 502 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया, गीडा की नई वेबसाइट लॉन्च की और हैंडलूम एवं टेक्सटाइल उद्योगों को लेटर ऑफ कम्फर्ट वितरित किए। कार्यक्रम में 17,650 करोड़ रुपये के नए निवेश एमओयू हुए, जिससे 50,000 युवाओं को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर 463 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली चकभोप आवासीय कॉलोनी का शुभारंभ भी किया, जहां गरीब से लेकर हर वर्ग के लिए आवास तथा श्रमिकों के लिए डॉर्मिटरी व सस्ते भोजन की किचन सुविधा उपलब्ध होगी।

सैफई महोत्सव पर खर्च होता था 85 फीसदी बजट

मुख्यमंत्री ने कहा कि 37 वर्ष पहले स्थापित गीडा के शुरूआती 28-30 वर्ष अंधकारमय थे, क्योंकि खराब सरकारें स्वयं में आपदा होती हैं और परिवारवाद तक सीमित दल कभी विकास नहीं कर सकते। वर्ष 2017 से पहले सरकारी धन कब्रिस्तान की बाउंड्री और गरीबों की जमीन कब्जाने में लगता था। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग के कुल बजट का 80 से 85 फीसदी हिस्सा केवल सैफई महोत्सव पर खर्च हो जाता था और शेष प्रदेश के लिए कुछ नहीं बचता था।

आज 403 विधानसभाओं का हो रहा है विकास

आज डबल इंजन सरकार बिना भेदभाव सभी 403 विधानसभाओं में विकास करा रही है। काशी विश्वनाथ धाम, भव्य श्रीराम मंदिर व नई अयोध्या, मां विंध्यवासिनी धाम, मां शाकंभरी धाम, शुकतीर्थ, नैमिषारण्य, कुशीनगर, श्रावस्ती, सद्गुरु रविदास जी के सीर गोवर्धन और संत कबीर की स्थली मगहर का कायाकल्प हुआ है। साथ ही बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, सद्गुरु रविदास, महर्षि वाल्मीकि और ज्योतिबा फुले की प्रतिमाओं, मंदिरों व पार्कों का 4,030 से अधिक स्थानों पर सुंदरीकरण कराया गया है। उन्होंने सहजनवां विधायक प्रदीप शुक्ला द्वारा आठ मंदिरों के पुनरुद्धार तथा अन्य विधायकों के विकास कार्यों की सराहना की।

माफिया और मच्छर का किया सफाया

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश की दो ही पहचान थीं, मच्छर से होने वाली इंसेफेलाइटिस बीमारी और माफिया राज द्वारा उद्योगों से वसूली। इंसेफेलाइटिस से ज्यादातर दलित व पिछड़े वर्ग के मासूम दम तोड़ते थे, लेकिन संवेदनहीन सरकारों को कोई परवाह नहीं थी। आज डबल इंजन सरकार ने माफिया और मच्छर दोनों को समाप्त कर दिया है। सत्ता से बेदखल होकर बेरोजगार हुए लोग आज विकास का दावा कर रहे हैं, जबकि सत्ता में रहते उन्होंने केवल अपने खानदान और सिंडिकेट के लिए काम किया।

एके-203 और ब्रह्मोस से बढ़ी देश की ताकत

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें कट्टा और बम बनवाती थीं, लेकिन आज यूपी में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ कलाश्निकोव एके-203 राइफल, वेबले स्कॉट रिवॉल्वर और ब्रह्मोस मिसाइल बन रही है। जब ब्रह्मोस मिसाइल दुश्मन पर कहर बरपाती है तो पाकिस्तान भी बाप-बाप चिल्ला उठता है। गीडा में 15,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव पहले ही जमीन पर उतर चुके हैं। धुरियापार के पास सीमेंट फैक्ट्री, गैलेंट व अंकुर उद्योग का स्टील, तत्व प्लास्टिक, फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स, दोहरी क्षमता से चलता खाद कारखाना, पिपराइच चीनी मिल और कालेसर-जंगल कौड़िया बाईपास नए गोरखपुर की पहचान हैं।

मदुरै में दीपक जलाने से रोका गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में दीपोत्सव पर 36 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित हुए, जबकि तमिलनाडु के मदुरै के पास सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद लोगों को दीपक जलाने से रोका गया, क्योंकि वहां समाजवादी पार्टी के डीएनए और कांग्रेस कल्चर से मिलती-जुलती सरकार है। उन्हें केवल अपने वोट बैंक की चिंता है, आस्था की नहीं। यदि वहां भाजपा की सरकार होती तो कोई दीपक जलाने से नहीं रोक पाता।

यूरोप में दंगा पर यूपी में सब चंगा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यूरोप के कई देशों में रोज दंगे, आगजनी, तोड़फोड़ और लूटपाट हो रही है। पूरे यूरोप की जितनी आबादी है, अकेले उत्तर प्रदेश की उतनी आबादी है। इसके बावजूद यूपी में न लूटपाट है, न कर्फ्यू है और न दंगा है। यूपी में सब चंगा है, क्योंकि यहां भाजपा की डबल इंजन सरकार है। जहां लोग आपस में बंटे हैं, वहां लगातार कट भी रहे हैं।

25 एकड़ में बनेगा सरदार पटेल स्किलिंग जोन

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को कौशल से जोड़ने के लिए 25 एकड़ क्षेत्रफल में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल स्किलिंग एंड एम्प्लॉयमेंट जोन बनाया जा रहा है। यहां सहजनवां, खजनी, चिल्लूपार, बांसगांव, गोरखपुर ग्रामीण, कैम्पियरगंज, पिपराइच, चौरी-चौरा सहित कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, मऊ, आजमगढ़, सिद्धार्थनगर, बस्ती और संतकबीरनगर के युवाओं को एक ही छत के नीचे पंजीकरण, साक्षात्कार व प्रशिक्षण के साथ नौकरी की गारंटी मिलेगी।

डिजिटल प्रदर्शनी व गोरखपुर ट्रेड शो का अवलोकन, बच्चों को मेला दिखाने का आह्वान

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर परियोजनाओं की डिजिटल प्रदर्शनी, विभागीय स्टॉल, गोरखपुर ट्रेड शो और एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी) प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस दौरान गीडा के विकास कार्यों पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई। मुख्यमंत्री ने गीडा व जिला प्रशासन तथा चेंबर ऑफ इंडस्ट्रीज से आह्वान किया कि वे स्कूली बच्चों, व्यापारियों व उद्यमियों को ट्रेड शो में लाकर यूपी की उत्पादन शक्ति, ओडीओपी और व्यंजन कला का अवलोकन कराएं।

निवेश को बढ़ावा देने के लिए छह संस्थाओं के साथ एमओयू

कार्यक्रम के दौरान मंच पर गीडा के सीईओ और छह कंपनियों एवं संस्थानों के प्रतिनिधियों के बीच समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान-प्रदान हुआ।

आर्य समाज गोविन्दपुरम का 24वां वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

- राष्ट्र रक्षा सम्मेलन में आचार्य डॉ. रणवीर शास्त्री का आह्वान- देशभक्ति जगाओ, गुरुकुल शिक्षा अपनाओ
- आर्य समाज राष्ट्र रक्षा का सजग प्रहरी है- इं. रामवीर सिंह तोमर
- वैदिक संस्कारों की रक्षा और राष्ट्र को चरित्रवान बनाने का संकल्प लें- सत्यवीर चौधरी

समाज जागरण

गाजियाबाद, रविवार,29 नवंबर 2026।आर्य समाज गोविन्दपुरम के 24वें त्रिदिवसीय वार्षिकोत्सव का समापन सत्र 'राष्ट्र रक्षा सम्मेलन' सत्यवीर चौधरी की अध्यक्षता में एस.जी. बेनिफिट सोसायटी, रोड नंबर-2, गोविन्दपुरम में सोल्लास सम्पन्न हुआ। महायज्ञ सहारनपुर से पधारे आचार्य डॉ. रणवीर शास्त्री के ब्रह्मत्व में हुआ, जिसमें मुख्य यजमान अंजू-नितिन सहरावत, रजनी- मधुकर गुप्ता, निशा- शिव कुमार त्यागी, अल्का-ज्ञानेंद्र एवं बिक्रम सिंह बालियान रहे।

बिजनौर से पधारे सुप्रसिद्ध भजनोपदेशक मोहित शास्त्री एवं प्रीति आर्या ने ईशभक्ति एवं राष्ट्रभक्ति के गुणगान से भरे भजन प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया। समाज के मंत्री महिपाल सिंह तोमर ने आचार्य डॉ. रणवीर शास्त्री का जीवन परिचय देते हुए कई संस्मरण सुनाए, जिसे सुनकर श्रोता भावविभोर हो गए।

महायज्ञ के ब्रह्मा एवं मुख्य वक्ता आचार्य डॉ. रणवीर शास्त्री ने आशीर्वचन के पश्चात राष्ट्र रक्षा



सम्मेलन में कहा कि भारतीयों में देशभक्ति है, लेकिन प्रसुप्त अवस्था में है। इसे जगाना जरूरी है। राष्ट्र वह है जो अपनी संस्कृति और गुणों से चमकता है। गुरुकुल शिक्षा राष्ट्रभावना को रोपती है, जबकि आधुनिक शिक्षा उसे थोपती है। रोपी गई राष्ट्रभक्ति सर्वोच्च है। प्राचीन वैदिक गुरुकुल में राजा-रंक सब एक साथ पढ़ते थे और आचार्य अपने आचरण से सिखाते थे। आज की शिक्षा अधूरी है–शरीर, बुद्धि, मन तो मिलता है, आत्मज्ञान नहीं। स्वामी दयानंद के पंचकोष सिद्धांत से पूर्ण शिक्षा की जरूरत है।

मुख्य अतिथि इं. रामवीर सिंह तोमर (सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी) ने कहा कि आर्य समाज द्वारा राष्ट्र रक्षा सम्मेलन आयोजित करना इस बात का द्योतक है कि आर्य समाज राष्ट्र रक्षा के लिए चिंतित है। उन्होंने कहा कि देश की आजादी के आंदोलन में सबसे ज्यादा जेल जाने वाले 80% आर्य समाजी थे, अतः आर्य समाज के प्रत्येक कार्यकर्ता का कर्तव्य बन जाता है कि वे संगठित हों, क्योंकि आर्य समाज राष्ट्र का सजग प्रहरी है।

अति विशिष्ट अतिथि विजयपाल कसाना (प्रधान, जिला आर्य प्रतिनिधि सभा) ने कहा कि वैदिक जीवन दर्शन के सूत्रों को अपनाने से राष्ट्रोन्नति संभव होगी।

समारोह की अध्यक्षता कर रहे जिला आर्य सभा के मंत्री सत्यवीर चौधरी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझना, वैदिक संस्कारों की रक्षा करना तथा राष्ट्र को शक्तिशाली, संस्कारवान और चरित्रवान बनाना हमारा संकल्प होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वैदिक परंपरा और संस्कारों की सुरक्षा ही राष्ट्र की वास्तविक शक्ति है। जब समाज संस्कारवान और चरित्रवान बनेगा, तभी राष्ट्र सचमुच शक्तिशाली हो सकेगा। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों का पालन करें और वैदिक मूल्यों को जीवन में उतारें।

मंच का कुशल संचालन इं. बिक्रम सिंह बालियान ने किया। प्रधाना पूनम चौधरी ने सहयोगियों, दानदाताओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से सर्वश्री चमन सिंह, राजपाल तोमर, नरेन्द्र पांचाल, डॉ. वीरेन्द्र नाथ सरदाना, के.के. यादव, डॉ. भगवान देव आचार्य, वी.के. धामा, सत्यपाल आर्य, प्रमोद शास्त्री, आशा रानी आर्या, शंकर लाल, वेद प्रकाश तोमर, हरीश सूरी, कुसुम सिरोही, विजेन्द्र सिंह खोखर, आराधना सिंह, राजेश कोहली एवं योगी प्रवीण आर्य आदि उपस्थित रहे।

सोन नदी में राहत-बचाव अभियान चला रही बिहटा मुख्यालय की टीम

मोटरबोट से नदी में सघन तलाशी, जवान लगातार कर रहे गश्त

समाज जागरण संवाददाता: पारसनाथ दुबे

डेहरी (रोहतास)। सोन नदी में राहत एवं बचाव कार्य के लिए बिहटा मुख्यालय की टीम डेहरी पहुंच गई है। टीम के जवान मोटरबोट की सहायता से नदी में सघन तलाशी अभियान चला रहे हैं।



अभियान के दौरान जवान लगातार नदी में गश्त कर रहे हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। टीम द्वारा नदी के विभिन्न हिस्सों में निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं सहायता पहुंचाई जा सके। बिहटा मुख्यालय की टीम की ओर से राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है।

'खादी महोत्सव-2026' में बिक्री ने पकड़ी रफ्तार; रविवार को उमड़ी खरीदारों की भीड़, अब तक 61.24 लाख की हुई बिक्री

समाज जागरण

लखनऊ, 29 नवम्बर। उत्तर प्रदेश खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा राजधानी लखनऊ के गोमती नगर स्थित केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय प्रांगण में "धागों में संस्कृति, खादी से प्रगति" की थीम पर आयोजित 10 दिवसीय राज्य स्तरीय 'खादी महोत्सव-2026' में बिक्री ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। आगामी 06 दिसम्बर 2026 तक चलने वाले इस महोत्सव में रविवार का अवकाश होने के कारण खरीदारी के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिसके चलते प्रदर्शनी में अब तक लगभग 61.24 लाख की बिक्री दर्ज की जा चुकी है। खादी की पारंपरिक कला और शिल्प को प्रदर्शित करने तथा खादी उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से योगी सरकार द्वारा आयोजित इस महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए उद्यमियों एवं इकाइयों द्वारा 150 से अधिक आकर्षक स्टॉल लगाए गए हैं। रविवार को प्रदर्शनी में आगंतुकों का निरंतर आना जारी रहा और लोग स्टालों पर अपनी पसंद के सामानों की खरीदारी करते नजर आए। महोत्सव में स्वराज आश्रम कानपुर द्वारा निर्मित खादी के विभिन्न प्रकार के वस्त्रों जैसे कुर्ता-पायजामा, सदरी और कोट के साथ-साथ भदोही के कार्पेट की लोगों में काफी मांग रही। इसके अतिरिक्त मिट्टी से बने विभिन्न प्रकार के कलात्मक बर्तनों एवं खिलौनों ने भी आगंतुकों को खूब आकर्षित किया। उत्पादों की अच्छी बिक्री होने से दूर-दराज से आए उद्यमियों एवं हस्तशिल्पियों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शिशिर ने बताया कि उद्यमियों एवं आगंतुकों की मांग को देखते हुए गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में 'खादी महोत्सव-2026' का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस महोत्सव के आयोजन का मुख्य उद्देश्य खादी को जन-जन तक पहुंचाना, ग्रामोद्योगी उत्पादों को प्रोत्साहन प्रदान करना, स्थानीय कारीगरों एवं उद्यमियों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप बाजार उपलब्ध कराना तथा युवाओं एवं महिलाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना है।महोत्सव के अंतर्गत रविवार को बच्चों के लिए 'पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया, जिसमें जूनियर तथा सीनियर संवर्ग के बच्चों ने पोस्टर पर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जूनियर संवर्ग में कुमारी जिनिशा सेन ने प्रथम, शिवांश यादव ने द्वितीय तथा प्रणव शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

यात्रियों की सुरक्षा से समझौता नहीं, योगी सरकार का ऑपरेशन सेफ्टी बना सख्ती की मिसाल

लखनऊ, 29 नवंबर। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यात्रियों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए योगी सरकार ने परिवहन विभाग को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। इसी क्रम में गंगा एक्सप्रेस-वे, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे पर 26 और 27 नवंबर को दो दिवसीय विशेष अभियान ऑपरेशन सेफ्टी चलाया गया। अभियान के दौरान लंबी दूरी की स्लीपर बसों सहित 425 वाहनों की जांच की गई। सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने वाले 152 वाहनों का चालान किया गया, जबकि 26 वाहनों को विभिन्न थानों में निरुद्ध किया गया।

स्लीपर बसों की सुरक्षा पर विशेष नजर

परिवहन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के निर्देश और परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन के मार्गदर्शन में चलाए गए अभियान में बस बॉडी कोड के उल्लंघन, निर्धारित क्षमता से अधिक सीटें लगाने, अतिरिक्त सवारियां बैठाने, आपातकालीन निकास और अग्नि सुरक्षा उपकरणों की क्रियाशीलता की जांच की गई। साथ ही चालकों के नशे में होने और परमिट शर्तों के पालन को भी परखा गया। अनियमितताएं मिलने पर तत्काल चालान और वाहन बंद करने की कार्रवाई की गई।

नियमों की अनदेखी पर परिवहन विभाग की सख्ती

अपर परिवहन आयुक्त एवं अभियान के नोडल अधिकारी केडी सिंह गौर ने कहा कि, अनुमन्य क्षमता से अधिक सीटें पाए जाने पर 14 बसों का चालान और एक बस बंद की गई। क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने पर 19 बसों का चालान हुआ। आपातकालीन निकास क्रियाशील न होने पर 12 और अग्नि सुरक्षा उपकरण काम नहीं करने पर 10 बसों का चालान किया गया, जबकि चार बसें निरुद्ध की गईं। परमिट शर्तों के उल्लंघन में 86 बसों पर कार्रवाई हुई। वहीं, माल वाहनों में यात्रियों को ढोने पर 12 वाहनों का चालान और दो माल वाहन बंद किए गए।

सुरक्षित सफर के लिए अभियान जारी रखने का संकल्प

दो दिवसीय अभियान में कुल 152 वाहनों का चालान और 26 वाहनों को निरुद्ध किया गया। कार्रवाई के दौरान 61.65 लाख रुपये प्रशमन शुल्क और 2.62 लाख रुपये टैक्स की प्राप्ति हुई।